देवीपाटन मण्डल का प्रथम हिन्दी दैनिक

त्रिगुट

जनपद का गजेटियर तैयार किये जाने के संबंध में जिला स्तरीय कमेटी की बैठक हुई आयोजित

गोण्डा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा की अध्यक्षता में जनपद गोण्डा का नया गजेटियर तैयार किये जाने के संबंध में शासन के निर्देशानुसार गठित जिला स्तरीय कमेटी की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी एम अरुन्मौली भी उपस्थित रही। बैठक में बताया गया कि शासन के निर्देश के क्रम में जनपद का नया गजेटियर निर्धारित मानक पर तैयार किया जाना है। जिसमें जनपद के एतिहासिक, भौगोलिक , संस्कृति भाषा, लोक एवं समाज, प्रशासन, जनसंख्या सहित ए टू जेड जानकारी विभिन्न विभागों, संस्थाओं प्रबुद्ध नागरिकों से प्राप्त करते हुए संकलित किया जाना है। जिलाधिकारी ने बैठक में जनपद का गजेटियर तैयार किये जाने हेतु निर्धारित मानकों/बिन्दुओं के सापेक्ष डाटा तैयार करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने समस्त अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला गजेटियर तैयार करने में सभी अधिकारी पूरा सहयोग करें।

नासिरा प्रेस

मालवीयनगर-गोण्डा

मो0-9236750993

हमारे यहां शादी कार्ड, मुण्डन कार्ड, हैण्डबिल, पोस्टर, स्टीकर आदि की छपाई उचित दर पर होती है।

एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें।

गोण्डा मंगलवार 26 सितम्बर 2023 वर्ष 39 अंक 40 रजि0 नं0 46071/85 (हिन्दी दैनिक समाचार पत्र) फोन/फैक्स-05262-230683 डाक पंजीयन संख्या-NP/GONDA-30/2003 पृष्ठ- 8 मूल्य 2.00 रुपये

पं0 दीन दयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद दर्शन के माध्यम से भारत की दृष्टि भारत के राजनीतिक एजेंडा का हिस्सा बना-मुख्यमंत्री

पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी की प्रेरणा हम सभी को प्रकाश पुंज बन करके हमेशा प्रेरित करती रहेगी

लखनऊ कार्यालय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने एकात्म मानववाद व अन्त्योदय के प्रणेता पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती पर आज यहां पं0 दीन दयाल उपाध्याय स्मृतिका, लखनऊ स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने कहा कि एकात्म मानववाद दर्शन के माध्यम से भारत की दृष्टि को भारत के राजनीतिक एजेंडा का हिस्सा बनाने वाले, राजनीति में शुचिता, पारदर्शिता और ईमानदारी के प्रबल समर्थक अन्त्योदय के प्रणेता पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी की जयन्ती है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी की वास्तविक जन्मभूमि उत्तर प्रदेश ही है। इनका जन्म उत्तर प्रदेश के मथुरा जनपद के एक गांव में हुआ था। उन्होंने प्रदेश के अलग-अलग संस्थानों से शिक्षा अर्जित की थी। वह बचपन से ही अपने धुन के पक्के थे। कुशाग्र बुद्धि होने के कारण उन्हें स्कॉलरशिप मिलती गई और उनकी पढ़ाई आगे बढ़ती गई। भारत और भारतीयता के प्रति उनका दृष्टिकोण बहुत स्पष्ट था। उन्होंने संस्कृति को राष्ट्र की आत्मा के पर्याय के रूप में उसका संवाहक माना। उनका स्पष्ट मत था कि भारतीय दृष्टिकोण, विश्व मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि समाज के अन्तिम पायदान पर बैठे व्यक्ति के विषय में पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी की धारणा बहुत स्पष्ट थी। उनका स्पष्ट मत था कि आर्थिक उन्नति एवं प्रगति का पैमाना ऊंचे पायदान पर खड़े हुए व्यक्ति से नहीं, बल्कि नीचे पायदान पर खड़े व्यक्ति से किया जाना चाहिए। आर्थिक रूप से सम्पन्न व्यक्ति नहीं बल्कि सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति से हमें अपनी प्रगति की समीक्षा एवं आत्मावलोकन करना चाहिए। अन्त्योदय की उनकी इसी अवधारणा से स्वतंत्र भारत में गरीब कल्याणकारी योजनाओं को आगे बढ़ाने का एक माध्यम मिला। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में वर्ष 1998 से वर्ष 2004 के दौरान केन्द्र में कार्यरत सरकार का लक्ष्य भी गरीबों का उत्थान रहा था। इस दौरान अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की गई। विगत साढ़े नौ वर्ष में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा जो भी कार्य हुए हैं, इसके पीछे भी पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी का अन्त्योदय का संकल्प एवं प्रेरणा है। हर हाथ को काम, हर खेत को पानी का उनका यह संकल्प सभी को आगे बढ़ाने की नई प्रेरणा प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज किसान एवं महिलाएं भी सरकार के विकास के एजेंडे में शामिल हैं। गांव, गरीब, किसान महिला, युवा को विकास का आधार बनाकर कल्याणकारी योजनाएं प्रभावी ढंग से लागू की जा रही हैं। विगत साढ़े नौ वर्षों में प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश ने सर्वांगीण विकास का जो चमत्कार देखा है, वह पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी की ही प्रेरणा है। इसके आधार पर आज हर नौजवानों को रोजगार की गारन्टी मिल रही है। महिलाओं को समान अधिकार प्राप्त हो रहा है। किसानों को प्रधानमंत्री किसान फसल बीमा योजना के साथ ही, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है। न्यूनतम समर्थन मूल्य के आधार पर किसानों को लागत का डेढ़ गुना दाम देने की कार्यवाही हो रही है। हर गरीब को आवास, शौचालय, गरीब महिलाओं को निःशुल्क गैस कनेक्शन, हर गरीब को आयुष्मान भारत योजना से 05 लाख रुपये का स्वास्थ्य सुरक्षा कवर एवं निःशुल्क राशन की सुविधा का लाभ मिल रहा है। एम0एस0एम0ई0 लोगों के रोजगार सृजन एवं आर्थिक स्वावलम्बन का एक आधार बना है। इस पर प्रदेश सरकार द्वारा किया जा रहा कार्य भी पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी की एक प्रेरणा है। पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी की प्रेरणा हम सभी को प्रकाश पुंज बन करके हमेशा प्रेरित करती रहेगी।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर जल शक्ति मंत्री श्री स्वतंत्रदेव सिंह, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री कपिलदेव अग्रवाल, लखनऊ की मेयर श्रीमती सुषमा खर्कवाल एवं अन्य

जनप्रतिनिधिगण एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

एआईएडीएमके ने किया गठबंधन तोड़ने का ऐलान

चेन्नई(ईएमएस)। जहां एक ओर लगभग सभी राजनीतिक दल 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले गठबंधन बनाने में जुटे हैं। ऐसे मेंएआईएडीएमके ने भाजपा से गठबंधन तोड़ दिया है। अब यह पार्टी एनडीए का हिस्सा नहीं है। पार्टी मुख्यालय के बाहर जश्न का माहौल है। एआईएडीएमके समर्थकों ने पटाखे फोडक़र जश्न मनाया है। एआईएडीएमके ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस गठबंधन को तोड़ने का औपचारिक ऐलान कर दिया। इस दौरान पार्टी की ओर से कहा गया, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने अन्नादुराई और जयललिता की जानबूझकर आलोचना की थी। एनडीए से अलग होने का फैसला एआईएडीएम के मुख्यालय में पार्टी प्रमुख एडप्पादी के पलानीस्वामी की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बैठक में लिया गया। विचार-विमर्श के बारे में पत्रकारों को जानकारी देते हुए, पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता केपी मुनुसामी ने कहा कि पार्टी ने सर्वसम्मति से एनडीए से अलग होने और अगले साल के चुनावों में समान विचारधारा वाले दलों के गठबंधन का नेतृत्व करने का संकल्प लिया है। प्रस्ताव में किसी का नाम लिए बिना कहा गया है कि भाजपा का राज्य नेतृत्व हाल ही में उसकी नीतियों की आलोचना करने के अलावा, द्रविड़ दिग्गज दिवंगत सीएन अन्नादुरई और दिवंगत मुख्यमंत्री जे जयललिता को बदनाम कर रहा है।

देश में हर गारंटी के पूरे होने की एक मात्र गारंटी है केवल मोदी

भोपाल (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजधानी भोपाल के जंबूरी मैदान में आयोजित भाजपा के कार्यकर्ता महाकुंभ को संबोधित करते हुए कहा कि देश के दिल एमपी से भाजपा का विशेष जुड़ाव रहा है। उन्होंने कहा कि 'मोदी यानी हर गारंटी पूरी होने की गारंटी। साथ ही प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर जमकर निशाना भी साधा हैं। सोमवार को भोपाल के जंबूरी मैदान में भाजपा कार्यकर्ता महाकुंभ का आयोजन किया गया। जिसमें लाखों कार्यकर्ता शामिल हुए। पीएम मोदी ने कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र दिया है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ महासंकल्प बहुत कुछ कहता है। ये दिखाता है एमपी के मन में क्या है। भाजपा नई ऊर्जा से भरी, हर कार्यकर्ता का हौसला बुलंद है। एमपी को देश का दिल कहा जाता है। भाजपा के साथ देश के दिल का जुड़ाव कुछ विशेष ही रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जनसंघ के जमाने से आज तक एमपी के लोगों ने भरपूर आशीर्वाद दिया है। राजमाता सिंधिया, अटल बिहारी, खंडेलवाल, कुशाभाऊ जैसे महान व्यक्तितव मध्यप्रदेश से निकले, जिन्होंने हमे आज यहां तक पहुंचाया है। एमपी सिर्फ भाजपा के विचार का नहीं बल्कि विकास के विजन का भी महत्वपूर्ण केंद्र है। आज देश अमृत काल की विकास यात्रा पर निकला है तो एमपी का महत्व और बढ़ गया है। प्रदेश में भाजपा सरकार के बीस साल हो गए है। जो युवा बीस साल के है या पहली बार जब वो वोट डालेंगे तो उसने भाजपा की ही सरकार देखी है। कांग्रेस राज का भ्रष्टाचार को उन्होंने नहीं देखा है। कांग्रेस ने एमपी को बीमारू बना दिया था। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं ने कांग्रेस के समय की खराब कानून व्यवस्था, खस्ताहाल सडक़ नहीं देखी, अंधेरे में जीने को मजबूर गांव और शहर को नहीं देखा। भाजपा अपने हर कार्यकाल में एमपी को विकास के ऊंचाई पर ले गई है। यहां के युवाओं ने भाजपा के सुशासन को ही देखा है। आने वाले चुनाव बहुत अहम है हमे ध्यान रखना है की विकास के रास्ते को जो बनाया है वो भटके नहीं, अटके नहीं।

कांग्रेस जंग लगा लोहा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस की हालत जंग लगे लोहे के समान हो गई है। उसके पास भविष्य की सोच नहीं है और न ही भविष्य को देखने का सामर्थ्य तथा देशहित को समझने की क्षमता बची है। कांग्रेस को विकसित भारत के हर प्रोजेक्ट में खोट नजर आता है।

उसने डिजिटल इंडिया की आलोचना की, लेकिन आज भारत के यूपीआई से पूरी दुनिया मंत्रमुग्ध है। आधुनिक सडक़ों, चौड़े हाईवे, एक्सप्रेस वे की कांग्रेस आलोचना करती है। देश में वंदे भारत जैसी ट्रेनें चल रही हैं, स्टेशनों का कायाकल्प हो रहा है, बुलेट ट्रेन की तैयारियां चल रही हैं, लेकिन कांग्रेस को यह सब नहीं पच रहा, वह इनकी भी आलोचना करती है।

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के विचार आज वट वृक्ष बना गया: चम्पत राय

अविवि में पण्डित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर पण्डित दीनदयाल उपाध्याय: जीवन एवं दर्शन विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

डा0 नरेन्द्र बहादुर सिंह

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में सोमवार को पण्डित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर माल्यार्पण एवं पण्डित दीनदयाल उपाध्याय: जीवन एवं दर्शन विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि व वक्ता श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र अयोध्या के महासचिव चम्पत राय ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे महापुरुष के बारे में मुझे बोलना अच्छा लगता है। आरएसएस 1925 से चल रहा है लेकिन मुझे नहीं लगता कि आरएसएस के संचालनकर्ता, संगठनकर्ता और चिंतक दीनदयाल जी को कभी 30 दिन में 60 समय भोजन मिला होगा। लेकिन उन्होंने एक विचार समाज को दिया जो आज एक वट वृक्ष बन गया है। उन्होंने बताया कि किसी ने संसद में ही कहा कि यह दैवीय पुरुष थे। किसी ने अवतारी कहा किसी ने कहा महात्मा गांधी, लोकमान्य तिलक और सुभाष चंद्र बोस इन तीनों के विचारों का एकात्मक सूत्र है तो वह है दीनदयाल उपाध्याय। उन्होंने कहा कि अंत्योदय अर्थात अंतिम व्यक्ति का उदय। यह पंडित जी की सशक्त विचारधारा थी। उनका मानना था की सबसे गरीब आदमी, निचले पायदान के व्यक्ति के उत्थान की आवश्यकता है। आर्थिक उन्नति इसमें नहीं की अमीर आदमी कितना विकास कर रहा है कितना उन्नत हो रहा है बल्कि इसमें है कि गरीब व्यक्ति अपने बच्चों को पढ़ाने की स्थिति में है कि नहीं है। उन्होंने कहा कि विकास का पैमाना होना चाहिए कि निचले पायदान का आदमी अपने बच्चों को पढ़ने के लिए सामर्थ्यवान हो। दीनदयाल उपाध्याय जी ने कहा कि इस मिट्टी में अरबपति भी पैदा होता है और मजदूर भी और इस मिट्टी को हम मां कहते हैं। अगर हमें स्वाभिमान से रहने का अधिकार है तो उसी स्वाभिमान से मजदूर को रहने का भी हक है। हम मानव जाति परमात्मा की उत्कृष्ट कृति हैं। पंडित जी ने कहा था एक संस्था की भलाई की योजना बनाएं तो यह विचार करना चाहिए कि कहीं दूसरी इकाई को नुकसान तो नहीं हो रहा है। दीनदयाल जी ने अपने पूर्वजों के द्वारा लिखी गई बातों को दोहराया है उस पर अमल किया है। उनका मानना था जैसे आत्म संतुष्टि आत्मिक सुख है वैसे ही राष्ट्र की भी आत्मा होती है और उसकी भी आत्मिक संतुष्टि और आत्मिक सुख होता है। राष्ट्र अपनी आत्मा को दे वह भी उसी प्रकार मृत हो जाता है जैसे शरीर अपनी आत्मा को खो दे तो वह मृत्यु को प्राप्त हो जाता है। उन्होंने कहा कि वे ऐसे व्यक्ति थे जो किसी सुख सुविधा में नहीं पले थे परंतु जीवन में कभी रोए भी नहीं थे और न निराश हुए थे। उनके चिंतन पर जो भी किसी विश्वविद्यालय में या किसी संस्था में कहा जाए उसे लोग मनन करें। लिखें और उसका उपयोग देश की योजनाओं एवं विकास के लिए करें।

संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए अवध विवि की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने राष्ट्र और मानव को दिशा देने वाले भारत के महान युगपुरूष कर्मयोगी पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिवस पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि पण्डित दीनदयाल उपाध्याय ने मानव जीवन और सम्पूर्ण प्रकृति के एकात्मक सम्बन्धों का मौलिक विचार समाज के सामने रखा है। मानव विविधा आपसी एकता को अभिव्यक्त करती है। सभी शक्ति का समन्वय ही एकात्मकता है। कुलपति प्रो0 गोयल ने कहा कि हमारी सभ्यता और दर्शन के अनुसार पूरी व्यवस्था सद्भाव पर टिकी हुई है। प्राणी के चार पहलू होते है। शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा। इन्हीं रूपों का संकलन है मानव। इन चारों की जरूरतों के जीवन दर्शन में में पूरूषार्थ की आवश्यकता होती है धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष। इन सबका आपस में अटूट सम्बन्ध है। इन चारों में सामजस्य कायम रखना किसी भी व्यक्ति के जीवन के आवश्यक होता है। कार्यक्रम में कुलपति ने कहा कि दीनदयाल जी का मत था कि व्यक्तिवाद, राष्ट्रवाद और अन्तरराष्ट्रवाद में किसी प्रकार का अन्तर विरोध नही होना चाहिए। व्यक्ति के आगे समाज है, समाज के आगे राष्ट्र है और राष्ट्र के आगे अन्तरराष्ट्र है। कुलपति ने कहा कि उपाध्याय जी का शिक्षा के प्रति दृढ निश्चय था। उन्होंने कहा कि अन्तोदय शिक्षा के माध्यम से हो सकता है। वर्तमान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भलीभांति जोड़ा गया है। अंतिम पायदान में खड़े व्यक्ति को शिक्षा से जोड़ा जाए। शिक्षा के रास्ते विकास की ओर ले जाए। राष्ट्र को विश्वगुरू बनना है इसमें समाहित है। दीनदयाल जी के विचार ऐसी व्यवस्था को उजागर करता है जिनमें राष्ट्रीयता, मानवता, विश्व शांति की भावना उत्पन्न करके व्यक्ति परिपूर्ण जीवन व्यतीत कर सकता है। कार्यक्रम में कुलपति ने कहा कि रामराज्य नित प्रजा सुखाई, इसमें अन्तोदय का भाव है।

जनपद न्यायाधीश, डीएम तथा एसपी ने जिला कारागार का किया औचक निरीक्षण

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा। जनपद न्यायाधीश, जिलाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक ने जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने वहां पर कैदियों से बात की तथा उन्हें जेल में दी जा रही सुविधाओं एवं उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। जनपद न्यायाधीश, जिलाधिकारी तथा एसपी ने स्वयं विभिन्न बैरकों, अस्पताल, भोजनालय, भंडार कक्ष, पुस्तकालय आदि का निरीक्षण किया तथा संबंधित को निर्देश दिए कि जेल में जेल मैनुअल के अनुसार कैदियों को सभी सुविधाएं मुहैया कराई जाएं इसके साथ ही ऐसे कैदी जिनके पास वकील नहीं है उनके लिए सरकारी वकील का भी प्रबंध कराया जाए जेल में निरुद्ध कैदियों का बराबर मेडिकल चेकअप कराने के भी निर्देश दिए। इसके साथ ही जरूरत मंद कैदियों को निश्शुल्क चश्मा का वितरित जनपद न्यायाधीश, जिलाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक द्वारा किया गया।

इस अवसर पर सीजेएम, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जेल अधीक्षक सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अवैध कच्ची शराब की छापेमारी में 350 किलो लहन तथा 09 अभियोग पंजीकृत किये गये

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा के निर्देशानुसार आबकारी विभाग ने जनपद में अवैध कच्ची शराब की छापेमारी के दौरान कार्यवाही करते हुए जनपद के काजीतरहर, रानी पुरवा, करियापुरवा, विश्नोहरपुर, अम्बरपुर भावाजीतपुर, गढ़ी ,चचरी, बहुअन मदार, लोनियन पुरवा आदि ग्रामों में दबिश / प्रवर्तन कार्य किया गया। उन्होंने बताया है कि छापेमारी के दौरान कार्यवाही में 90 लीटर कच्ची शराब बरामद हुई तथा 350 किलोग्राम लहन एवम् शराब बनाने के उपकरण मौके पर नष्ट किये गये।

उन्होंने बताया है कि छापेमारी के दौरान अवैध कच्ची शराब के साथ बरामद एक मोटरसाइकिल भी सीज़ की गई। वहीं छापेमारी के दौरान कुल 09 अभियोग आबकारी अधिनियम की धारा 60 में पंजीकृत किए गये। प्रवर्तन अभियान निरंतर जारी है।

दुर्गा महाअष्टमी पर होगा 11 हजार कन्याओं का होगा पूजन

० जिलाधिकारी ने अधिकारियों के साथ की बैठक, बनायी रणनीति
० टामसन कालेज में होगा भव्य कार्यक्रम का आयोजन

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा। आगामी अक्टूबर माह में 22 अक्टूबर को दुर्गा महाअष्टमी के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा 11 हजार कन्याओं का पूजन कर कन्याभोज कराया जायेगा। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने सीडीओ, सीएमओ, एएसपी व अन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर पूरे कार्यक्रम की रणनीति बनाई। डीएम ने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत इस कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा, इसमें 11 हजार कन्याओं को शहीदे आजम भगत सिंह इंटर कॉलेज के प्रांगण में कन्या भोज कराया जाएगा इस दौरान उन्हें हाइजीन किट भी दी जाएगी। उन्होने कहा कि मां दुर्गा के नौ रूपों के आधार पर 9 अलग-अलग क्षेत्र पुलिस, उद्यमी, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, स्वयं सहायता समूह, पंचायती राज, कला, एनजीओ में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को नवदेवी सम्मान से सम्मानित किया जायेगा। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए की अधिकारी अपनी अपनी तैयारी को पूरा कर लें। इस पूरे कार्यक्रम का मकसद जनपद में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के संबंध में व्यापक स्तर पर जन जागरूकता फैलाना तथा योजना को धरातल पर उतारना है। उन्होने पुलिस विभाग को सुरक्षा की जिम्मेदारी, परिवहन विभाग को कन्याओं को लाने व ले जाने की जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होने इसी प्रकार अन्य विभागों को भी जिम्मेदारियों सौंपी हैं। इस दौरान समाज कल्याण, स्वास्थ्य विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी संतोष कुमार सोनी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी गौरव स्वर्णकार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रेमचन्द्र यादव, जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी राजेश चौधरी, जिला पंचायत राज अधिकारी लालजी दूबे, ड्रग्स इंस्पेक्टर रजिया बानो, जेपी यादव, चन्द्रमोहन वर्मा, दीपक दूबे, राजकुमार आर्य सहित अन्य उपस्थित रहे।

महिला कल्याण विभाग होगा नोडल

11 हजार कन्याओं के पूजन व कन्याभोज कार्यक्रम के लिए जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने महिला कल्याण विभाग (प्रोबेशन) को नोडल विभाग की जिम्मेदारी सौंपी। डीएम ने जिला प्रोबेशन अधिकारी को निर्देशित किया कि वे अपने स्तर से अधिकारियों से समन्वय करते हुए ड्यूटी आदि की व्यवस्थाओं को खाका तैयार कर लें। साथ ही बालिकाओं के कार्यक्रम स्थल तक आने के लिए भी अधिकारियों से व्यक्तिगत वार्ता कर अपेक्षित सहयोग प्रदान करें।

हर दिव्यांग को मानसिक रूप से बनना चाहिए सबल -पद्मश्री कनुभाई टेलर

लखनऊ कार्यालय

लखनऊ। स्वाती फांउडेशन द्वारा सोमवार को पद्मश्री कनुभाई हसमुखई भाई टेलर सहित 80 दिव्यांग जनों और उनके लिए काम करने वाले समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। कृष्णानगर स्थित एक होटल में इस अवसर पर छह घंटे का सेमिनार भी आयोजित हुआ, जिसमें कनुभाई टेलर ने कहा कि यदि मानसिक रूप से स्वस्थ हैं, तो दिव्यांगता हमारे कामों में अवरोध नहीं उत्पन्न कर सकती। प्रकृति ने यदि कोई बांधा उत्पन्न किया है तो निश्चय ही वह कोई अच्छी विशेषता भी देता है। उसे हमें निखारने की जरुरत है। उन्होंने अपना उदाहारण देते हुए कहा कि हमारा ही देख लीजिए, भगवान ने दोनों पैर से दिव्यांग बना दिया लेकिन उसके बाद भी मैं मन से कभी नहीं हारा और पूरे समाज के लिए काम आ रहा हूं। हम सभी को पहले मन को जीतना चाहिए। यदि मन पर विजय है तो दिव्यांगता को कभी भी हरा सकते हैं।

यह बता दें कि पद्मश्री कनूभाई हसमुखभाई टेलर एक दिव्यांग होते हुए भी गुजरात में पूरी जिंदगी दिव्यांजन को समर्पित कर दिये और उन्होंने वहां बहुत बड़ा काम किया है।

गृहे-गृहे संस्कृत अभियान के 10 दिवसीय संस्कृत भाषा शिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

निज संवाददाता

गोण्डा। उत्तर प्रदेश के संस्कृत संस्थान के गृहे-गृहे संस्कृत अभियान के 10 दिवसीय संस्कृत भाषा शिक्षण की कक्षा का समापन कंपोजिट विद्यालय महाराजगंज नगर क्षेत्र गोंडा में सफलता पूर्वक संपन्न हुआ जिसमें बच्चों द्वारा संस्कृत में सरस्वती वंदना गीत श्लोक परिचय इतिहास की प्रस्तुति की गई इसको देखकर सभी भाव बिहार हो गए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधानाध्यापक बृजेश कुमार शुक्ला ने बताया कि संस्कृत भाषा भारतीय की आत्मा है और इतने कम समय में जितनी निपुणता से बच्चों ने संस्कृत भाषा में स्व परिचय वस्तुओं के नाम कविता श्लोक देशभक्ति गीत सीखे वह अपने आप में प्रसंसनीय है जिसके लिए विद्यालय पर शिक्षिका सुशीला सोनी का आभारी रहेगा और बच्चों को संस्कृत सीखने की उत्सुकता और ललक को देखते हुए पुनः समय देने की अपील करता है विद्यालय की सभी शिक्षकों का कहना है कि संस्कृत के बिना भारतीय संस्कृत की कल्पना नहीं की जा सकती है वही 10 दिनों के अंदर आए सकारात्मक शिष्ट परिवर्तन को देखकर अध्यापक बृजेश शुक्ला ने कहा कि सच में हर दिन हर पल हर घर अगर केवल संस्कृति और संस्कृत में वातावरण हो जाए तो भारत को विश्व गुरु बनते देर नहीं लगेगी संस्कृत पर शिक्षिका सुशीला सोनी ने कहा कि गृहे-गृहे संस्कृत अभियान एक संस्कृति आंदोलन है योजना सामान्य व्यक्ति अनिल गौतम प्रशिक्षण समन्वयक धीरज जी ने प्रस्तावित भाषण दिया समन्वयक राधा शर्मा ने सु कुशल मंच संचालन किया कक्ष निरीक्षक सविता मौर्या आदि सभी गण उपस्थित रहे ऑनलाइन संभाषण योजना के प्रशिक्षक संस्कृत मनी सामाजिक जन सम उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

डाक्टर के घर का ताला तोड़कर चोरी

मिर्जापुर। शहर कोतवाली क्षेत्र के महुवरिया सद्भावना नगर कालोनी में शुक्रवार की रात डाक्टर के घर का ताला तोड़कर चोर नकदी समेत हजारों रुपये के कीमती सामान चुरा कर ले गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना किया। चोरी की वारदात सीसी टीवी कैमरे में कैद हो गई है। का मकान है। रात साढ़े 12 बजे चोर डा. रामहर्ष मेहरोत्रा के घर के चैनल गेट पर लगे दो तालों को तोड़ा कर अंदर घुसे। जिस कमरे में डाक्टर सो रहे थे उसे बाहर से बंद कर दिया। इसके बाद चोर एक कमरे के आलमारी में रखे पर्स से छह हजार नकदी, एटीएम कार्ड चुराए। अन्य कमरे में चोरी का प्रयास किया पर असफल रहे। सुबह डॉक्टर सोकर उठे तो दरवाजा बाहर से बंद था। पीछे के दरवाजे से आकर देखा तो आलमारी खुली थी और दरवाजे का ताला टूटा था। शहर कोतवाल बालमुकुंद मिश्रा ने बताया कि चोरी की जांच की जा रही है।

छह थानों पर एक भी मामले का निपटारा नहीं

मिर्जापुर। जिले के समस्त थानों पर शनिवार को थाना समाधान दिवस का आयोजन हुआ। इस दौरान 153 मामले आए। इसमें मौके पर मात्र 24 मामलों का ही निपटारा किया जा सका। छह थानों पर तो एक भी मामले का निपटारा नहीं किया जा सका। शहर कोतवाली में चार में एक, कटरा कोतवाली में 10 में एक, विंध्याचल थाने में 30 में आठ, चील्ह थाना में नौ में दो, कछवां थाना में सात में एक, पड़री थाना में चार में दो, लालगंज थाना में 13 में चार, हलिया थाना में सात में एक, संतनगर थाना में नौ में एक, जमालपुर थाना में दो में एक, मड़िहान थाना में दो में एक और राजगढ़ थाना में सात में एक मामले का निस्तारण किया गया। देहात कोतवाली में आए 13, जिगना में 12, ड्रमंडगंज में सात, चुनार में चार, अदलहाट में सात, अहरौरा में आए छह मामलों में एक भी निस्तारण नहीं हो सका। चुनार-कोतवाली में अपर जिलाधिकारी भू-राजस्व सत्यप्रकाश सिंह ने फरियादियों की शिकायतों को सुना। मड़िहान-थाना क्षेत्र के देवपुरा गांव निवासी महिला ने दबंगो पर नसबन्दी में मिली जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। सुकरी देवी ने बताया कि बंध्याकरण योजना में 1984 में नसबन्दी कराने की एवज में उसे जमीन मिली थी। न्याय की आशा में तीन महीने से तहसील थाना का चक्कर काट रही है। इसके अलावा लालगंज, राजगढ़, ड्रमंडगंज, जमालपुर, जिगना, हलिया, मड़िहान, अदलहाट थानों में भी समस्याएं सुनी गईं।

फंदे पर लटककर विवाहिता की मौत, हत्या का आरोप

मिर्जापुर। थाना क्षेत्र के पहिती गांव में शुक्रवार की शाम संदिग्ध हालात में फंदे पर लटककर विवाहिता की मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे मायके वालों ने दहेज प्रताड़ना और हत्या कर शव को फंदे पर लटकाने का आरोप लगाया। परिजनों की तहरीर पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। पड़री थाना क्षेत्र के अघवार चौरा गांव निवासी शंकर ने अपनी पुत्री नीलम (25) की शादी पहिती गांव निवासी भीम के साथ 2021 में की थी। शुक्रवार की शाम पंखे की कुंडी में फंदे से लटककर विवाहिता की मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे मायके वालों ने हत्या कर शव को फंदे पर लटकाने का आरोप लगाया। नीलम के भाई सतीश और भाभी ममता ने आरोप लगाया कि शादी के एक वर्ष तक सब कुछ ठीक ठाक रहा। इसके बाद दहेज की मांग को लेकर ससुराल वाले नीलम को प्रताड़ित करने लगे। आरोप लगाया कि उसकी हत्या कर शव को फंदे से लटका दिया गया। इसकी जानकारी उन्हें किसी के जरिए मिली। थानाध्यक्ष विजय कुमार चौरसिया ने बताया कि तहरीर पर पुलिस जांच कर रही है।पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद जांचकर कार्रवाई की जाएगी।

कैशवैन कांड-गार्ड के परिजनों को दो लाख की सहायता

मिर्जापुर। कैशवैन लूटकांड में मृत गार्ड जयसिंह के परिजनों को केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल व नगर विधायक रत्नाकर मिश्र की ओर से शनिवार को दो लाख रुपये प्रदान किए गए। मंत्री के प्रतिनिधि उदय पटेल व नगर विधायक के प्रतिनिधि चित्रसेन मिश्र ने अपना दल एस के अध्यक्ष रामलौटन बिंद के साथ जयसिंह के घर पहुंचकर राशि पत्नी सचिता देवी को सौंपी। इस दौरान एसडीएम सदर चन्द्रभानु सिंह के अलावा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहें। वहीं, ग्राम पंचायत बनकट के कोटेदार रिंकू सिंह ने भी एक वर्ष के लिये निश्शुल्क अनाज की सहायता दी। जिला प्रोबेशन अधिकारी शक्ति त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत दोनो बच्चों की परवरिश व शिक्षा के लिये 2500-2500 रूपया प्रतिमाह दिये जाने पत्नी सचिता को विधवा पेंशन के लिये समस्य औपचारिकताए पूर्ण कराई।

बालू खनन में प्रयुक्त दो ट्रैक्टर व एक जेसीबी जब्त

कुशीनगर। नेबुआ नौरंगिया क्षेत्र के मड़ार विंदवलिया गांव के पास छोटी गंडक नदी घाट पर शनिवार को महराजगंज के एसडीएम की पहल पर पुलिस ने कार्रवाई की। इसमें नेबुआ नौरंगिया पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बालू खनन में प्रयुक्त नाव को तोड़वा कर दो ट्रैक्टर-ट्राली और एक जेसीबी जब्त कर लिया। शनिवार को महराजगंज के सदर एसडीएम घुघली की तरफ से भ्रमण पर निकले हुए थे। उन्होंने छोटी गंडक नहर में कुशीनगर की सीमा क्षेत्र में दूर्गा टोले के पास बालू खनन देखा। इसको गंभीरता से लेते हुए उन्होंने पडरौना तहसील के अधिकारियों को सूचना दिया। कुछ देर बाद पहुंचे पडरौना नायब तहसीलदार विकास दत्त त्रिपाठी, खड्डा सीओ संदीप वर्मा, एसएचओ अतुल कुमार श्रीवास्तव बालू खनन में प्रयोग होने वाली लोहे की नाव को जेसीबी से तोड़वा दिया। इसके बाद मौके पर मिले दो टैक्टर-ट्राली और जेसीबी को जब्त कर थाने भेजवाया। इस कार्रवाई के दौरान महराजगंज की प्रशासनिक टीम के साथ घुघली पुलिस भी मौजूद रही। इस संबंध में एसएचओ अतुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि मौके से दो टैक्टर ट्राली और एक जेसीबी मिली है। उसे कब्जे में लिया गया है। जांच में संलिप्त मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

नासिक से आया युवक का शव, परिवार में मची चीख-पुकार

पडरौना। बनकटा बाजार क्षेत्र के लोहरलिया गांव निवासी युवक की बुधवार को नासिक में मौत हो गई थी। वह वहां एक कंस्ट्रक्शन कंपनी में गिट्टी बालू का मिश्रण कर रहे थे। वह गिट्टी और बालू के मिश्रण के नीचे दब गए थे, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। शुक्रवार को उनका शव गांव लाया गया तो परिवार में चीख-पुकार मच गई। ग्राम सभा लोहरलिया निवासी 18 वर्षीय सूरज यादव करीब पांच माह पहले महाराष्ट्र के नासिक में एक कंस्ट्रक्शन कंपनी में काम करने गए थे। बुधवार की रात करीब दो बजे उनके परिजनों को उनकी मौत की जानकारी हुई थी। शुक्रवार की रात करीब दस बजे उनका शव गांव लाया गया। मां गिरिजा देवी व पिता राजेश यादव रोते-रोते अचेत हो जा रहे थे। पिता ने बताया कि सूरज परिवार का इकलौता कमाऊ सदस्य था। शनिवार की सुबह गांव में ही उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

अब थाने में पुलिसकर्मी भी सुरक्षित नहीं-पुलिस लाइन में पहुंचा सियार, दरोगा समेत दस को किया जख्मी

कुशीनगर। पुलिस लाइन से सटे भिस्वा सरकारी और भिस्वा लाला गांव हैं। शनिवार को सुबह करीब 9 बजे एक सियार गांव के तीन पशुओं पर हमला कर घायल कर किया। बचाव में गई 80 वर्षीय तैरून पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से वह जख्मी हो गईं। गांव में सियार आने का शोर मच गया। कुशीनगर जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां पुलिस लाइन में सियार के घुसने से कुछ देर के लिए भगदड़ मच गई। दरोगा समेत भिस्वा सरकारी और भिस्वा लाला गांव के दस लोगों को जख्मी कर दिया है। इस घटना के बाद से पुलिस लाइन में पहरा बढ़ा दिया गया है। वहीं गांववाले घरों से हाथ में डंडा लेकर निकल रहे हैं। घायलों का जिला अस्पताल में इलाज कराया गया। सियार को लोग पागल बता रहे हैं। पुलिस लाइन से सटे भिस्वा सरकारी और भिस्वा लाला गांव हैं। शनिवार को सुबह करीब 9 बजे एक सियार गांव के तीन पशुओं पर हमला कर घायल कर किया। बचाव में गई 80 वर्षीय तैरून पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से वह जख्मी हो गईं। गांव में सियार आने का शोर मच गया। लोग लाठी डंडा लेकर सियार को मारने के लिए दौड़ पड़े। उनका कहना था कि सियार पागल है। इतने देर में सियार भिस्वा सरकारी गांव के राजेश राय 38, बैजनाथ राय 40, मुन्ना 24, गिरजा 25, चौपरिया गांव निवासी मनंजय सिंह 56, भिस्वा लाला निवासी नावेद 23 और पुलिस लाइन में स्नान कर रहे 58 वर्षीय दरोगा जनार्दन को जख्मी कर दिया। पुलिस लाइन में पागल सियार की खबर मिलते ही अफरा-तफरी मच गई। लोग अपने आवास में भागने लगे। उधर से गुजर रहे तीन बाइक सवार गिरकर घायल हो गए। सिपाहियों के दौड़ाने पर सियार गन्ने के खेत में चला गया, लेकिन पुलिस लाइन की निगरानी बढ़ा दी गई है। इसके अलावा दोनों गांव के करीब दस लोग और जख्मी हुए हैं। उनका इलाज निजी डॉक्टर के यहां कराया गया है। अभी भी सियार की दहशत लोगों में हैं।

मऊ में फेक करेंसी रैकेट का भंडाफोड़

14 लाख के नकली नोट के साथ तीन शातिर गिरफ्तार, प्रिंटिंग मशीन बरामद

मऊ। एएसपी महेश सिंह अत्री ने बताया कि बरामद नकली नोट का मास्टर माइंड अंकुर बिन्द है। जो कि पहले भी सोनभद्र से जेल जा चुका है, इस दौरान ही जेल में अंकुर की मुलाकत सुरेंद्र और कुणाल से हुई। मऊ में नकली नोटों के एक बड़े गिरोह के तीन शातिर आरोपियों को पुलिस की एक संयुक्त टीम ने कोपागंज थाना क्षेत्र के काछीकला अंडरपास से शनिवार की बीती रात को पकड़ा। पुलिस ने इनके पास से 14 लाख रूपये के नकली नोट के साथ नकली नोट छापने में शामिल होने वाले तीन रिम कागज, एक प्रिमियम प्रिन्टिग मशीन भी बरामद किया। साथ ही लोगों को झांसा देकर नकली नोट देकर असली नोट के रूप में बरामद एक लाख की असली नकदी भी बरामद किया। पुलिस ने तीनों आरोपियों का संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर चालान कर दिया।

पुलिस लाइन सभागार में प्रेसवार्ता में पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडेय ने पुलिस को मिली इस बड़ी सफलता की जानकारी दी। बताया कि जिले में अपराधियों को लेकर इन दिनों विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसीक्रम में एसओजी/स्वाट/सर्विलांस टीम तथा कोपागंज पुलिस द्वारा काछीकला अंडरपास के मिले इनपुट के आधार पर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान एक स्वीफ्ट कार सवार ने पुलिस टीम को देखकर रूकने के बजाए भागने की कोशिश की, लेकिन घेराबंदी के चलते थोड़ी दूर पीछा कर पुलिस ने उसे पकड़ लिया। जांच के दौरान कार से प्लास्टिक के तीन झोले में 14 लाख 11 हजार मूल्य के नकली नोट बरामद किया। वहीं 1 लाख 17 हजार 400 मूल्य के असली नोट बरामद किया।जब शक होने पर पुलिस ने कार की डिक्की की जांच की तो छुपा कर रखा एक प्रिमियर प्रिन्टर मशीन, तीन रिम पेपर बरामद हुआ। बताया कि पूछताछ के दौरान पकड़े गए आरोपियों की पहचान अंकुर कुमार बिन्द उर्फ रवि पुत्र रामकृत राम निवासी हाटा थाना युसुफपुर मुहम्मदाबाद जनपद गाजीपुर, सुरेन्द्र सागर सिंह सोनकर उर्फ रविन्द्र पुत्र अर्जुन प्रसाद निवासी तकिया थाना राबर्टसगंज जनपद सोनभद्र तो कुणाल यादव पुत्र गरजू यादव निवासी कान्दर थाना सैदपुर जनपद गाजीपुर के रूप में हुई।पुलिस ने कोपागंज थाना में तीनों के विरुद्ध 420,498ए,489बी,489सी,489डी भादवि0 तथा धारा 3/7 आरबीआई एक्ट का मुकदमा दर्ज कर चालान कर दिया।

टार्च जलाकर डॉक्टर ने बच्चों को लिखी दवाएं

लखीमपुर खीरी। शनिवार को जिला अस्पताल की बिजली करीब एक घंटे तक गायब रही। इससे मरीज से लेकर तीमारदार और स्टाफ तक परेशान रहे। उधर, अस्पताल में अंधेरा छा जाने पर डॉक्टर मोबाइल की टार्च जलाकर मरीजों को दवा लिखने के लिए मजबूर हो गए। जिला अस्पताल में बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है। इस वजह से बिजली जाने पर मरीजों और तीमारदार ही नहीं, बल्कि स्टाफ तक परेशान है। शनिवार दोपहर करीब एक घंटे तक अस्पताल की बिजली आपूर्ति बाधित रही।

इससे अस्पताल के अधिकतर वार्डों में अंधेरा छा गया। इस दौरान अस्पताल के सारे काम प्रभावित हो गए। सबसे ज्यादा दिक्कत चिल्ड्रन वार्ड में भर्ती बच्चों और उनके तीमारदारों को हुई। परेशान बच्चों को राहत पहुंचाने के लिए तीमारदार हाथ वाले पंखे से हवा करने के लिए मजबूर नजर आए। स्टाफ को बच्चों की रजिस्टर पर इंट्री करने से लेकर राउंड पर आए डॉक्टर को दवाएं लिखने के लिए मोबाइल की टार्च का सहारा लेना पड़ा। एक घंटे बाद बिजली आने पर लोगों ने राहत की सांस ली है। एमसीएच विंग को छह माह तक निर्बाध बिजली आपूर्ति मिलने की अनुमति है। लोकल फॉल्ट होने पर ही बिजली जाती है। हालांकि अस्पताल के पास जनरेटर है।

12 करोड़ की लागत से लगेगा कचरा निस्तारण केंद्र

मिर्जापुर। नगर पालिका क्षेत्र के कूड़ों के निस्तारण के लिए 12 करोड़ की लागत से कचरा निस्तारण केंद्र बनाया जाएगा। कचरा प्रबंधन के लिए बनी यह योजना शासन स्तर से स्वीकृत हो गई है और इसके लिए धन भी जारी हो गया है। योजना से नगर पालिका क्षेत्र के प्रतिदिन निकलने वाले कूड़ों का उचित निपटारा किया जा सकेगा।

नगर पालिका मिर्जापुर 38 वार्डों में विभाजित है। लगभग चार लाख की आबादी वाले क्षेत्र में प्रतिदिन 60 टन के आसपास कूड़ा निकलता है। इतनी बड़ी मात्रा में निकलने वाले कूड़ों का निस्तारण एक बड़ी समस्या है। वर्तमान समय में इन कूड़ों को नगर से सटे नगर विकासखंड के टांड़ गांव में डंप किया जाता है। जहां रासायनिक तत्वों से इनका निस्तारण किया जाता है। लेकिन इतनी मात्रा में कूड़ों के रहने से उठने वाली बदबू से ग्रामीण परेशान हो रहे थे। कई बार उन्होंने आपत्ति भी जतायी थी। अब उन्हें इससे निजात मिल सकेगी। प्लांट के लिए चार बीघे जमीन की तलाश शुरू कर दी गई है। हालांकि नगर पालिका के पास टांड़ गांव में ही आठ बीघा की जमीन है। लेकिन वह इतनी उबड़ खाबड़ है कि उसको समतल करने में ही कई करोड़ रुपए खर्च हो जाएंगे। इसलिए उसकी जगह उसका विकल्प तलाशा जा रहा है।

100 टन प्रतिदिन होगी इस संयंत्र की क्षमता

मिर्जापुर।संयंत्र की क्षमता प्रतिदिन 100 टन की होगी। वर्तमान में लगभग 60 टन के आसपास कूड़ा निकलता है। इस संयंत्र को भविष्य की जरूरतों व आबादी के लिहाज से बनाया गया है। एक बार जब यह संयंत्र कार्य करने लगेगा तो कम से कम 50 वर्षों तक की समस्या का समाधान हो सकेगा। इसके पहले जो संयंत्र स्थापित हो रहा था। उसकी क्षमता 140 टन प्रतिदिन थी लेकिन वह पूरा ही नहीं हो सका। टांड़ गांव में 11. 50 के बजट वाली पूर्व में प्लांट लगाया जा रहा था। कई मशीनें लग चुकी थी लेकिन बाद में कार्यदायी संस्थाओं के आपसी विवाद के चलते योजना अधर में लटक गई। इसमें लगभग छह करोड़ के आसपास की धनराशि खर्च भी की जा चुकी थी। मामला न्यायालय में होने के कारण इसका कोई हल नहीं निकल पा रहा है।

माता दरबार में होगी भूमिगत बिजली सप्लाई

मिर्जापुर। विंध्य कारिडोर के तहत माता दरबार में अंडर ग्राउंड बिजली सप्लाई व्यवस्था कराई जाएगी। 11 करोड़, 99 लाख रुपए की लागत से मां विंध्यवासिनी मंदिर परिक्रमा पथ एवं चार प्रमुख मार्गो अंडर ग्राउंड बिजली सप्लाई कराई जाएगी। चिन्हित चारो प्रमुख मार्गो पर पैनल लगाए जाएंगे। पक्का घाट मार्ग पर छह, नई वीआईपी मार्ग पर छह, पुरानी वीआई मार्ग पर 12 व सदर बाजार कोतवाली मार्ग पर 18 पैनल लगाए जाएंगे। जो दोनों पटरी पर पुरानी वीआईपी मार्ग एवं नई वीआईपी मार्ग पर तीन-तीन पैनल लगाया जाएगा। इसी तरह पुराने वीआईपी मार्ग पर पटरी के दोनों तरफ छह पैनल लगेंगे। जिसकी दूरी 40 से 55 फीट के बीच होगी। जिससे उक्त मार्गो पर दुकान, मकान आदि सहित गलियों को भी जोड़ा जाएगा। विद्युत विभाग के अवर अभियंता विनय कुमार वैश्य ने बताया कि चार प्रमुख गलियों में भूमिगत केबिल से बिजली की सप्लाई दी जाएगी। इसके लिए चिह्नित स्थानों पर पैनल लगाए जाएंगे। जिसकी तैयारियां चल रही है।

अपहरण कर किशोरी से दुष्कर्म, मां-बेटे गिरफ्तार, बाल संप्रेक्षण गृह में फिर हुआ हंगामा

मेरठ। नौचंदी थाना क्षेत्र में एक सिरफिरे ने विधवा की अश्लील वीडियो बना ली और ब्लैकमेल कर कई बार दुष्कर्म किया। आरोप है वह विधवा की बेटी पर भी बुरी नजर रखता है। वहीं बाल संप्रेक्षण गृह में फिर से हंगामा हो गया। पढ़ें पिछले 24 घंटे की क्राइम न्यूज। टीपीनगर क्षेत्र में एक ऑटो चालक ने किशोरी से छेड़छाड़ कर दी। किशोरी के परिजनों ने ऑटो का पीछाकर चालक को दबोच लिया। यहां दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। ऑटो चालक की ओर से आए युवकों ने किशोरी और उसके परिजनों को पीटा तो आसपास के लोग एकत्र हो गए और उन्होंने आरोपियों की पिटाई कर ऑटो में तोड़फोड़ कर दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को थाने ले आई।

बागपत रोड पर कुछ परिवार झुग्गी झोपड़ी डालकर रहते हैं। शनिवार शाम एक ऑटो यहां से गुजरा तो ऑटो चालक ने अपनी झुग्गी के बाहर खड़ी किशोरी को अश्लील इशारा कर दिया। इस पर किशोरी शोर मचा दिया तो ऑटो चालक भाग निकला। किशोरी के परिजनों ने ऑटो के पीछे दौड़ लगा दी। ऑटो चालक एक बाइक मिस्त्री की दुकान के पास जाकर रुक गया। वहां दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। ऑटो चालक की तरफ से तीन युवक भी आ गए। वे किशोरी और उसके परिजनों को पीटने लगे। आस पास के लोगों ने मारपीट कर रहे तीनों युवकों की जमकर धुनाई की और ऑटो के शीशे तोड़ दिए। मामला बिगड़ता देख टेंपो चालक वहां से भाग निकला। सूचना पाकर टीपीनगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को शांत कराया। दोनों पक्षों को लेकर पुलिस थाने आ गई।

विधवा से दुष्कर्म, बेटियों पर भी बुरी नजर रखता है आरोपी

नौचंदी थाना क्षेत्र में एक सिरफिरे ने विधवा की अश्लील वीडियो बना ली और ब्लैकमेल कर कई बार दुष्कर्म किया। आरोपी महिला की बेटियों पर भी गलत नीयत रखने लगा। महिला की शिकायत पर नौचंदी थाने में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने उसकी तलाश में दबिश दी लेकिन आरोपी नहीं मिला।

मेडिकल थाना क्षेत्र में एक महिला पति की मौत के बाद दो बेटियों के साथ किराये के मकान में रहती है। आरोप है कि फूलबाग कालोनी निवासी संजय कश्यप ने एक दिन मौका पाकर महिला की अश्लील वीडियो बना ली और ब्लैकमेल कर अवैध संबंध के लिए दबाव बनाने लगा। महिला ने विरोध किया तो उसने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर महिला से दुष्कर्म किया। शराब के नशे में धुत होकर वह अक्सर उसके घर पहुंच जाता और गंदी हरकतें करता। इस बीच महिला गर्भवती हो गई तो आरोपी ने उसका जबरन गर्भपात भी करा दिया। अब महिला की दो बेटियों पर उसकी बुरी नजर है और वह उनका पीछा करने लगा। इस बात की जानकारी लगने पर महिला ने विरोध किया और पुलिस से शिकायत की।

उसने आरोपों से जुड़े कुछ सुबूत भी सौंपे। शनिवार को महिला की तहरीर पर आरोपी संजय कश्यप के खिलाफ दुष्कर्म समेत विभिन्न गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। इंस्पेक्टर नौचंदी सुबोध सक्सेना ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

शामली में सड़क हादसे में एक की मौत, दो घायल, बागपत में महिला पर जानलेवा हमला

मेरठ। उत्तर प्रदेश के शामली में पुराल से भरे अवरलोड टैक्टर-ट्राली ने दो बाइकों को टक्कर मार दी, हादसे में एक की मौत हो गई जबकि दो घायल हुए हैं। वहीं बड़ौत में पुरानी रंजिश को लेकर घर में घुसकर मां-बेटी पर जानलेवा हमला कर दिया गया। दोनों गंभीर रूप से घायल हुई हैं। मेरठ के जानी में पुलिस की रविवार की तड़के गोकशों से सिवाल खास के जंगल में मुठभेड हो गई। इस घटना में एक गोकश पुलिस की

गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने मौके से दो गोकशों को मुठभेड के बाद गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से दो गोवंश और गोकशी करने के औजार बरामद किये है। पुलिस ने गिरफ्तार गोकशो के पास से एक तमंचा, एक कारतूस और एक खोका कारतूस सहित एक बाइक बरामद की है। जानी पुलिस ने एक सूचना पर रविवार तडके सिवाल खानपुर मार्ग पर गांव खानपुर में स्थित एक खेत में दबिश दी। इस दौरान खेत में मौजूद गोकशो ने पुलिस पर गोली चला दी। पुलिस की तरफ से चलाई गई जवाबी कार्यवाही में एक गोकश साजिद पुत्र असगर पैर में गोली लगने से घायल हो गया।

पुलिस ने मौके से असगर सहित शकील पुत्र रियासत निवासी सिवाल खास को मौके से गिरफ्तार किया है, जबकि एक गोकश मौके से पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों से एक तमंचा,एक कारतूस, एक खोखा और एक बाइक के साथ गोकशी करने के औजार बरामद किए हैं। पुलिस ने मौके से दो गोवंश भी बरामद किये है। जानी थानाध्यक्ष प्रजंत त्यागी के अनुसार आरोपियों के खिलाफ पुलिस कानूनी कार्यवाही कर रही है। मौके से फरार आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे हैं।

कार्यकारिणी में 41 फीसदी महिलाओं की भागीदारी के साथ निगम ने रचा इतिहास

मेरठ। मेरठ नगर निगम की कार्यकारिणी चुनाव को लेकर शनिवार को वोट डाले गए। कार्यकारिणी के चुनाव में महिलाओं की इतनी भागीदारी कभी नहीं रही जितनी इस बार रही है। इस बार महिलाओं की 41 फीसदी की भागीदारी रही है। वहीं आठ प्रत्याशी निवार्चित होने पर भाजपा नेताओं ने खुशी की लहर है। कार्यकारिणी में महिलाओं को 41 फीसदी की भागीदारी के साथ मेरठ नगर निगम ने इतिहास रच दिया। इससे पहले महिलाओं की इतनी भागीदारी कभी नहीं रही। सांसद राजेंद्र अग्रवाल ने कहा कि मेरठ क्रांतिकारी धरा है और संसद में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण के बाद मेरठ नगर निगम ने ऐतिहासिक पहल की। इसके अलावा पहली बार कार्यकारिणी में भी भाजपा के आठ सदस्य चुने गए।

महानगर अध्यक्ष सुरेश जैन रितुराज ने भाजपा के आठ सदस्यों के निर्वाचन को ऐतिहासिक जीत बताया।भाजपा ने चुनाव में मतदान की रणनीति मुकुंदी देवी धर्मशाला में बनाई। सुबह 9 बजे महापौर हरिकांत अहलूवालिया और महानगर अध्यक्ष सुरेश जैन रितुराज यहां पहुंचे। इसके बाद सांसद, राज्यमंत्री, कैंट विधायक, राज्यसभा सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेयी, कांता कर्दम, एमएलसी धर्मेंद्र भारद्वाज सहित अन्य भाजपा नेता भी पहुंच गए। नामांकन प्रक्रिया से मतदान तक भाजपा नेता जीत की गणित लगाते रहे। जीत के लिए हर सदस्य को करीब करीब आठ वोट की जरूरत थी। इसके तहत भाजपा के एक वरिष्ठ नेता के साथ प्रत्याशी और छह पार्षदों को मतदान के लिए बारी-बारी भेजा गया। भाजपा नेताओं ने आठ सदस्य निर्वाचित होने को मेरठ नगर निगम की बड़ी जीत बताया।

सपा के जीते सदस्य अतुल प्रधान के करीबी

सपा के तीनों पार्षद कार्यकारणी चुनाव में सदस्य बनने के बाद सपा विधायक अतुल प्रधान से मिलने उनके आवास पर पहुंच गए। बताया गया कि तीनों पार्षद अतुल प्रधान के करीबी हैं।

गोली लगने से घायल आरोपी छात्र को भेजा जेल

मिर्जापुर। कटरा कोतवाली क्षेत्र के आवास-विकास कालोनी में बुधवार की देर रात गोली लगने से घायल आरोपी छात्र को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस की छानबीन में पता चला कि जीजा से विवाद के बाद चली गोली से छात्र घायल हुआ था। चील्ह थाना क्षेत्र के कमासिन निवासी हर्ष सिंह(22) बचपन से अपने मामा प्रदीप सिंह निवासी कतवारु का पुरा के घर रहता है। हर्ष ने बताया कि वह मामा के घर से प्रयागराज जाने के लिए स्टेशन गया था। वहां ट्रेन छूटने के बाद ट्राली बैग लेकर घर आ रहा था कि कालोनी के पास बाइक सवार बदमाशों ने उसे गोली मारी। एएसपी सिटी श्रीकांत प्रजापति ने बताया कि हर्ष सिंह व उसके जीजा आशुतोष सिंह के बीच झगड़ा हो गया। इसी बीच हर्ष सिंह ने पिस्टल निकाल ली। दोनों के बीच पिस्टल की छीना-झपटी के दौरान गोली चलने से हर्ष सिंह घायल हो गया था। पिस्टल और एक कारतूस को बरामद कर लिया गया। आशुतोष सिंह की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर हर्ष सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

गुरनाम सिंह चढूनी बोले- हाथ जोड़ने से कोई नहीं देता, अपने अधिकार के लिए लड़ना पड़ता है

मेरठ। मेरठ के गंगानगर थाना क्षेत्र के कसेरूबक्सर स्थित एक फार्म हाउस में भारतीय किसान यूनियन चढूनी का विस्तार किया गया। कार्यक्रम में भाकियू चढूनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार गुरनाम सिंह चढूनी भी उपस्थित हुए और लोगों को संबोधित करते हुए आगामी 23 नवंबर को रैली में आने की बात कही। मेरठ के गंगानगर कसेरूबक्सर स्थित श्री श्याम फार्म हाउस में भारतीय किसान यूनियन चढूनी का संगठन विस्तार कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार गुरनाम सिंह चढूनी ने कहा कि हाथ जोड़ने से अपना हक नहीं मिलता, हमें अपने अधिकार के लिए लड़ना पड़ता है। इस दौरान उन्होंने गन्ना भुकतान, एमएसपी आदि पर चर्चा की। यह कार्यक्रम आशीष तेवतिया, नवनियुक्त महिला मोर्चा की पश्चिम प्रदेश अध्यक्ष आयुषी सिंघु तेवतिया द्वारा कराया गया। कार्यकर्ताओं व किसानों को संबोधित करते हुए सरदार गुरनाम सिंह चढूनी ने कहा कि पहली बार मेरठ की क्रांति धरा के दर्शन हुए हैं। मैं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि पिछले दशकों में कई सरकार आईं और गईं, सभी ने वादे किए। परंतु किसान, मजदूरों की हालत पहले भी वही थी और अभी भी वही है, उनके जीवन में कोई बदलाव नहीं आया। हर रोज किसान कर्ज, फसल बरबाद के चलते आत्महत्या कर रहा है। आने वाले युवा बेरोजगारी की ओर जा रहे हैं। हमारा संगठन किसानों की समस्याओं के लिए लगातार लड़ रहा है। सरकार नई-नई स्कीम के तहत किसानों, ग्रम पंचायतों की भूमि प्राइवेट कंपनियों, पूंजीपतियों के हाथ में दे देना चाहती है। इस तरह से आने वाले समय में किसान और भी ज्यादा स्थिति बिगड़ जाएगी।

यूपी की मिलों पर 5 हजार करोड़ बकाया

राष्ट्रीय अध्ययक्ष चढूनी ने कहा कि यूपी में 14 चीनी मिल हैं जिन पर पिछले वर्ष का 5 हजार करोड़ रुपये से भी ज्यादा गन्ना भुकतान बकाया चल रहा है। सरकार भी इसकी ओर ध्यान नहीं दे रही है। सरकार पूंजीपतियों का करोड़ों रुपये माफ कर देती है। उन पर कोई कार्रवाई नहीं करती है। परंतु किसानों से पाई-पाई ले लिया जाता है।

किसान की समस्याओं को उठा रहे

उन्होंने कहा भारतीय किसान यूनियन चढूनी किसानों की वास्तविक समस्याओं को उठाने का काम कर रहा है।

इसी को ध्यान में रखते हुए संगठन विस्तार भी किया जा रहा है। जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग जुड़ें और किसान, मजदूरों की समस्याओं को सरकार के सामने लाने का काम करें।

23 नवंबर को बड़ी रैली

उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि आगामी 23 नवंबर को बड़ी रैली का आयोजन किया जा रहा है। उस रैली में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचे और सरकार को किसान एकता और ताकत दिखाएं, जिससे वह आने वाले चुनावों में किसानों के हितों को सबसे उपर रखे।

अखिल भारतीय जाट महासभा के प्रांतीय सम्मेलन में गरजे खाप चौधरी, नरेश टिकैत ने कही ये बड़ी बात

मेरठ। लोकसभा चुनाव से पहले पश्चिमी यूपी में जाट आरक्षण की सियासी बिसात बिछाई जाएगी। इसके लिए आज जाट समुदाय अखिल भारतीय जाट महासभा आयोजित की। राष्ट्रीय लोकदल के नेताओं समेत नरेश टिकैत भी आयोजन में शामिल होने पहुंचे हैं। लोकसभा चुनाव से पहले केंद्रीय सेवाओं में जाट आरक्षण का मुद्दा उठाकर वेस्ट यूपी की राजनीति को गरमाने की तैयारी है। इसके लिए अखिल भारतीय जाट महासभा आज मेरठ में बड़ा सम्मेलन आयोजित किया। अखिल भारतीय जाट महासभा की ओर से आज कंकरखेड़ा के शगुन फार्म हाउस में प्रांतीय सम्मेलन किया जा रहा है। इसमें जाट समाज के दिग्गज केंद्र में आरक्षण दिलाने की रणनीति तैयार कर रहे हैं।

मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मालिक को भी शामिल होना था लेकिन वह नहीं आ सके। उनके अलावा भाकियू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश टिकैत के साथ बालियान खाप, मलिक खाप के चौधरी व समाज के बड़े लोग शामिल होने पहुंचे हैं। महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रताप चौधरी के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। बताया कि कार्यक्रम में जाट समाज को आरक्षण न दिए जाने पर आगामी लोकसभा चुनाव की रणनीति तय की जाएगी। जाट समाज अपनी ताकत दिखाएगा। महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रताप चौधरी ने कहा कि भाजपा जाट समाज की मांगों की अनदेखी कर रही है, जिसका खामियाजा उसे आगामी लोकसभा चुनाव में उठाना पड़ेगा। शनिवार को प्रदेश अध्यक्ष समेत तमाम पदाधिकारी सम्मेलन की तैयारी में जुटे रहे। सम्मेलन में पंजाब, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली समेत कई राज्यों से जाट समाज के लोग रविवार सुबह से ही जुटना शुरू हो गए।

रालोद नेताओं ने दिया समर्थन

रालोद के वरिष्ठ नेताओं ने सम्मेलन को समर्थन दिया है। रालोद नेता डॉ. राजकुमार सांगवान ने कहा कि चौधरी अजित सिंह के प्रयासों से जाट समाज को केंद्र में आरक्षण मिला था। इसे साजिश के तहत खत्म कराया गया। सुनील रोहटा ने कहा कि आज समाज के युवाओं को केंद्र सरकार की नौकरियों में आरक्षण अत्यधिक आवश्यक है।

प्रांतीय सम्मेलन में राष्ट्रीय जाट महासंघ भी हो रहा शामिल

प्रांतीय सम्मेलन में राष्ट्रीय जाट महासंघ भी शामिल हो रहा है। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित जाखड़ ने कहा कि जाट समाज की नस्ल को सशक्त करने के लिए आरक्षण की महत्वपूर्ण मांग का समर्थन किया जा रहा है। राष्ट्रीय जाट महासंघ जाट आरक्षण की लड़ाई में अपनी अग्रणी भूमिका और सहभागिता देगा।

पश्चिमी यूपी की राजनीति की दिशा तय करेगा जाट समुदाय

पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति का प्रमुख आधार माना जाने वाला जाट समुदाय मेरठ की क्रांति भूमि से राजनीति की दशा और दिशा तय करने जा रहा है। एक अक्तूबर को अंतर्राष्ट्रीय जाट संसद में राजनीति, कला, शिक्षा, साहित्य, संस्कृति, रोजगार, सृजन व गौरवशाली जाट इतिहास को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य को लेकर चर्चा होगी।

इसमें उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, पंजाब, हिमाचल, जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड सहित गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, मध्यप्रदेश व पश्चिम बंगाल आदि सभी राज्यों में निवास कर रहे जाट समाज के प्रतिनिधियों के साथ देश व दुनिया भर से जाट समाज के लोग इस अधिवेशन का हिस्सा बनेंगे।

जाट आरक्षण सम्मेलन की घोषणा ने नई सियासी पिच की तैयार

ठीक एक सप्ताह पहले मेरठ में ही आयोजित किए जा रहे जाट आरक्षण सम्मेलन ने नई सियासी पिच तैयार करनी शुरू कर दी है। अखिल भारतीय जाट महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व विधायक प्रताप चौधरी के नेतृत्व में जाट समाज के लोग गांव-गांव जाकर जनसंपर्क किया।

गांव दबुथवा, पथौली, सरूरपुर, मीरपुर, भदौड़ा, रोहटा आदि गांव के लोग भी जाट आरक्षण सम्मेलन में शामिल होंगे।

कमिश्नर ने विप्रा से पूछा, कितने बिल्डरों पर की कार्रवाई

मथुरा। कमिश्नर रितु माहेश्वरी ने विकास प्राधिकरण से अवैध कॉलोनियों पर की गई कार्रवाई का ब्यौरा मांगा है। प्राधिकरण से पूछा है कि अब तक अवैध निर्माण में कितने बिल्डरों पर कार्रवाई की गई है। खादर और खेतों में बन रही कॉलोनियों को रोकने के लिए क्या योजना है। कार्रवाई के मानक में छोटे और बड़े बिल्डरों के भेदभाव पर भी रिपोर्ट देने को कहा है। मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण के दायरे में डेढ़ हजार से ज्यादा अवैध कॉलोनियां हैं। सबसे बड़ी संख्या मथुरा-वृंदावन क्षेत्र में है। खासकर वृंदावन क्षेत्र ने अन्य सभी क्षेत्रों को अवैध निर्माण के मामले में पीछे छोड़ दिया है। यहां छोटे से लेकर बड़े बिल्डर भी अवैध निर्माण में पीछे नहीं हैं। स्वीकृत मानचित्र के मामले में तय मानकों को पूरा करना तो बहुत दूर की बात है। यमुना का खादर क्षेत्र भी अवैध निर्माण से पट गया है। इन गंभीर स्थितियों को देखते हुए कमिश्नर आगरा ने विकास प्राधिकरण अधिकारियों से कड़ी नाराजगी जाहिर की है। अवैध कॉलोनियों को लेकर पूरा ब्यौरा मांगा है। उन्होंने कहा है कि कार्रवाई सिर्फ छोटे लोगों तक सीमित होकर न रहे, पहले बड़े बिल्डरों पर कार्रवाई की जाए। सर्वे कराते हुए अवैध कॉलोनियां, अन्य निर्माणों को चिह्नित कराया जाए और विधिक कार्यवाही के बाद उन्हें गिराने की कार्रवाई की जाए। वृंदावन में अवैध निर्माण तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। यमुना तट पर ही बहुमंजिला भवन बना दिए गए हैं। खादर में पूरा नया शहर बस गया है। यही स्थिति खेतों में है।

पंखिया के बाद अब शटरकटवा गिरोह, बिहार से आकर दिया बड़ी चोरी को अंजाम

कुशीनगर। बिहार की सीमावर्ती जिला होने के कारण कुशीनगर अपराधियों को मुफीद लगने लगा है। यही वजह है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश सहित राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश और बिहार में संगीन घटनाओं को अंजाम देने वाले अपराधी भी यहां अपराध करने लगे हैं। कुशीनगर पुलिस ने अभी बदायूं के पंखिया गिरोह के सदस्यों को पकड़ा ही था कि बिहार का एक गैग भी यहां अपराध कर बैठा। हाटा में मोबाइल की एक बड़ी दुकान में एक सप्ताह पहले चोरी करने वाले गैंग के जो सदस्य शनिवार को गिरफ्तार हुए, वे बिहार के शटरकटवा गिरोह के हैं। दोनों ही चोरों के बड़े गैंग हैं, जो बड़े ही शातिराना तरीके से अपराध को अंजाम देते हैं। शनिवार को हाटा कोतवाली क्षेत्र के झांगा के पास गिरफ्तार किए गए अपराधी बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले के हैं। पुलिस की मानें तो वहां घोड़ासहन नाम की एक ऐसी जगह है, जो शटर काटकर चोरी करने वाले अपराधियों का गढ़ है। वे शटर काटने के पूरे औंजार के साथ चलते हैं। उन्हें पता होता है कि शटर के किस हिस्से पर काटना है, जिससे कम समय में उनका काम हो जाए। उस प्वाइंट को हीट कर जल्दी काट देते हैं। हाटा नगर में चोरी होने के बाद से ही पुलिस खोजबीन में जुट गई थी।

इन्हें मोबाइल से ट्रेस करना होता है मुश्किल

पुलिस के मुताबिक शटरकटवा गिरोह के सदस्य घटना के बाद पुलिस को गुमराह करने के लिए अपना मोबाइल ट्रक, बस या अन्य वाहनों में रख देते हैं और दूसरी दिशा में निकल जाते हैं। पुलिस उनके लोकेशन के आधार पर पीछा करती है, लेकिन हाथ नहीं आते और भागने में सफल रहते हैं। उसके बाद साथ में मोबाइल लेकर नहीं चलते हैं। यह गिरोह ज्यादातर बिहार में ही सक्रिय रहता है। नेपाल में भी चोरी करते हैं तो बिहार में वापस चले आते हैं। अलग-अलग स्थानों पर मिले इनके लोकेशन के आधार पर पुलिस ने खोजबीन की, तब जाकर हाथ आए।

पंखिया गिरोह की तलाश में है अभी पुलिस की एक टुकड़ी

पुलिस की मानी जाए तो रामकोला थाना क्षेत्र में गिरफ्तार किए गए पंखिया गिरोह के सदस्यों को पुलिस ने जेल भेज दिया, लेकिन उनके कुछ साथी और भी थे, जिनकी तलाश की ला रही है। उनकी गिरफ्तारी के लिए अभी एक टीम लगी है, जो वापस नहीं आई है। यह टीम बदायूं गई है। हालांकि, वे अपराधी अभी हाथ नहीं आए हैं।

चरस को महानगरों में खपाने का था इरादा

पुलिस के मुताबिक चार करोड़ रुपये की चरस के साथ गिरफ्तार किए गए शटरकटवा गिरोह के सदस्य गोरखपुर और अन्य बड़े शहरों में खपाने के इरादे से जा रहे थे। कुशीनगर पुलिस को इसकी भनक लग गई। झांगा में इन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

संक्षिप्त समाचार

पेंशनर की मृत्यु की सूचना कोषागार को देना परिजनों का नैतिक कर्तव्य-वरिष्ठ कोषाधिकारी

बहराइच । वरिष्ठ कोषाधिकारी नरोत्तम शरण ने बताया कि ऐसे प्रकरण कोषागार के संज्ञान में आये हैं जिनमें पेंशनर/पारिवारिक पेंशनर की मृत्यु हो जाने के उपरांत उनके परिजनों द्वारा इसकी सूचना कोषागार कार्यालय को नहीं दिये जाने के कारण से बाद में जानकारी मिलने पर अधिक भुगतान हुई धनराशि की वसूली की कार्यवाही करनी पडती है। जिससे सम्बन्धित परिजनों को भी अपरिहार्य स्थिति का सामना करना पड़ता है। वरिष्ठ कोषाधिकारी श्री शरण ने सभी सम्बन्धित से अपेक्षा की है कि यथास्थिति पेंशनर/पारिवारिक पेंशनर की मृत्यु हो जाने पर सम्बन्धित कोषागार को तत्काल सूचित करें। यह पेंशनर/पारिवारिक पेंशनर के परिजनों का नैतिक एवं विधिक कर्तव्य भी है। उन्होंने सम्बन्धित को सचेत किया कि ऐसे किसी भी प्रकरण में मृत्यु की सूचना के अभाव में हुई अधिक भुगतानित धनराशि की वसूली बैंक के माध्यम से अथवा भू-राजस्व के बकाये के रूप में वसूल किये जाने की कार्यवाही की जायगी।

दिल्ली से चोरी हुई थार जीप बरामद, पुलिस को चकमा देकर पैदल भागे चोर

तमकुहीराज। दिल्ली से चोरी हुई थार जीप को तरयासुजान थाने की पुलिस ने बरामद किया है। जीपीएस लोकेशन के जरिए मालिक ने पुलिस को जानकारी दी। तमकुहीराज थाने की पुलिस ने नेशनल हाइवे पर घेराबंदी कर रखी थी। पुलिस से खुद को घिरता देख चोर जीप छोड़कर भाग गए। दिल्ली के राकेश शर्मा कई वाहन रखे हैं और किराए पर चलवाते हैं। शुक्रवार को शहजाद अली और अब्बासी नाम के दो शख्स उनके ऑफिस पर पहुंचे और घूमने के लिए थार (जीप) बुक कराया। देर रात तक थार लेकर दोनों युवक वापस नहीं लौटे तो कर्मचारियों ने राकेश को इसकी जानकारी दी। राकेश ने जीपीएस लोकेशन ट्रेस किया तो थार का लोकेशन कुशीनगर हाइवे पर तमकुहीराज के पास मिला। इसकी जानकारी उन्होंने कुशीनगर पुलिस को दी। पुलिस ने बताए गए लोकेशन के आधार पर घेराबंदी की। इसकी भनक किसी तरह चोरों को लग गई। बिहार की तरफ बढ़ रहे चोरों ने हाइवे पर टोल प्लाजा के पास थार को खड़ा कर दिया और पैदल भाग निकले। टोल प्लाजा के उस पार मौजूद पुलिस थार लेकर आने का इंतजार कर रही थी। कुछ देर बाद पुलिस थार के पास पहुंची तो मालूम हुआ कि उसमें सवार दोनों युवक पैदल बिहार की तरफ गए हैं। थार लेकर पुलिस थाने चली आई। इंस्पेक्टर नीरज कुमार राय ने बताया कि जीप को कब्जे में लिया गया है। वाहन स्वामी आ रहे हैं। उनके आने के बाद आगे की कार्रवाई होगी।

लखीमपुर खीरी में किशोरी की हत्या कर पेड़ से लटकाया शव, दो लोगों पर दुष्कर्म का भी आरोप

लखीमपुर खीरी। खीरी थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 17 साल किशोरी शनिवार सुबह शौच के लिए गई थी। उसका शव गन्ने के खेत में पेड़ से लटका मिला। घरवालों ने गांव के ही दो लोगों पर हत्या और दुष्कर्म का आरोप लगाया है। लखीमपुर खीरी में किशोरी का शव शनिवार को गांव के बाहर पेड़ से लटका मिला। लड़की के घरवालों ने गांव के ही दो लोगों पर दुष्कर्म और हत्या कर शव पेड़ पर लटकाने का आरोप लगाया। उनकी तहरीर के आधार पर पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। खीरी थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 17 साल की किशोरी शनिवार सुबह शौच के लिए गई थी। काफी देर तक वापस न आने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद करीब 11 बजे गन्ने के खेत में लगे बबूल के पेड़ से उसका शव लटकता मिला। किशोरी का शव मिलने से सनसनी फैल गई।

गले में बंधा था दुपट्टे का शव

इसकी सूचना मिलते ही मौके पर गांव वाले पहुंच गए। किशोरी के गले में दुपट्टे का फंदा बंधा हुआ था। परिजनों ने ग्रामीणों की मदद से किशोरी का शव नीचे उतारा। सूचना मिलने के बाद पहुंची पुलिस ने छानबीन की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मृतका के भाई ने गांव के अवधेश, राजेश पर बहन से दुष्कर्म और हत्या कर शव पेड़ से लटकाने का आरोप लगाया है। खीरी थाना प्रभारी अरविंद पांडेय ने बताया कि जांच में दुष्कर्म की पुष्टि नहीं हुई है। आरोपी अवधेश व राजेश पर हत्या का केस दर्ज किया गया है।

तीसरी आंख की निगरानी में रहेगी कोसी की सुरक्षा व्यवस्था

मथुरा। नगर की सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन सतर्क है। हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए चप्पे-चप्पे पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। करीब 225 सीसीटीवी कैमरे लगने हैं, जिनका 90 फीसदी काम पूरा भी हो चुका है। दरअसल नगर को सुरक्षित बनाने के लिए प्रत्येक प्रवेश द्वार से लेकर व्यस्त एवं एकांत स्थानों पर हर वक्त तीसरी नजर का पहरा रहेगा। इसके लिए स्थानों का चयन कर पुलिस ने करीब 200 सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं। यह दिल्ली की ओर से आने वाले प्रवेश मार्ग से लेकर पूर्व, पश्चिम, उत्तर एवं दक्षिण के सभी रास्तों पर सीसीटीवी लगाए गए हैं। पूरे नगर में करीब 225 सीसीटीवी कैमरे लगने हैं। इन्हें इस प्रकार लगाया गया है कि कोई भी राहगीर इनकी पहुंच से बचकर नहीं निकल सकता। पुलिस ने सुनसान रहने वाले इलाकों एवं गलियों को भी इससे कवर किया है। वहीं बाजार से लेकर हाईवे के प्रवेश द्वारों पर भी विशेष तौर पर सीसीटीवी लगाए जाने हैं। सभी कैमरों को वाईफाई के माध्यम से कंट्रोल रूम से जोड़ा जाएगा। कंट्रोल रूम थाने और सिटी चौकी में बनेगा। प्रभारी निरीक्षक अनुज कुमार ने बताया कि नगर को सुरक्षित बनाने के लिए पुलिस हरसंभव प्रयास कर रही है। कैमरे लगने के बाद भरत मिलाप मेले में पुलिस को काफी राहत मिलेगी। मेले के दौरान होने वाली घटनाओं को रोकने में पुलिस को मदूद मिलेगी। मनचले छेड़डाड़ की घटनाओं को रोकने में मिलेगी।

कॉरिडोर की जमीन के लिए कहां से जुटाएंगे धन

मथुरा। वृंदावन में प्रस्तावित बिहारीजी कॉरिडोर के लिए जमीन खरीद को लेकर राज्य सरकार ने जिलाधिकारी से धन की उपलब्धता का विकल्प मांगा है। सरकार ने पूछा है कि यह राशि राज्य सरकार, श्रद्धालुओं के दान या फिर किसी अन्य विकल्प से जुटाई जाएगी। जिलाधिकारी द्वारा दिए जाने वाले इसी विकल्प की जानकारी शासन अगली सुनवाई में इलाहाबाद हाईकोर्ट को देगा। याची अनंत शर्मा की जनहित याचिका पर हाईकोर्ट वृंदावन में बिहारीजी कॉरिडोर को लेकर गंभीर है। इसका प्रस्तुतिकरण भी कोर्ट के समक्ष किया जा चुका है। कॉरिडोर पर करीब 505 करोड़ रुपये के खर्च का अनुमान बताया गया है। इसके लिए बिहारीजी मंदिर के सामने 5.5 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। इस पर 200-250 करोड़ रुपये खर्च होने का आकलन है। बाकी राशि निर्माण कार्य में खर्च होनी है। हाईकोर्ट ने इस राशि की उपलब्धता की जानकारी मांगी है। इसके लिए शासन ने विशेष सचिव के माध्यम से जिलाधिकारी मथुरा से पूछा है कि प्रस्तावित कॉरिडोर की जमीन खरीद के लिए धन की उपलब्धता कहां से की जाएगी।

काम में लापरवाही पर वीडीओ निलंबित

मऊ। जिलाधिकारी अरुण कुमार ने मुहम्मदाबाद गोहना ब्लाक क्षेत्र की ग्राम पंचायत सरयां स्थित अस्थाई गो आश्रय स्थल में रखरखाव में लारवाही पर ग्राम पंचायत अधिकारी शिशिर पांडेय को निलंबित करने का आदेश दिया है। साथ ही ग्राम प्रधान नौशाद अहमद की भी जिम्मेदारी तय करते हुए पंचायती राज अधिनियम के तहत नोटिस जारी किया। जनसुनवाई के दौरान रमेश यादव, राम शब्द, कमला, विनोद कुमार ने जिलाधिकारी के समक्ष संबंधित ग्राम प्रधान नौशाद अहमद, ग्राम पंचायत अधिकारी शिशिर पांडेय के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। बताया था कि गोशाला में पर्याप्त मात्रा में चारे और भूसे सहित चोकर एवं गुड़ की पर्याप्त व्यवस्था न होने तथा पशुओं की ठीक ढंग से देखभाल न होने के कारण दिन प्रतिदिन पशु कमजोर होते जा रहे हैं। गत कई दिनों में कई पशुओं की मौत भी हो चुकी है। इस संबंध में जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी मुहम्मदाबाद गोहना को स्थलीय निरीक्षण कर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया था। जांच में उप जिला अधिकारी मुहम्मदाबादगोहना ने संबंधित गो आश्रय स्थल की दयनीय व्यवस्था के लिए ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत अधिकारी को जिम्मेदार ठहराया।

शांति और सौहार्द के बीच मनाएं बारावफात

मिर्जापुर। कोतवाली में ईद मिलादुन्नबी के मद्देनजर शनिवार को पुलिस उपाधीक्षक उमाशंकर सिंह की अध्यक्षता में शांति कमेटी की बैठक हुई। इसमें पुलिस उपाधीक्षक ने लोगों से जुलूस के बारे में जानकारी ली। समुदाय के लोगों ने बताया कि नगर में दरगाह शरीफ, लाल दरवाजा और चिकाने मस्जिद से जुलूस निकाले जाएंगे। कोतवाल संजीव कुमार सिंह ने लोगो से शांति पूर्वक जुलूस निकालने के लिए कहा। इस दौरान वकील अहमद, नियाज अहमद, मो. नसीम खान, मुबारक अली, शब्बीर अहमद,गयासुद्दीन आदि उपस्थित रहे। जमालपुर-बारावफात एवं गणेश पूजन त्योहार में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक हुई। सीओ उमाशंकर सिंह ने लोगों को शांतिपूर्वक जुलूस आदि निकालने को कहा। थाना अध्यक्ष रामनारायन राम ने आने वाले त्योहारों को सौहार्द व भाईचारे के साथ मनाने की अपील की। बैठक में अनिल कुमार सिंह, नरसिंह चौहान, रामजन्म कुशवाहा, अनिल सिंह, मनीष मौर्या आदि मौजूद रहे।

डीएम की अध्यक्षता में उद्योग बन्धु की बैठक सम्पन्न

त्रिगुट संवाददाता

बहराइच । उद्यमियों एवं व्यापारियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के उददेश्य से शनिवार को देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मोनिका रानी की अध्यक्षता में जिला निर्यात समिति, एम.ओ.यू..क्रियान्वयन समिति एवं उद्योग बन्धु समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक के दौरान डीएम मोनिका रानी ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि उद्यमियों, व्यापारियों, निर्यातकों की समस्याओं का समयबद्धता एवं गुणवत्तापरक निस्तारण कराया जाए ताकि आकांक्षात्मक जनपद बहराइच में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके। डीएम ने बैंकों को निर्देश दिया कि विभिन्न विभागों द्वारा संचालित रोज़गार योजनाओं से सम्बन्धित पत्रावलियों के निस्तारण में अनावश्यक विलम्ब न किया जाए। बैठक में अनुपस्थित रहने पर डीएम ने लीड बैंक प्रबन्धक, भूगर्भ जल सहित अन्य अधिकारियों के प्रति कड़ी नाराज़गी व्यक्त करते हुए सम्बन्धित का स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश देते हुए कहा कि यथास्थिति को शासन के भी संज्ञान में लाया जाय।जनपद में औद्योगिक फीडर की स्थापना के सम्बन्ध में उद्यमियों को बताया गया कि शासन को पत्र भेज कर प्रयास किया जा रहा है। शीघ्र ही जनपद में औद्योगिक फीडर की स्थापना का कार्य प्रारम्भ हो सकता है। पुलिस लाइन के निकट जल निकासी की समस्या के सम्बन्ध में ई.ओ. द्वारा बताया गया कि टेण्डर की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई शीघ्र ही कार्य करा दिया जायेगा। एम.ओ.यू..क्रियान्वयन समिति की बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि एम.ओ.यू. साईन करने वाले सभी उद्यमियों एवं व्यापारियों की समस्याओं का समयबद्धता के साथ निस्तारण कराया जाय। डीएम ने यह भी निर्देश दिया कि एम.ओ.यू. से सम्बन्धित प्रकरणों के निस्तारण की प्रत्येक पखवाड़े समीक्षा भी की जाय।

उपायुक्त उद्योग ने बताया कि निवेश मित्र पोर्टल पर 22 सितम्बर तक 1809 आवेदन प्राप्त हुए थे जिसमें से 1643 का निस्तारण करा दिया गया है। जबकि 45 आवेदन पत्र प्रक्रियाधीन है तथा 65 आवेदन पत्र मानक के अनुरूप न होने पर निरस्त कर दिये गये हैं। उपायुक्त ने बताया कि 53 आवेदन पत्र समय अन्तर्गत लम्बित हैं जबकि 03 आवेदन-पत्र डिफाल्टर की श्रेणी में हैं। डीएम ने निर्देश दिया कि पोर्टल पर लम्बित शत-प्रतिशत आवेदन पत्रों का यथाशीघ्र निस्तारण करा दिया जाय। धारा 80 से सम्बन्धित प्रकरणों के सम्बन्ध एसडीएम सदर, महसी व नानपारा को भी शीघ्र निस्तारण कराये जाने के निर्देश दिये गये। बीपीसीएल के सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन परियोजना व अन्य हेतु भूमि की उपलब्ध के सम्बन्ध में सम्बन्धित एसडीएम को आवश्यक निर्देश दिये गये। बैठक का संचालन उपायुक्त उद्योग केशव राम वर्मा ने किया। इस अवसर पर डीएफओ बहराइच संजय शर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एस.के. सिंह, उप जिलाधिकारी सदर डॉ. पूजा यादव, जिला विकास अधिकारी महेन्द्र कुमार पाण्डेय, उप निदेशक कृषि टी.पी. शाही, अधि.अधि. न.पा.परि. बहराइच प्रमिता सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारी, उद्यमी अशोक मातनहेलिया, कुलभूषण अरोड़ा, बृजमोहन मातनहेलिया, हरिश्चन्द्र गुप्ता सहित अन्य व्यापारी एवं उद्यमी मौजूद रहे।

डेंगू के संदिग्ध मरीज की मौत, 20 मरीजों का चल रहा इलाज

पडरौना। जिले में डेंगू की चपेट में लोग आ रहे हैं। जिला अस्पताल के चिल्ड्रेन वार्ड में भर्ती डेंगू की संदिग्ध मरीज 11 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। डेंगू का लक्षण मानकर डॉक्टरों ने इलाज शुरू किया था, लेकिन जांच में पुष्टि नहीं हुई थी। 12 दिन में 20 मरीजों में डेंगू की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 35 संदिग्ध मरीज पाए गए हैं। इनका सैंपल लिया गया है। अभी रिपोर्ट नहीं आई है। वहीं जिला अस्पताल के डेंगू वार्ड में भर्ती सात मरीजों का इलाज चल रहा है। मल्लूडीह क्षेत्र के कुड़वा दिलीपनगर के टोला धन्नीपट्टी निवासी अमितेश की 11 वर्षीय बेटी गुंजन की मौत हो गई। वह तेज बुखार से पीड़ित थी, लक्षण के आधार पर डॉक्टर ने उसे डेंगू की संदिग्ध मानते हुए इलाज शुरू किया। शनिवार को जिला अस्पताल के चिल्ड्रेन वार्ड में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घरवाले इलाज में लापरवाही का आरोप लगा रहे हैं। गुंजन धन्नीपट्टी परिषदीय स्कूल में कक्षा तीन की छात्रा थी। जिला अस्पताल में शनिवार को 872 मरीजों की ओपीडी हुई। तेज बुखार और शरीर में दर्द से परेशान अधिकांश मरीज आए। लक्षण के आधार पर डॉक्टर ने खून की जांच कराने के साथ दवा लिखा। जांच रिपोर्ट आने पर अगले दिन मिलने को कहा। जिला अस्पताल में एक अगस्त से 10 सितंबर तक डेंगू के 19 मरीज मिल चुके हैं।

बोले मरीज

डेंगू वार्ड में भर्ती दुदही ब्लॉक के धर्मपुर पर्वत निवासी मानस ने बताया कि उसे कई दिनों से बुखार आ रहा था। जांच में डेंगू की पुष्टि हुई। वार्ड में मच्छरदानी नहीं दिया जा रहा है और बेड का चादर भी नहीं बदला जा रहा है।

जिले के 110747 वृद्धजनों को मिल रहा है वृद्धावस्था पेंशन योजना से सहारा

बहराइच । बुजुर्गों के बेहतर कल और सम्मानजनक जीवन देने के उद्देश्य से लिए समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित वृद्धवस्था पेंशन योजना अन्तर्गत जिलाधिकारी मोनिका रानी ने कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में चालू वित्तीय वर्ष में 14358 नवीन लाभार्थियों की पेंशन स्वीकृत की गई है। जनपद में कुल 110747 वृद्धजनों को डी.बी.टी. के माध्यम से प्रतिमाह रू. 01 हज़ार की दर त्रैमासिक भुगतान किया जा रहा है। जनपद के समस्त पात्र वृद्धजन पेंशन योजना का लाभ प्राप्त कर सकें, इसके लिए प्रयास किये जा रहे हैं। जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर गुप्त ने पात्रता की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश के ऐसे सभी बुजुर्ग जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं वह इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। श्री गुप्त ने बताया कि 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के वृद्धजन जिनकी वार्षिक आय (ग्रामीण क्षेत्रों हेतु रू. 46080=00 व शहरी क्षेत्र हेतु रू. 56460=00) से अधिक नहीं है, पहचान पत्र, आधार कार्ड, बैंक पासबुक के साथ वेबसाइट एसएसपीवाई डाट यूपी डाट जीओवी डाट इन पर इण्टरनेट कैफे, जनसुविधा केन्द्र या स्वयं द्वारा आवेदन कर भरे हुए आवेदन पत्र को सम्बन्धित उप जिलाधिकारी अथवा खण्ड विकास अधिकारी के कार्यालय पर जमा करना होगा।

श्री गुप्त ने बताया कि योजना को पारदर्शी बनाने के लिए समाज कल्याण विभाग के राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) मा. श्री असीम अरूण जी ने तकनीक का भरपूर प्रयोग कर कई ठोस कदम उठाए गये हैं ताकि समाज के अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी इस योजना का लाभ आसानी से मिल सके। लाभार्थियों को दोहरा भुगतान न हो इसके प्रत्येक वर्ष मई और जून माह में योजना के लाभार्थियों का सत्यापन भी कराया जाता है। सत्यापन के उपरान्त चिन्हित मृतक और अपात्र पेंशनरों का नाम पेंशन सूची से हटाकर, उनकी जगह पात्र लाभार्थियों को प्रतिस्थापित किया जाता है। समस्त पात्र लाभार्थियों को ससमय से पेंशन का भुगतान सुनिश्चित करवाने के लिए उनके आधार प्रमाणीकरण और आधार सीडिंग की कार्यवाही भी की जा रही है। लाभार्थियों के आधार और मोबाईल नम्बर को बैंक खातों से लिंक करवाया जा रहा है।

आधार सीडिंग प्रक्रिया की जानकारी देते हुए समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि आधार बेस्ड भुगतान के लिए लाभार्थी के खाते को आधार से एन.पी.सी.आई. पोर्टल पर सीडिंग किया जाना आवश्यक है, जिसके लिए लाभार्थी द्वारा सम्बन्धित बैंक में आधार लिंक मोबाईल नम्बर और आधार व पासबुक ले जाकर बायोमेट्रिक ई-केवाईसी से आधार सीड कराया जा सकता है। जिसके लिए सभी बैंकों में विभाग द्वारा पेंशन योजना के लाभार्थियो की ई-केवाईसी कराने के निर्देश दिये गये हैं। ब्लाक एवं तहसील स्तर पर एडीओ/वीडीओ समाज कल्याण एवं सुपरवाईजर द्वारा भी लाभार्थियो को बैंक ले जाकर ई-केवाईसी कराई जा रही है।

श्री गुप्त ने लाभार्थियों से अपील की है कि आधार और मोबाईल नम्बर को बैंक खातों से लिंक कराने में सहयोग प्रदान करें ताकि आपको निर्बाध रूप से पेंशन का भुगतान होता रहे।

कभी सियासत में चलता था सिक्का, अब थम नहीं रहीं मुश्किलें, विवादित बयान पर फिर फंसे हाजी याकूब कुरैशी

मेरठ । एक वक्त था जब पूर्व मंत्री हाजी याकूब का सियासत में खूब सिक्का चला, लेकिन मेरठ-हापुड़ रोड की मीट फैक्टरी में पांच करोड़ का मीट पकड़े जाने के बाद वह अर्श से फर्श पर आ गिरे। हाजी याकूब से विवादों का पुराना नाता रहा है। वहीं अब एक और मामले में शासन से बड़ी कार्रवाई की गई है। डेनमार्क के कार्टूनिस्ट का सिर कलम करने पर 51 करोड़ के इनाम की घोषणा के मामले में पूर्व मंत्री याकूब कुरैशी की मुश्किल एक बार फिर बढ़ गई हैं। शासन ने इस मामले में चार्जशीट दाखिल करने की अनुमति दे दी है। अभी हाल ही में वह नौ माह बाद गैंगस्टर के मामले में जमानत पर जेल से बाहर आए थे।

पूर्व मंत्री याकूब कुरैशी ने 17 फरवरी 2006 को फैज-ए-आम इंटर कॉलेज में हुई सभा में यह विवादित बयान दिया था। भाजपा नेता और श्रम कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष सुनील भराला ने आठ अगस्त 2007 को देहली गेट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने इस मामले में चार्जशीट दाखिल करने के लिए शासन से अनुमति मांगी थी। शासन को केस डायरी भेजी गई थी। वहीं, केस डायरी गायब होने की वजह से शासन से अनुमति नहीं मिल पाई थी। पुलिस की ओर से दोबारा केस डायरी तैयार करते हुए शासन से अनुमति मांगी थी। सीओ कोतवाली अमित कुमार राय ने बताया कि शासन से चार्जशीट दाखिल करने की अनुमति मिल गई है। एक-दो दिन में चार्जशीट दाखिल कर दी जाएगी। इस मामले में पूर्व मंत्री जमानत पर हैं। मेरठ-हापुड़ रोड की मीट फैक्टरी में पांच करोड़ का मीट पकड़े जाने के बाद वांटेड पूर्व मंत्री हाजी याकूब का एक दौर में सियासत में खूब सिक्का चला। याकूब के पिता फईमुद्दीन कुरैशी कभी कबाड़ी बाजार के चौपले गुड़ का व्यापार करते थे। बाद में प्रापर्टी डीलिंग भी की और फिर मीट के कारोबार में आए तो सियासत में उतर गए। याकूब नगर निगम पार्षद, डिप्टी मेयर और प्रदेश सरकार में मंत्री रहे। हाजी याकूब ने नगर पालिका मेरठ के कमेले का ठेका लिया तो वर्ष 1995-96 में पार्षद चुने गए और फिर डिप्टी मेयर बन गए। 2002 की बसपा सरकार में याकूब का यह सफर राज्यमंत्री के पद तक पहुंचा। याकूब 2002 में बसपा से खरखौदा सीट से विधायक चुने गए। बसपा की सरकार बनी और हाजी याकूब राज्यमंत्री बनाए गए।

श्री गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन हेतु तैनात किये गये मजिस्ट्रेट

बहराइच । श्री गणेश प्रतिमाओं का 28 सितम्बर 2023 को गोलवाघाट एवं झिंगहाघाट में शान्तिपूर्ण विसर्जन को सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत जिला मजिस्ट्रेट मोनिका रानी द्वारा मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गयी है। नगर मजिस्ट्रेट व पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर को सम्पूर्ण नगर क्षेत्र में श्री गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन कार्यक्रम को शान्तिपूर्ण ढंग से सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने हेतु ओवरआल प्रभारी नामित किया गया है। इसी प्रकार समस्त उप जिला मजिस्ट्रेट अपने-अपने तहसील क्षेत्र में आवश्यकतानुसार अधीनस्थ अधिकारियों, कर्मचारियों की डयूटी लगाकर श्री गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन कार्यक्रम को सकुशल सम्पन्न करायेगें। जुलूस के दौरान पुलिस अधिकारियों से बराबर सम्पर्क रखते हुए शान्ति व्यवस्था बनाये रखेंगे। थाना कोतवाली नगर अन्तर्गत जिला कृषि अधिकारी सतीश कुमार पाण्डेय, जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर गुप्ता व जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी संजय मिश्रा को तैनात किया गया है। थाना कोतवाली देहात अन्तर्गत उपायुक्त उद्योग केशवराम वर्मा, जिला उद्यान अधिकारी दिनेश चौधरी व ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक मनोज कुमार उपाध्याय को तैनात किया गया है। थाना दरगाह शरीफ अन्तर्गत सहायक श्रमायुक्त सिद्धार्थ मोदियानी, गन्ना विकास निरीक्षक राजेश कुमार व दीपक वर्मा को दायित्व सौपा गया है। इसके अलावा विसर्जन स्थल झिंगहाघाट व उसके आस-पास के लिए उप जिला मजिस्ट्रेट सदर पूजा यादव, तहसीलदार सदर अभयराज पाण्डेय व अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद प्रमिता सिंह तथा गोलवाघाट व आस-पास के लिए तहसीलदार न्यायिक वशिष्ट कुमार वर्मा, डीपीआरओ राघवेन्द्र द्विवेदी व गन्ना विकास निरीक्षक राजेन्द्र प्रसाद को तैनात किया गया है।

कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले बख्शे नहीं जायेंगे-जिलाधिकारी

बहराइच ।ईद-ए-मिलाद (बारावफात) त्यौहार एवं श्री गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के अवसर पर शान्ति व्यवस्था के दृष्टिगत शनिवार को देर शाम कलेक्टेऊट सभागार में आयोजित जिला शान्ति समिति की बैठक को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी मोनिका रानी व पुलिस अधीक्षक प्रशान्त वर्मा ने मौजूद लोगों को शासन एवं जिला प्रशासन की गाईडलाइन की जानकारी देते हुए कार्यक्रम आयोजकों से अपील की कि निर्धारित समयावधि का पालन करते हुए परम्परागत ढंग से त्यौहार मनायें। डीएम व एसपी ने कहा कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले शराती तत्वों के विरूद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जायेगी। डीएम एसपी ने कहा कि आसन्न त्यौहारों के दौरान गुड पुलिसिंग के साथ-साथ शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिए ड्रोन कैमरे व सीसीटीवी से निगरानी भी की जाएगी। आमजन से अपील की गयी है कि मिलजुलकर हसी-खुशी त्यौहार मनायें।

डीएम मोनिका रानी ने कहा कि त्यौहार के अवसर पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति, जुलूस के मार्गो की समुचित साफ-सफाई तथा बेहतर जलापूर्ति इत्यादि सुनिश्चित करने के लिए सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दे दिये गये हैं। उन्होंने कहा कि बैठक में मौजूद लोगों की ओर से बिजली, पानी एवं साफ-सफाई इत्यादि के सम्बन्ध में जो सुझाव प्राप्त हुए उनका निराकरण समय से करा दिया जायेगा। उन्होंने बताया कि आसन्न त्यौहारों के अवसर पर निकलने वाले जुलूसों को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए व्यापक स्तर पर मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है जो प्रारम्भ से अन्त तक जुलूस के साथ मौजूद रहेंगे। डीएम ने वरिष्ठ नागरिकों से अपील की कि युवाओं को संयमित आचरण के लिए प्रेरित करें तथा सौहार्द पूर्ण वातावरण में त्यौहारों को सम्पन्न कराने में सहयोग प्रदान करें।

डीएम ने एसडीएम, सीओ व थानाध्यक्षों को निर्देश दिया कि विभिन्न स्तरो पर आयोजित होने वाली शान्ति समिति की बैठकें आयोजित कर लोगों गाईडलाइन की जानकारी दे दें। डीपीआरओ व नगर निकाय के अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों के जुलूस मार्गों तथा विसर्जन स्थलों की साफ-सफाई करा दें तथा विसर्जन स्थल पर जहां पानी गहरा हो वहां पर संकेतांक भी खड़े करवा दिये जाये। लोक निर्माण विभाग व विद्युत विभाग को निर्देश दिया गया कि सड़कों की मरम्मत करा दें तथा बिजली के तारो और खम्भों को देख लिया जाय जहां पर तार लटके हुए हों उन्हें दुरूस्त करा दें। बैठक को सम्बोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक प्रशान्त वर्मा ने कहा कि त्यौहार को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया जायेगा। उन्होंने बताया कि जुलूस मजिस्ट्रेटों के साथ भी पुलिस बल मौजूद रहेंगे। श्री वर्मा ने कहा कि प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है कोई समस्या नहीं आने दी जायेगी। परम्परागत ढ़ंग से चले कोई नई परम्परा न डालें और ऐसा कोई कार्य न करें जिससे किसी की भावना आहत हो। एसपी ने अफवाहों पर ध्यान न देते हुए आमजन से शान्तिपूर्ण माहौल में त्यौहार मनाये जाने की अपील की।

बैठक के दौरान राजेन्द्र गुप्ता, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष तेजे खॉ, कुलभूषण अरोड़ा, शमशाद अहमद एडवोकेट, इनायत उल्लाह, निशा शर्मा, राजीव निगम, रूमी मियां, दीपक सोनी दाऊ जी गुप्ता, ज़फर उल्लाह खां बन्टी, मौलाना मोईनुद्दीन कादरी, हरिश्चन्द्र गुप्त, मुन्ना सिंह, लड्डुन खां, परशुराम कुशवाहा सहित जरवल, रिसिया व कैसरगंज से आये हुए संम्रान्तजन सहित अन्य वक्ताओं द्वारा बिजली, पानी व साफ-सफाई के सम्बन्ध में सुझाव देते हुए आश्वस्त किया गया कि आसन्न त्यौहार भी पूर्व त्यौहारों की भांति आपसी भाई चारे के साथ मनाये जायेंगे।

बैठक का संचालन पुलिस अधीक्षक नगर कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने किया। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एस.के. सिंह, उप जिलाधिकारी सदर डॉ. पूजा यादव, पयागपुर के दिनेश कुमार, कैसरगंज के पंकज दीक्षित व महसी के राकेश कुमार मौर्या, पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर राजीव सिसोदिया, पयागपुर के आनन्द कुमार राय, कैसरगंज के कमलेश कुमार सिंह, महसी के जे.पी. त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी, जिले के उद्यमी, व्यापारी व अन्य संभ्रान्तजन मौजूद रहे।

परिजन सोते रहे, दो लाख के आभूषण चुरा ले गए चोर

मऊ। वार्ड नौ में एक नगरवासी के घर से शुक्रवार की रात चोर लाखों का सामान समेट ले गए। घटना के समय परिवार के सदस्य घर में ही गहरी नींद में सोए हुए थे। शनिवार की सुबह जब परिवार के लोग उठे है तो घटना की जानकारी हुई। पुलिस दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है। पूछताछ कर रही है। चिकैयाकोट थाना क्षेत्र के वार्ड 9 जोतपहाड़ मुहल्ला निवासी बृजवासी पटवा और परिवार प्रतिदिन की तरह शुक्रवार की रात भोजन करने के बाद सो गया। देर रात घर की छत के सहारे चोर घर के अंदर दाखिल हुए। एक कमरे में रखी आलमारी का ताला तोड़कर सोने का एक मांगटीका, एक चेन, एक अंगूठी, एक झुमका सहित करीब दो लाख मूल्य के आभूषण चुरा ले गए।जबकि उसी कमरे में परिवार के सदस्य सोए हुए थे।

भाभी से प्यार नहीं कुछ और था इरादा, घर से दूर लाकर किया कत्ल; पानी की टंकी में मिली लाश

मथुरा। मथुरा के बरसाने में दो दिन पूर्व कस्बे के बंद मकान में पानी की टंकी में क्षत विक्षत हालत में मिले शव की पहचान हो गई है। कमरे में मिले कागजातों के आधार पर किए गए फोन पर पति पहुंचा। उसने शव की पहचान पत्नी के रूप में की। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में देवर ने भाई को धोखा देकर भाभी से प्यार का नाटक किया। वो भाभी को अपने साथ मथुरा के बरसाना लेकर आया। यहां एक किराये के मकान में कमरा लेकर रहा। भाभी को प्यार के जाल में ऐसा फंसाया कि वो भी अपना अच्छा भला कुछ न सोच सकी। लेकिन ये प्यार नहीं देवर की साजिश थी, वो भी सरपंच चुनाव के लिए। भाभी गांव की सरपंच थी, लेकिन देवर को ये बात खटक रही थी। वो खुद सरपंच बनना चाहता था, इसलिए बेरहमी से भाभी की हत्या कर दी और खुद फरार हो गया।

ये बताया पति ने

जिला सतना के गांव गुढा थाना उचेहरा निवासी चूणामणि ने बताया कि पत्नी संता देवी जो वर्तमान में गांव की सरपंच थी, वह अपने फुफेरे देवर के साथ अप्रैल में चली गई थी। उचेहरा थाने में 9 अप्रैल 2023 को अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया। इसके कुछ दिन बाद वह घर लौट आई। फिर जुलाई में दोबारा चली गई। ऐसे में उचेहरा थाने में 16 जुलाई 2023 को अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया।

चुनाव निकली हत्या की वजह

थाना प्रभारी अरुण कुमार ने बताया कि मृत महिला की पहचान हो गई है। परिजनों के आरोप के आधार पर हत्या के आरोपी प्रदीप की तलाश की जा रही है। तहरीर मिलने पर केस दर्ज किया जाएगा। वहीं मृतका के परिजनों ने बताया कि रिश्ते के देवर ने सरपंची से हटाने के लिए प्रेम जाल में फंसाकर हत्या कर दी। महिला सीट होने के कारण उसकी पत्नी ने भी चुनाव लड़ने के लिए पर्चा भरा था। हालांकि बाद में उसने पर्चा वापस ले लिया था।

एमए व एमएससी प्रथम सेमेस्टर का कट ऑफ जारी

मिर्जापुर। नगर के केबी पीजी कॉलेज में एमए व एमएससी प्रथम सेमेस्टर सत्र 2023 24 के प्रवेश के लिए प्रथम प्रवेश वरीयता सूची का प्रकाशन शनिवार को कर दिया गया। प्रवेश 25 सितंबर से 30 सितंबर तक सुबह 11ः00 बजे से दोपहर 1ः30 बजे तक किया जाएगा। प्राचार्य डॉक्टर अशोक कुमार सिंह ने बताया कि हिंदी के लिए सामान्य वर्ग में 1497 से लेकर 1082 तक प्राप्तांक के छात्र प्रवेश ले सकते हैं।आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 1079 से 1052 तक, ओबीसी वर्ग में 1081 से 1012 तक तथा अनुसूचित जाति के लिए 1077 से 829 तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 1047 से 1020 तक के प्राप्तांक वाले छात्र प्रवेश ले सकते हैं। इसी प्रकार अंग्रेजी में सामान्य वर्ग में 1391 से 1102, सामान्य वर्ग आर्थिक रूप से कमजोर के लिए 1100 से लेकर 1049 तक, ओबीसी वर्ग में 1101 से 1059 तक तथा अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग के लिए 1058 से 894 तक की प्राप्तांक वाले छात्र अर्ह हैं। संस्कृत में जितने भी अर्ह आवेदक हैं, सभी प्रवेश ले सकते हैं। राजनीति शास्त्र में सामान्य वर्ग में 1404 से 1108, दिव्यांग श्रेणी में 1037, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग में 1092 से 991, ओबीसी में 1107 से 1047 तथा अनुसूचित जाति व जनजाति के 1051 से 984 तक के आवेदक प्रवेश ले सकते हैं। मध्यकालीन इतिहास में सभी अभ्यर्थी प्रवेश ले सकते हैं। प्राचीन इतिहास में सामान्य वर्ग में 1289 से 1005 तक, आर्थिक कमजोर वर्ग में 893 तक, ओबीसी वर्ग में 1001 से 594 तक तथा अनुसूचित जाति में 993 से 634 तथा अनुसूचित जनजाति से 962 से लेकर 916 तक के प्राप्तांक वाले अभ्यर्थी शामिल है। समाजशास्त्र विषय में सामान्य वर्ग में 1381 से 1054, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग में 1045 से 939, ओबीसी वर्ग में 1051 से 978, अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग में 1049 से 645 के अभ्यर्थी अर्ह हैं। शिक्षा शास्त्र विषय में सामान्य वर्ग में 1273 से 1122, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग में 1015 से 992, ओबीसी वर्ग में 1121 से 980 तथा अनुसूचित जाति जनजाति वर्ग में 1096 से 845 प्राप्तांक के अभ्यर्थी प्रवेश ले सकते हैं।

जिले के 322 वृद्धजनों को मिली 2036 सहायक उपकरणों की सौगात

○ वृद्धजनों के जीवन में नई चेतना जागृत करने में सफल रहा शिविर

बहराइच संवाददाता

बहराइच । भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय अन्तर्गत दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग क तत्वावधान में सम्पूर्ण भारत में एक साथ 74 स्थानों पर सामाजिक अधिकारिता शिविर आयोजन की कड़ी में समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केन्द्र (सीआरसी) लखनऊ), सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार तथा जिला प्रशासन बहराइच के संयुक्त तत्वावधान में स्व. ठाकुर हुकुम सिंह किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय के जे.बी. सिंह सभागार में आयोजित मेगा सहायक उपकरण वितरण शिविर का सदर विधायक श्रीमती अनुपमा जायसवाल ने दीप प्रज्जवलित कर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी दिखाया गया।

शिविर के दौरान एलिम्को, कानपुर द्वारा चिन्हित 322 वृद्धजनों को मुख्य अतिथि विधायक सदर श्रीमती अनुपमा जायसवाल व विशिष्ट अतिथि ब्लाक प्रमुख शिवम जायसवाल ने अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ भारत सरकार की राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अन्तर्गत 2036 उपस्कर उपकरण व्हीलचेयर, कान की मशीन, छड़ी, बत्तीसी, सिलिकान पैड, मोडिफाइड कमोड चेयर तथा लम्बर सपोर्ट का वितरण किया गया। कार्यक्रम स्थल तक वृद्धजनों के आने-जाने में सुगम्यताएं के दृष्टिगत सम्बन्धित ब्लाकों से बसों की व्यवस्थाएं की गई हैं। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्रीमती जायसवाल ने कहा कि मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में निरन्तर दिव्यांगजनों एवं वृद्धजनों हेतु अनेकों कल्याणकारी योजनाएं धरातल पर उतारी जा रही है तथा दिव्यांगजनों के साथ-साथ वृद्धजनों को स्वावलम्बी बनाने हेतु अन्तिम पाएदान तक योजनाओं को पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। श्रीमती जायसवाल ने कहा कि मा. प्रधानमंत्री व प्रदेश के मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व केन्द्र व राज्य सरकार सबका साथ सबका विकास और सबका प्रयास के दिव्य मंत्र के साथ निरन्तर आगे बढ़ रही है और भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की तरफ अग्रसरित है। आज जनपद के चिन्हांकित वृद्धजनों को यह उपस्कर/उपकरण प्रदान कर सरकार उनके जीवन में नई चेतना जाग्रत कर रही है।इस अवसर पर दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग भारत सरकार के उप सचिव विनेश पचनन्दा, प्रशासनिक अधिकारी सीआरसी लखनऊ जी. शंकर गणेश, प्राचार्य के डीसी डॉ विनय सक्सेना, पीडीडीआरडीए राजकुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर, दिव्यांगजन सशक्तिकरण वी.पी. सत्यार्थी व अन्य अधिकारी पुर्नवास अधिकारी मुकलेश कुमार, प्रशिक्षक सीआरसी लखनऊ विकास मिश्रा कार्यालय सहायक नागाराजी डी विशेष शिक्षक कुमार भरत भूषण सहित अन्य गणमान्य एवं संभ्रान्तजन, समाजसेवी अजय सिंह उर्फ 'अज्जू' बड़ी संख्या में लाभार्थी व उनके परिवार के सदस्य तथा अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

त्रिगुट
मंगलवार 26 सितम्बर 2023

भाजपा सांसद विधूड़ी के बिगड़े बोल से भाजपा की किरकिरी ?

भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली से सांसद रमेश बिधूड़ी ने गुरुवार को लोकसभा में,बहुजन समाज पार्टी के सांसद कुमार दानिश अली के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया। रमेश बिधुड़ी ने जिन शब्दों का उपयोग संसद के अंदर किया है। वैसे शब्द गली मोहल्ले के गुंडे और गैंगस्टर लड़ाई के दौरान करते हैं।संसद में जब रमेश बिधूड़ी इस तरह के शब्दों से बसपा के सांसद दानिश अली को नवाज रहे थे। उस समय दो पूर्व केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद और डॉ हर्षवर्धन दोनों सदन के अंदर हंस रहे थे। सत्ता पक्ष की ओर से किसी भी मंत्री एवं सांसदों ने इस तरीके के शब्दों के उपयोग किए जाने पर विधूड़ी को रोकने का प्रयास नहीं किया। लोकसभा अध्यक्ष ने भी इस आपत्तिजनक भाषण के बाद रमेश विधुड़ी पर कोई कार्रवाई नहीं की। जब मामले ने तूल पकड़ा, तो उन्होंने भविष्य में इस तरह का कृत्य न करने की चेतावनी देकर मामले को रफा-दफा करने का प्रयास किया। लोकसभा के अंदर जिस तरह से रमेश बिधूड़ी ने अपशब्दों का प्रयोग करते हुए सांसद दानिश अली को सदन के अंदर धमकी दी है। वह आपराधिक श्रेणी में भी आती है। रमेश बिधूड़ी ने यह शब्द लोकसभा में सदन के अंदर बोले हैं। अतः सांसद को विशेषाधिकार होने के कारण उनके ऊपर कोई आपराधिक कार्रवाई, सदन के बाहर नहीं की जा सकती है। लोकसभा अध्यक्ष ने असंसदीय, अपशब्दों को संसद की कार्रवाई से बाहर निकाल दिया है।लोकसभा के अंदर हुई इस घटना की बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देश में हो रही है। संसद के अंदर एक मुसलमान सांसद को जिस तरह से भाजपा सांसद द्वारा अपमानित किया गया है। जिस तरह से उन्हें आतंकवादी और कई ऐसे शब्द बोले गए हैं, जो उनकी व्यक्तिगत प्रतिष्ठा और धार्मिक आस्था को चोट पहुंचाने वाले थे। संसद के अंदर एक धर्म विशेष के सांसद के साथ सत्ता पक्ष के सांसद का यह व्यवहार सारे देश ने लाइव देखा और सुना है। इसकी निंदा भी सारे देश में हो रही है। संसद के अंदर जब सांसद के साथ धार्मिक आधार पर इस तरीके का व्यवहार हो सकता है। उससे कहा जाता है,कि सदन से बाहर निकलो,हम तुम्हें देख लेंगे। ऐसी धमकी भाजपा सांसद द्वारा सदन के अंदर दिए जाने के बाद इसका असर भारतीय जनता पार्टी पर प्रत्यक्ष रूप से पडता हुआ दिख रहा है। सभी विपक्षी दलों ने इसकी कड़ी आलोचना की है।

सोशल मीडिया में बड़ी तेजी के साथ रमेश विधुड़ी का भाषण वायरल हो रहा है। जब मामले ने तूल पकड़ा, तो रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सदन के अंदर जिस तरीके से खेद जताया था, वह भी एक तरीके की औपचारिकता मानी जा रही है। नई संसद में चौथे दिन ही आजादी के अमृत काल के दौरान संसद की पवित्रता जिस तरह से भंग हुई है। उसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है। पिछले 75 वर्षों में संसद के अंदर किसी भी सांसद के ऐसे बिगड़े बोल कभी देखे- सुने नहीं गए। बिधूड़ी के बयान से नाराज कांग्रेस, एनसीपी, टीएमसी, सपा, बसपा सहित लगभग सभी विपक्षी दलों के सांसदों ने रमेश विधुड़ी का वीडियो लोकसभा अध्यक्ष को रीपोस्ट करके कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। वही दानिसा अली ने विशेष अधिकार समिति में रमेश बिधूड़ी का मामला भेजने की मांग की है। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष को लिखा, कि यदि उन्हें न्याय नहीं मिला, तो वह लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे देंगे। पिछले तीन दिनों से यह मामला बड़ी तेजी के साथ देशभर में सोशल मीडिया के माध्यम से वायरल हो रहा है। जब एक मुस्लिम सांसद को संसद के अंदर इस तरह की खुलेआम धमकी दी जा रही है। तो आम मुसलमान की हालत देश में कैसी होगी। इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। रमेश विधुड़ी ने जिस तरीके से अपशब्दों और धमकी का प्रयोग किया है।उसके बाद भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में आम आदमियों तक मे यह चर्चा होने लगी है,कि देश मे क्या हो रहा है।सत्ता पक्ष के सांसद यदि संसद के अंदर इस तरीके का व्यवहार कर रहे हैं। यह आम आदमी को चिंता मैं डाल रहा है। मुसलमान में भी इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक है।भारतीय जनता पार्टी के मुस्लिम नेताओं में भी इसकी बड़ी प्रतिक्रिया हुई है। हालाकि सब संभल कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने, रमेश बिधूड़ी से कहा कि ऐसी वाणी बोलिए,मन का आपा खोए, औरन को शीतल करें, आपन शीतल होय। राजनीतिक और सामाजिक विशेषज्ञों में भी विधूड़ी के बयान की बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है। सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें सबसे ज्यादा नुकसान भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को होता हुआ दिख रहा है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस की छवि पर विपरीत असर पडना तय है। सारी दुनिया में यह धारणा बनने लगी है, कि भारतीय जनता पार्टी धार्मिक उन्माद बढ़ाने वाली पार्टी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का संरक्षण भाजपा को प्राप्त है।पिछले कुछ दिनों से ब्रिटेन ओर भारत सरकार की बीच सिख आतंकवादियों को लेकर जो विवाद चल रहा है। मणिपुर में जो घटनाएं पिछले महीनो में और अभी भी हो रही हैं। एक धर्म विशेष के लोगों को भारत में जिस तरीके से पिछले कई वर्षों से प्रताड़ित किया जा रहा है। रमेश विधुड़ी के इस बयान से जो इमेज भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनी थी।उसको एक ही झटके में नुकसान पहुंचाने का काम रमेश बिधूड़ी जी ने कर दिया है। इसका असर आगामी चुनावों में किस तरह से होगा। इसको लेकर दो मत हो सकते हैं। संघ और उसके अनुवांशिक संगठन,भारतीय जनता पार्टी का मानना हो सकता है, कि धार्मिक धुर्वीकरण का लाभ उन्हें आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनाव में हो सकता है। वहीं आम आदमी जिस तरह से सामाजिक वेमनष्यताआपस में बढ़ती जा रही है। सामाजिक स्तर पर इसका विरोध भी शुरू हो गया है। किसी भी धर्म और संप्रदाय का व्यक्ति हो। वह शांति के साथ रहना चाहता है।

महंगाई बेरोजगारी के कारण लोगों का आम जीवन वैसे ही मुश्किल है।धार्मिक उन्माद के चलते लोगों का अब घरों में सुरक्षित रहना भी मुश्किल होता जा रहा है। हिंदू और मुस्लिम दोनों ही भयभीत और प्रताड़ित हो रहे हैं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा और इंडिया गठबंधन द्वारा जो अभी पहल हो रही है। उसका असर आम नागरिकों में पडता हुआ दिखने लगा है। अब लोग धर्म के स्थान पर महंगाई और बेरोजगारी की बात करने लगे हैं। रोजाना धार्मिक आधार पर वाद विवाद के स्थान पर, शांति के साथ रहने की बात कर रहे हैं। आर्थिक रूप से लोग विपन्न हो रहे हैं। लोगों की बचत खत्म हो गई है, परिवार पर कर्ज का बोझ बढ़ गया है। ऐसे समय में लोगों को अब अच्छे दिन, बहुत हुई महंगाई की मार, पेट्रोल के दाम कम करने,2 करोड़ बेरोजगारों को हर साल रोजगार देने और 15 लाख रुपए दिए जाने के जो वायदे किए गए थे। वह पिछले 9 साल में पूरे नहीं हुए। उल्टे महंगाई बढ़ गई।आम आदमी का जीवन और भी मुश्किल हो गया है।

कनाडा बदले भारत विरोधी नीति

प्रभुनाथ शुक्ल

भारत और कनाडा के रिश्ते तल्ख़ को चले हैं। जी-20 सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के बीच मुलाकात में कनाडा की धरती से संचालित भारत विरोधी गतिविधियों को बंद करने की नसीहत दी गयी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साफ तौर पर कह दिया था कि कनाडा को खालिस्तान जैसे आतंकी संगठन पर कठोर कदम उठाने होंगे। हमें लगता है भारत की नसीहत जस्टिन ट्रूडो को अच्छी नहीं लगी। सम्मेलन से वापस लौटने के बाद हरजीत सिंह निज्जर की हत्या का आरोप उन्होंने बगैर सबूत के भारत पर मढ़ दिया। हलाँकि भारत ने इससे साफ तौर से इनकार किया है। लेकिन यह कनाडा की राजनीतिक चाल है। जस्टिन सरकार कनाडा में रह रहे भारतीय मूल के सिख समुदाय की सहानुभूति लेना चाहती है। जबकि सच यह है कि सरकार अभी तक यह पता ही नहीं लगा पाई की निज्जर की हत्या क्यों और किसने की। इस मामले कनाडा जाँच आयोग क्यों नहीं बैठाता। भारत जैसे सहिष्णु राष्ट्र पर यह आरोप बगैर साक्ष्य के क्यों लगाती है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने इस मामले पर जल्दबाजी दिखाते हुए भारतीय राजनयिक को देश से निकल जाने का फरमान सुना दिया। लिहाजा भारत को भी ऐसा करना था, भारत ने भी कनाडा की डिप्लोमैट को देश छोड़ने का आदेश दे दिया। इस घटना के बाद से दोनों देशों के रिश्ते गर्म हो चले हैं। भारत आतंकवाद के खिलाफ हमेशा से दुनिया के मंच पर आवाज उठाता रहा है। वह संयुक्त राष्ट्र, जी-20 और दूसरे वैश्विक मंचों पर अपनी बात बेहद मजबूती से करता रहा है। क्योंकि आतंकवाद से वह स्वयं पीड़ित है। आतंकवाद की जितनी पीड़ा भारत झेल रहा है शायद दुनिया का कोई भी देश इस समस्या से ग्रसित हो। पाकिस्तान और कनाडा हमेशा से अलगाववादी संगठन खालिस्तान का समर्थन करता रहा है।

हरदीप सिंह निज्जर पंजाब का रहने वाला था। उसकी हत्या कनाडा में जून में हुई थी। जिस पर काफी प्रदर्शन हुआ था। कनाडा में इस मामले ने इतना तूल पकड़ा की प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को संसद में बयान देना पड़ा। अपनी सरकार को घिरता देख बड़ी चालाकी से हरदीप की हत्या का आरोप भारतीय एजेंटों पर मढ़ दिया। अगर यह मामला हद के पार जाता तो जस्टिन की कुर्सी फंस सकती थी। क्योंकि कनाडा में काफी संख्या में सिख समुदाय रहता है। वहां सिख समुदाय इतना मजबूत है कि वह सरकार बनाने और बिगड़ने की कूबत रखता है। जिसका नतीजा है कि कनाडाई पीएम अपना गला फंसता देखा तो हत्या का कलंक भारत के सिर पर मढ़ दिया। क्योंकि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से जी-20 मुलाक़ात में खालिस्तान का समर्थन करने वाले संगठन सिख फॉर जस्टिस के खिलाफ कठोर कदम उठाने की नसीहत दिया था। भारत और कनाडा के बीच तल्ख़ हुए सम्बन्ध का लाभ खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू उठाना चाहता है। कनाडा में उसने सिख फॉर जस्टिस संगठन बनाया है जो भारत में अलग से खालिस्तान देश बनाने की वकालत करता है। पन्नू ने हिंदुओं को कनाडा छोड़ने का फरमान सुनाया है। इसके अलावा भारतीय दूतावास को बंद करने की भी धमकी दी है। इससे साफ तौर पर जाहिर होता है कि पन्नू और कनाडा सरकार एक साथ मिलकर एक दिशा में काम कर रहे है। क्योंकि जस्टिन ट्रूडो को मालूम है कि खालिस्तानी आतंकवादी पन्नू और उसके संगठन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हैं तो उनके राजनीतिक भविष्य के लिए यह कदम अच्छा नहीं होगा। ऐसी हालत में अपनी कुर्सी बचाने के लिए वह आतंकी पन्नू से मिले हुए हैं। कनाडा में रह रहे सिखों की सुरक्षा की आड़ में वह सियासत का घिनौना खेल खेल रहे हैं। कनाडा और भारत के संबंध वैसे भी काफी पुराने हैं। लेकिन खालिस्तानी आतंकवादी संगठन सिख फॉर जस्टिस की तरफ से वहां भारत विरोधी हवा दिए जाने के बाद से भारत और कनाडा के संबंध नाजुक दौर से गुजर रहे हैं । त्र-20 का मंच ट्रूडो के लिए एक बेहतर अवसर हो सकता था, लेकिन उन्होंने इसे खो दिया । दुनिया का कोई भी देश अपनी संप्रभुता, एकता और अखंडता के खिलाफ उठने वाली आवाज को क्यों बर्दास्त करेगा। अगर भारत में पन्नू जैसे लोग वहीं हरकत कनाडा के खिलाफ करते तो उनकी प्रतिक्रिया क्या होती। भारत एक सक्षम राष्ट्र है। दुनिया में भारत की इमेज है यह कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को समझाने की बात नहीं है। इस बात को अच्छी तरह वह समझ रहे हैं। खालिस्तान संगठन का समर्थन तो अपने सियासी लाभ के लिए करना चाहते हैं, लेकिन भारत इस स्थिति को बर्दाश्त करने वाला नहीं है। जस्टिन ट्रूडो की तरफ से जो कदम उठाए गए हैं उसका असर निश्चित रूप से भारत और कनाडा के बीच होने वाले व्यापार पर पड़ेगा। दुनिया में भारत गुटनिरपेक्ष आंदोलन का हमेशा से अगुवा रहा है। वह हमेशा अलगाववाद नहीं शांति की बात करता रहा है। जबकि कनाडा नाटो का सदस्य रहा इसके बाद भी भारत ने कनाडा से संतुलन बनाए रखा। लेकिन हाल में कनाडा जिस तरह की गंदी नीति का परिचय दिया है उसका जवाब भारत में मुंहतोड़ देगा। कनाडा, रूस जैसा हमारा मित्र राष्ट्र नहीं रहा है। उसने कश्मीर में भी जनमत संग्रह का समर्थन किया था। इसके अलावा भारत ने जब 1974 और 1998 में परमाणु परीक्षण किया था तो कनाडा ने इसका विरोध किया था। भारत पर आर्थिक प्रतिबंध भी लगाया था। कनाडा और भारत के बीच रिश्तों में आए तनाव की मुख्य वजह सिख फॉर जस्टिस संगठन हैं। खालिस्तान की आड़ में आतंकी पन्नू भारत विरोधी गतिविधियां चलाता रहा है। कनाडा में आए दिन यह संगठन भारत के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। कनाडा में भारी संख्या में भारतीय मूल के लोग रहते हैं। जिसमें सिखों की आबादी अधिक है। हिन्दुओं को कनाडा छोड़ने का इसका बयान भी इसकी सोच को रेखांकित करता है। कनाडा और भारत के रिश्ते गर्म होने से दोनों देशों की आर्थिक गतिविधियों पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। जहां एक दूसरे का व्यापार प्रभावित होगा।

वहीं विनिवेश पर भी सीधा प्रभाव पड़ेगा। भारत और कनाडा ने एक दूसरे देशों में भारी पैसे का विनिवेश किया है। ऐसी स्थिति में दोनों देशों को रिश्तों की कड़वाहट का समाधान एक टेबल पर बैठकर निकालना होगा। कनाडा को हर हाल में समझना होगा कि भारत संप्रभु राष्ट्र है। वह विदेश की धरती पर अपने खिलाफ अलगाव की उठने वाली आवाज को बर्दाश्त नहीं करेगा। जस्टिन ट्रूडो को दोनों देशों के अहम रिश्ते को देखते हुए अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा का त्याग करना पड़ेगा। सिख फॉर जस्टिस संगठन पर लगाम कसनी पड़ेगी। कनाडा में भारी संख्या में भारतीय मूल के लोग वहां रहते हैं। काफी संख्या में वहां छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। इस तरह के माहौल में उनकी सुरक्षा का भी सवाल है। इस समस्या का हल कूटनीतिक तरीके से निकलना चाहिए।

नया इतिहास लिखती भारत की संसद

राकेश अचल

भारत की संसद रोज नया इतिहास लिखती है । इतिहास लेखन की गति बीते एक दशक में और तेज हो गयी है । जिस भारतीय संसद ने इतिहास पुरुष माननीय नरेंद्र मोदी की अगुवाई में दो रोज पहले नारी शक्ति वंदन का इतिहास लिखा उसी संसद में सरकारी पार्टी के एक सांसद ने संसदीय शब्दकोश में तमाम ऐसे सु-संस्कृत शब्द और जोड़ दिए जो बीते 75 साल में नहीं गढ़े गए थे । इस नए इतिहास लेखन के लिए सरकारी पार्टी और सरकारी पार्टी को भारत रत्न के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से अलंकृत किया जाना चाहिए। देश में नारी शक्ति वंदना की हुंकार भरने वाली भाजपा का असली चेहरा उन्ही की पार्टी के वरिष्ठ सांसद रमेश बिधूड़ी ने उजागर कर दिया। रमेश बिधूड़ी ने बिधूड़ी ने लोकसभा में चंद्रयान 3 की चर्चा के दौरान बसपा सांसद कुंवर दानिश अली के खिलाफ़ जिन संस्कृतनिष्ठ शब्दों का प्रयोग किया था उनका इस्तेमाल आजतक कभी नहीं किया गया । निश्चित तौर पर बिधूड़ी को ये शब्दावली और संस्कार भाजपा की मातृ-पितृ संस्था की किसी न किसी शाखा में ही मिले होंगे। एक तरह से बिधूड़ी ने अपनी पार्टी और पार्टी की माँ के संस्कारों का खुलासा कर दिया। साठ पार कर चुके बिधूड़ी कोई नए खिलाड़ी नहीं हैं जो गलती से फाउल कर जाएँ । वे भाजपा के तपोनिष्ठ,देवतुल्य कार्यकर्ता और नेता हैं।रमेश बिधूड़ी भारतीय संसद और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सदस्य हैं। अपने कॉलेज के दिनों से, वह राजनीति में सक्रिय रहे है। उन्होंने भाजपा को अपनी राजनीतिक पार्टी के रूप में चुना। वह दिल्ली राज्य में भाजपा के महासचिव थे। 2003-08 में वह बीजेपी दिल्ली के उपाध्यक्ष थे। बीजेपी ने उन्हें 2014 लोकसभा चुनाव में एमपी उम्मीदवार के लिए चुना था।बिधूड़ी ने इसी शब्दावली के आधार पर विधायक के रूप में लगातार तीन बार जीत हासिल की है। संसद के नए भवन की दीवारें बिधूड़ी की वाणी से गूँज रहीं है और अपने आपको धन्य अनुभव कर रहीं है। वहीं पुरानी संसद भवन खैर मना रहा है कि कम से कम उसके भीतर तो बिधूड़ी साहित्य के पंचम स्वर नहीं गूंजे। क्योंकि पुराने संसद भवन में इस देश का जो इतिहास लिखा गया उसकी भाषा रमेश बिधूड़ी की शब्दावली से रत्ती भर भी मेल नहीं खाता। उनकी भाषा की तुलना उनकी ही पार्टी के शीर्ष नेताओं की भाषा में की जा सकती है ,जो एक भद्र महिला को अतीत में जर्सी गाय कह चुके है। जिन्हें किसी की प्रेमिका पांच करोड़ की बारवाला नजर आती है ,जिन्हें एक महिला संसद की हंसी में राक्षसी की ध्वनियाँ अनुभव होती हैं।

सांसद बिधूड़ी ने कोई अपराध नहीं किया। भाजपा को तो उनका कृतज्ञ होना चाहिए कि बिधूड़ी ने पार्टी की लाज रख ली अन्यथा देश को कैसे पता चलता कि हमारे देश की सबसे ज्यादा सुसंस्कृत पार्टी की राष्ट्रभाषा कैसी है ? बिधूड़ी ने जिस शब्दावली का इस्तेमाल किया ,भाजपा के अधिकाँश सांसद भी शायद वैसी ही शब्दावली में संसद में बोलना चाहते होंगे किन्तु साहस नहीं जुटा पाए। भाजपा को बिधूड़ी को नोटिस देने के बजाय लोकसभा अध्यक्ष से कहकर इस वर्ष के सर्वश्रेष्ठ सांसद का पुरस्कार डीलाना चाहिए। वे डिजर्व करते हैं।

कानून के एक सामान्य छात्र के नाते मुझे पता है कि यदि बिधूड़ी जी ने जिन शब्दों और तेवरों का इस्तेमाल बसपा सांसद दानिश भाई के लिए किया है वो यदि संसद के भीतर न किया होता तो बिधूड़ी के खिलाफ आपराधिक मामला बनता । गैर जमानती बनता । उन्होंने दानिश भाई को सदन के बाहर देख लेने की बात कही । उन्होंने जो कुछ कहा उसका एक-एक शब्द मानहानिकारक है ,किन्तु सब कुछ उस संसद के भीतर हुआ है जिसके पास विशेषाधिकार हैं। लोकसभा अध्यक्ष के पास ऐसी कोई तकनीक ,ऐसा कोई डस्टर ,ऐसी कोई रबर नहीं है जिससे बिधूड़ी जी के स्वर्णशब्दों को मिटाया जा सके। वे संसद की कार्रवाई से कभी नहीं हट सकते । वे टीवी के कैमरों में कैद है। वे सोशल मीडिया की सम्पत्ति हैं। बिधूड़ी जी के शब्द अब भारतीय संसद की बौद्धिक सम्पदा हैं। वे 2024 में चुनकर आने वाले नए सांसदों कि प्रबोधन कक्षाओं में सुनाये जायेंगे ,ताकि नए सांसद सीख सकें कि उन्हें संसद में किस शब्दावली का इस्तेमाल करना है। देश कि सत्रहवीं लोकसभा का ये सौभाग्य है कि उसे ईश्वर के अवतार के रूप में श्री नरेंद्र मोदी मिले और उनके भक्त के रूप में रमेश बिधूड़ी। भाजपा ने बीते 43 साल में देश में कितने रमेश बिधूड़ी पैदा किये हैं ये शायद भाजपा को भी पता नहीं होगा। ये भाजपा की चाल,चरित्र और चेहरे में आ रही तब्दीली का प्रमाण है। भारत का लोकतंत्र भले ही अमृतकाल में आ चुका है किन्तु इसमें अभी भी तमाम विष मौजूद है । ये विष कम होने के बजाय अब बढ़ता ही जा रहा है । हमारे वैज्ञानिक देश को चंद्रयान पर बैठकर तारों के पार ले जाने में लगे हैं और हमारी सरकारी पार्टी के संसद देश को गर्त में ले जाने के लिए प्रयत्नशील हैं। वे अपनी कोशिशों में कामयाब होते दिखाई भी दे रहे हैं। इनकी कोशिशें किसी से छिपी नहीं है। भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती है कि जिन लोगों को जेलों में होना चाहिए वे आज संसद की शोभा बढ़ा रहे हैं और जिन्हें संसद में होना चाहिए वे जेलों में या जेलों के बाहर जमानत पर अपने घरों या अस्पतालों में पड़े हैं। देश के लोकतंत्र के इस दुर्भाग्य को कोई नहीं बदल सकता। क्योंकि भाजपा ने तो 2047 तक बिधूड़ी संस्कारों को जीवित रखने का एजेंडा बना रखा है ,अब ये लोकसभा अध्यक्ष को नहीं बल्कि देश को तय करना है कि उसे नयी संसद और देश कि तमाम विधानसभाओं में कितने बिधूड़ी चाहिए ? ये देश और इस देश कि तमाम पार्टियां बिधूडियों से भरी पड़ीं है। लेकिन सबसे ज्यादा बिधूड़ी उसी पार्टी में होते हैं जिसके सबसे ज्यादा सांसद हों। जाहिर है कि इस समय भाजपा के पास सबसे ज्यादा सांसद हैं ,इसलिए बिधूड़ी ब्रांड के सबसे ज्यादा संसद भी भाजपा के पास ही होंगे। संसद रेमश बिधूड़ी के व्यवहार और शब्दावली को लेकर न भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जी को शर्मिंदा होना चाहिए और न देश के प्रधानमंत्री जी को। उन्हें बिधूड़ी के व्यवहार के लिए देश से माफी मांगने की भी जरूरत नहीं है । बिधूड़ी ने वो सब किया जो उसकी पार्टी और उसके नेता चाहते थे। इसलिए उसका सम्मान किया जा ना चाहिये । जिसे बिधूड़ी -वार्ता पसंद नहीं है वो खुद संसद छोड़कर चला जाये ,अन्यथा अब तो संसद में सभी को ऐसी ही भाषा और ऐसे ही तेवरों का सामना करना पडेगा। ये देश की संसद कि नियति है। इसे बदला नहीं जा कसता। बदलने की कोशिश जरूर की जा सकती है। किन्तु कोशिश करेगा कौन ?

हम चम्बल के लोग भी बिधूड़ी के शब्दकोश के सामने अपने आपको बोना महसूस कर रहे है। अन्यथा अभी तक ये भ्रम चंबल वालों को था कि जो उनके पास है वो किसी के पास नहीं ,किन्तु अब पता चला कि उनके पास जो कसैले-कड़वे शब्द हैं उस मामले में बिधूड़ी मीलों आगे हैं। देश में बनने वाली वेब सीरीजों को भी अब बिधूड़ी शब्दावली की जरूरत पड़ सकती है। सदन में बैठने वाले सांसदों को मेरा सुझाव है कि वे जब भी सदन की कार्रवाई में हिस्सा लेने के लिए जब भी जाएँ कुछ रुई भी साथ ले जाएँ ताकि जब-जब बिधूड़ी पार्टी बोले तो वे कानों को संक्रमण से बचने के लिए अपने कानों में रुई के फाहे ठूंस सकें। सदन की और से भी सांसदों को मुफ्त में रुई मुहैया कराई जा सकती है। रुई मुहैया करना आसान काम है लेकिन बिधूडियों की जबान पर मुसीके बाँधना कठिन काम है।भाजपा सांसद रमेश बधूदि ने दरअसल अपनी पार्टी के अटल बिहारो बाजपेयी जैसे तमाम पुरोधाओं के प्रति श्रृद्धांजलि अर्पित की है।

उत्तम संयम धर्म

डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

स्पर्शन, रसना, घ्राण, नेत्र, कर्ण और मन पर नियंत्रण (दमन) करना इन्द्रिय-संयम है। पृथ्वीकाय, जलकाय, अग्निकाय, वायुकाय, वनस्पतिकाय और त्रसकाय जीवों की रक्षा करना प्राणी संयम है इन दोनों संयमों में इन्द्रिय संयम मुख्य है क्योंकि इन्द्रिय संयम प्राणी संयम का कारण है, इन्द्रिय संयम होने पर भी प्राणी संयम होता हैं, बिना इन्द्रिय संयम के प्राणी संयम नहीं हो सकता। इन्द्रियाँ बाह्य पदार्थों का ज्ञान कराने में कारण है, इस कारण तो वे आत्मा के लिये लाभदायक हैं क्योंकि संसारी आत्मा इन्द्रियों के बिना पदार्थों को जान नहीं सकता। पँचेन्द्रिय जीव की यदि नेत्र-इन्द्रिय बिगड़ जावे तो देखने की शक्ति रखने वाला भी आत्मा किसी वस्तु को देख नहीं सकता। परंतु इन्द्रियाँ अपने-अपने विषयों की ओर आत्मा तो आकृष्ट (खींच) करके पथभ्रष्ट कर देती हैं, आत्मविमुख करके आत्मा को अन्य सांसारिक भोगों में तन्मय कर देती हैं, मोहित करके विवेक शून्य कर डालती हैं, जिससे कि साँसारिक आत्मा बाह्य-दृष्टि बन कर अपने फँसने के लिये स्वयं कर्मजाल बनाया करता है। इन्द्रियों का यह कार्य आत्मा के लिये दुख दायक है। सारा सँसार इन्द्रियों का दास बना हुआ है। बड़े-बड़े बलवान योद्धा और विचारशील विद्वान भी इन्द्रियों के गुलाम बने हुए हैं, अपना अधिकतर समय इन्द्रियों को तृप्त करने में लगाया करते हैं।

हाथी कितना बलवान प्राणी है किंतु कामातुर होकर स्पर्शन इन्द्रियों को तृप्त करने के लिये मनुष्य के जाल में फँस जाता है।

हाथी पकड़ने वाले मनुष्य हाथियों के जाल में एक बहुत बड़ा गड्ढा खोदते हैं। उसको बहुत पतली लकड़ियों से पाटकर उस पर हरी घास फैला देता हैं और उसके ऊपर कागज की एक सुंदर हथिनी बनाकर खड़ी कर देते हैं। हाथी उस हाथिनी को सच्ची हथिनी समझकर कामातुर होकर उससे मैथुन करने के लिए उस गड्ढे की ओर झपटता है जिससे पतली लकड़ियाँ टूट जाती हैं और हाथी उस गड्ढे में गिर जाता है, वहाँ से निकल नहीं सकता तथा मनुष्यों द्वारा पकड़ लिया जाता है।

इस तरह स्पर्शन इन्द्रियों के वश में होकर कामातुर मनुष्य भी आत्म गौरव, धन, कीर्ति बल पराक्रम नष्ट भ्रष्ट करके सर्वस्व गँवा देते हैं, प्राण तक अर्पण कर देते हैं। रसना इन्द्रिय की लोलुपता में फँस कर अगाध जल में विचरण करने वाली मछली अपने प्राण दे बैठती है। मछलियाँ पकड़ने वाले लोहे के काँटे की नोक पर आटा या कोई खाने का अन्य पदार्थ लगाकर पानी में डाल देते हैं। मछली जैसे ही उसे खाने के लिए अपना मुख फाड़ती है कि तत्काल वह लोहे का काँटा उसके गले में फँस जाता है और मछली पकड़ में आ जाती है। इसी प्रकार रसना इन्द्रिय के वश में होकर मनुष्य भी अनेक तरह के स्वादिष्ट भोजन लोलुपी बन जाते हैं। उस समय उनका भक्ष्य अभक्ष्य पदार्थों का विवेक शिथिल हो जाता है, भोजन भट्ट बनकर अपनी धनहानि तथा शारीरिक हानि कर बैठते हैं। मद्य, माँस, मधु आदि पदार्थ रसना इन्द्रिय को प्रसन्न करने के लिए ही खाये पिये जाते हैं। बहुत से लोलुपी मनुष्य ऐसे ही खान-पान में अपना सर्वस्व स्वाहा कर देते हैं। संयमी व्रत-त्यागी पुरुष यदि रसना इन्द्रिय पर विजय प्राप्त न करे तो अपने समय को सुरक्षित नहीं रख सकता, वह अनशन, ऊनोदर, व्रतपरिसख्यान, रस परित्याग आदि तपों का ठीक समुचित आचरण नहीं कर सकता। इस कारण रसना इन्द्रिय का विषय भी स्पर्शन इन्द्रिय के समान महान् प्रबल है।

घ्राण इन्द्रिय के विषय में अचेत होकर भौंरा अपने प्राण खो बैठता है। भौंरा अपने डँक में बाँस मैं छेद कर देता है, किंतु कमल की सुगंधी का लोभी भ्रमर कमल में बंद होकर उसमें से बाहर निकलने के लिये कमल में डँक नहीं मारता। एक भौंरा दिन के समय खिले हुए कमल के फूल में जा बैठा और दिन भर उसकी सुगन्धों में मस्त रहकर वहीं पर बैठा रहा। सूर्यास्त होते समय जब कमल की खिली हुई पँखुड़ियों मुंदने लगीं तब भी भौंरा वहाँ से न उड़ा, यहाँ तक कि कमल मुकुलित हो गया और उसी कमल में कैद हो गया। फिर भी उसने कमल की गंध में मस्त रहकर उससे बाहर निकलने की कोशिश नहीं की, और कमल के भीतर बैठा हुआ विचारने लगा कि-

रात्रिर्गमिष्यति भविष्यति सुप्रभातं,
भस्वानुदेष्यति हसिष्यति पकंजश्रीः।
इत्थं विचियन्तयति कोशगते द्विरेफे,
का हंत हंत नलिर्नी गज उज्जहार।।

अर्थात्-कुछ समय पीछे रात बीत जायेगी, प्रभात हो जायेगा, तब पूर्व दिशा से सूर्य का उदय होगा, सूर्य उदय होते ही यह कमल भी खिलेगा। कमल के खिलते ही मैं यहाँ से उड़ जाऊँगा।

भौंरा ऐसा सोच ही रहा था कि जस तालाब में वह कमल का फूल था वहाँ पर एक हाथी पानी पीने के लिये आया। पानी पीकर हाथी ने उस कमल को अपनी सूँड द्वारा तोड़कर अपने मुख में रख लिया। इस तरह कमल की गंध का लोलुपी भौंरा जान से मारा गया।

मनुष्य भी नाक की इच्छा पूर्ण करने के लिये सुगंधित फूल, कपूर, तेल, इत्र आदि का प्रयोग किया करते थे।

वर्षा ऋतु में असंख्य पतंगे उत्पन्न होते हैं, और वे दीपक, लालटेन, बिजली का प्रकाश देखने के लिये दीपक, लालटेन या बिजली के लट्टू पर झपटते हैं और उसी की लौ में अथवा बल्ब के तपे हुए शीशे पर जल कर मर जाते हैं। नेत्र इन्द्रिय सदा सुंदर वस्तुएँ, अच्छे प्रकाश और खेल तमाशे देखना चाहती है। कानों को तृप्त करने के लिये हिरन सुरीले बाजों तथा गायन को सुनने के लिये शिकारी के हाथ पड़ जाता है। जो मनुष्य इन्द्रिय-विजयी होते हैं, वे इन्द्रियों से आत्महित का कार्य-ध्यान, अध्ययन, स्वाध्याय दर्शन, तीर्थयात्रा, परिश्रम आदि यथेष्ट काम लेते हैं। वे जिस तरह रईस लोग घोड़े पर सवारी करके घोड़े से मनमाना काम लेते हैं, जबकि इन्द्रिय लोलुपी मनुष्य इन्द्रियों की सेवा में लगे रहते हैं, जिस तरह सईस घोड़े की सेवा तो किया करता है किन्तु उसके ऊपर कभी सवारी नहीं कर पाता।

महाव्रती मुनि अपनी समस्त इन्द्रियों पर पूर्ण नियंत्रण रखते हैं, मन को उग्र नहीं होने देते। रागद्वेष के कीचड़ से बचाकर निर्मल रखते हैं तथा समस्त जीवों की रक्षा करते हैं। इस कारण उनके उत्तम संयम होता है। गृहस्थों को भी अधिक से अधिक जितना हो सके उतना अपनी इन्द्रियों पर अंकुश लगा कर त्रस स्थावर जीवों पर दया भाव का आचरण करते रहना चाहिए।

काय छहों प्रतिपाल, पंचेन्द्रिय मन वश करो
संयम रतन संभाल, विषय-चोर बहु फिरत हैं
उत्तम संयम गहू मन मेरे भव-भव के भाजे अघ तेरे
सुरग-नरक पशुगति में नाही, आलस हरन करन सुख ठाही
ठाही पृथ्वी जल आग मारुत, रुख त्रस करुना धरो
सपरसन रसना घ्रान नैना, कान मन सब वश करो
जिस बिना नहीं जिनराज सीझे, तू रुल्यो जग कीच में
इक घरी मत विसरो करी नित, आव जम मुख बीच में .
? ह्रीं उत्तम-संयम धर्मांगाय अर्घ्ं निर्वपामिति स्वाहा

निपाह से निपटने की चुनौती

योगेश कुमार गोयल

केरल में निपाह के बढ़ते खतरे को देखते हुए अन्य राज्यों को भी अलर्ट किया जा चुका है। दरअसल इस वायरस के बारे में कहा जा रहा है कि इस संक्रमण के कारण मृत्यु दर बहुत ज्यादा है। राज्य में सामने आए छह निपाह मरीजों में से दो की मौत चुकी है और केरल की स्वास्थ्य मंत्री के मुताबिक फिलहाल संक्रमित व्यक्तियों की सम्पर्क सूची में सैंकड़ों स्वास्थ्यकर्मियों सहित एक हजार से भी अधिक लोग हैं, जिनमें सैंकड़ों उच्च जोखिम वाली श्रेणी में हैं। निपाह संक्रमण के बारे में आईसीएमआर का कहना है कि कोविड में जहां मृत्युदर महज दो-तीन प्रतिशत थी, वहीं निपाह में संक्रमित लोगों की मृत्यु दर 40-70 प्रतिशत है। केरल में निपाह वायरस की जांच के लिए कुछ लोगों के सैंपल पुणे के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी) भेजे गए हैं और एनआईवी के सीरो सर्वे में पता चला है कि वायरस दूसरे राज्यों तक पहुंच रहा है। एनआईवी के वैज्ञानिकों को निपाह वायरस को लेकर दूसरे सीरो सर्वे में केरल सहित गोवा, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, तमिलनाडु, कर्नाटक, पुडुचेरी इत्यादि के चमगादड़ों में वायरस के खिलाफ एंटीबॉडी मिली हैं। केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक और पुडुचेरी में पहले भी एंटीबॉडी मिली थी। यही कारण है कि केरल सरकार के साथ-साथ केन्द्र सरकार भी निपाह के मामलों को लेकर सक्रिय है। दरअसल 2018 में केरल में यह बीमारी जो कहर बरपा चुकी है, वह खौफनाक मंजर एक बार फिर लोगों की आंखों के सामने आने लगा है। उस समय 23 संक्रमितों में से 21 की मौत हो गई थी लेकिन उसके बावजूद इन पांच वर्षों में 2019 और 2021 में भी इस संक्रमण का प्रकोप झेलने के बाद भी निपाह के उपचार के विकल्पों के मामलों में परिस्थितियां जस की तस हैं। आज भी इस बीमारी का कोई कारगर इलाज मौजूद नहीं है।

पहले जान लें कि निपाह आखिर है क्या और यह इतना खतरनाक क्यों माना जाता है? निपाह ऐसा वायरस है, जो चमगादड़, सुअर, कुत्तों, घोड़ों इत्यादि से फैलता है। 'फ्रूट बैट्स' अर्थात् फलाहारी चमगादड़ इस वायरस के वाहक होते हैं। यह बहुत तेजी से फैलने वाला खतरनाक संक्रमण है, जिसे तुरंत रोक पाना बहुत कठिन होता है। भारत में निपाह संक्रमण से औसत मृत्यु दर 75 फीसदी से भी अधिक रही है। इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग के पास निपाह संक्रमण को रोकने के लिए कोई खास पुख्ता इंतजाम नहीं हैं। ऐसे में सवाल यही है कि आखिर ऐसे क्या कारण हैं कि निपाह देश के पूर्ण साक्षर राज्य केरल में बार-बार दस्तक देने में सफल हो रहा है? पर्यावरणविदों का कहना है कि जून 2018 में केरल को निपाह मुक्त घोषित करने के बाद इतने कम अंतराल में इस वायरस के बार-बार सिर उठाने के पीछे सबसे प्रमुख कारक शहरीकरण है क्योंकि अंधाधुंध शहरीकरण के चलते मनुष्यों ने जंगलों को भी नहीं छोड़ा है और निपाह के लिए जिम्मेदार चमगादड़ों के रहने के लिए अब जंगल सीमित रह गए हैं। चमगादड़ों के निवास स्थान नष्ट होने से चमगादड़ तनावग्रस्त हो जाते हैं और भूखे रहते हैं, जिससे उनकी प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो जाती है और उनके भीतर वायरस का भार बढ़ जाता है, जो मूत्र और लार के जरिये बाहर आता है। इन्हीं के जरिये यह वायरस जानवरों तथा मनुष्यों में फैलता है। यह वायरस मुख्य रूप से टेरोपस जीस नामक नस्ल के चमगादड़ों के संक्रमण द्वारा फैलता है और बाद में महामारी का रूप धारण कर लेता है। ये चमगादड़ जिस पेड़ पर रहते हैं, वहां मूत्र और लार के जरिये इस वायरस को फैला देते हैं और फिर जो भी मनुष्य या जानवर जाने-अनजाने में उस पेड़ के फल खाता है, वह निपाह से संक्रमित हो जाता है। भारत के दक्षिणी राज्यों और विशेषकर केरल में तो यह 'फलभक्षी चमगादड़' बहुतायत में हैं, जो श्रीलंका तक फैले हैं। सबसे पहले निपाह वायरस का पता 1998 में मलेशिया में सुअर पालने वाले किसानों के बीच फैली महामारी के दौरान चला था। तब निपाह वायरस का पहला मामला मलेशिया के एक गांव कम्पुंग सुंगई निपाह में सामने आया था, जिसके बाद इसी गांव के नाम पर इस वायरस का नाम 'निपाह' रखा गया। उस समय इस बीमारी के वाहक सूअर बनते थे लेकिन उसके बाद जहां-जहां भी निपाह के मामले सामने आए, सुअरों के बजाय 'फ्रूट बैट' निपाह के सबसे बड़े वाहक बनकर सामने आए। पहली बार मलेशिया में इस बीमारी का पता चलने और सिंगापुर के भी इससे प्रभावित होने के दौरान पाया गया था कि निपाह वायरस से संक्रमित अधिकांश व्यक्ति बीमार सुअरों या उनके दूषित उत्तकों के सीधे सम्पर्क में आए थे लेकिन उसके बाद बांग्ला देश तथा भारत में निपाह के कारण महामारी फैलने का सबसे संभावित स्रोत चमगादड़ों के मूत्र व लार से संक्रमित फल अथवा इन संक्रमित फलों से निर्मित उत्पाद या ताड़ी का सेवन रहा। अन्य वायरस संक्रमणों के मुकाबले निपाह ज्यादा खतरनाक इसलिए माना जाता है क्योंकि इससे निपटने के लिए अब तक कोई वैक्सीन बनाने में सफलता नहीं मिली है अर्थात इसका कोई कारगर इलाज नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार निपाह इंसेफलाइटिस संक्रमण है, जो छह मात्र से बड़ी तेजी से पूरे शरीर में फैलता है। इसकी चपेट में आने वाला व्यक्ति 24-48 घंटे के भीतर कोमा में जा सकता है और ऐसी स्थिति होने पर रोगी के बचने की संभावना लगभग खत्म हो जाती है। इंसेफलाइटिस यानी दिमागी बुखार में सिरदर्द, तेज बुखार, सांस लेने में दिक्कत, सुस्ती, उलझन, याद्दाश्त कमजोर होना, चक्कर आना, भ्रम होना, मिर्गी आना और दौरे पड़ने जैसी शिकायत सामने आती हैं। निपाह वायरस बच्चों को सबसे पहले और आसानी से अपनी गिरफ्त में लेता है। पशुजनित यह बीमारी चमगादड़ों या सुअरों के जरिये मनुष्यों में फैलती है और यह दूषित भोजन तथा मनुष्य से मनुष्य के सम्पर्क से भी फैल सकती है। बचाव व रोकथाम ही निपाह संक्रमण का एकमात्र उपचार है। चूंकि अभी तक इस वायरस से बचने के लिए कोई वैक्सीन तैयार करने में सफलता नहीं मिली है, इसलिए निपाह संक्रमण को फैलने से रोकने का एकमात्र उपाय लोगों को इससे बचाव के उपायों की समुचित जानकारी देना और जागरूकता का व्यापक प्रचार-प्रसार ही है।

वाणी का शरीर पर प्रभाव

मानव शरीर में अनेक ग्रंथियां होती हैं, पियूष ग्रंथि मस्तिष्क में होती है, उससे 12 प्रकार के रस निकलते है, जो भावनाओं से विशेष प्रभावित होती हैं। जब व्यक्ति प्रसन्नचित होता है, तो इन ग्रन्थियों से विशेष प्रकार के रस बहने लगते है, जिससे शरीर पुष्ट होने लगता है, बुद्धि विकसित होती है, रक्त गति सामान्य रहती है। जब मनुष्य अधिक बोलता है, तो रक्त की गति असामान्य प्रभावित होती है। जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है, खून के थक्के बनने लगते है। इसी प्रकार क्रोध अधिक करने से खून का बहाव कम हो जाता है, खून जमने की शक्ति बढ़ जाने से मृत्यु भी संभव है। अपने जीवन में ज्यादा बोलना अभिशाप हो सकता है। अधिक बोलने से पाचन क्रिया पर गलत प्रभाव पड़ता है, शरीर की अधिक शक्ति खर्च होती है, पेट की माँसपेशियां खिचने लगती है, पाचन रस ग्रंथियों से नहीं निकलता, शरीर में विटामिन, खनिज तत्व एवं हार्मोन्स की कमी हो जाती है। शरीर रोगी हो जाता है, मानसिक दुर्बलता आ जाती है, स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है, याददाश्त कमजोर हो जाती है, अतःवाणी का प्रभाव शरीर पर पड़ता है। हर प्राणी को अपना जीवन झूठा, बनावटी, जोर जोर से बोलने वाला ना बना कर शांत चित बनाना चाहिए।

भारत का मान बढ़ाकर सिराज ने बेशर्म विषाक्त ट्रोलर्स के मुंह पर जड़ा तमाचा

निर्मल रानी

श्रीलंका की राजधानी कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में हुये एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में पिछले दिनों भारतीय क्रिकेट टीम ने इतिहास रच दिया। भारत ने श्रीलंका की पूरी टीम को केवल 50 रनों में समेट कर रख दिया और एशिया कप फ़ाइनल मैच 10 विकेट से जीत लिया। हालांकि भारत आठवीं बार एशिया का चैंपियन बना है परन्तु निश्चित रूप से 2023 के एशिया कप का भारत व श्रीलंका के मध्य खेला गया फ़ाइनल मैच इतिहास में दर्ज हो गया। भारतीय टीम की इस अभूतपूर्व विजय का सेहरा भारतीय क्रिकेट टीम के तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद सिराज के सिर रहा। मोहम्मद सिराज ने सात ओवर में मात्र 21 रन देकर श्री लंका के छह विकेट ले लिए। उन्होंने चार विकेट तो केवल एक ओवर में ही झटक लिये थे। इस फ़ाइनल मैच की एक विशेषता यह भी थी कि इसमें टॉस भी श्री लंका ने जीता, उसके बाद बल्लेबाज़ी का निर्णय भी लंका ने लिया। इतना ही नहीं बल्कि खेल का मैदान भी श्री लंका का ही था। उसके बावजूद इतनी शर्मनाक हार ? कहा जा रहा है कि अपने ही होम ग्राउंड में ऐसी ऐतिहासिक शिकस्त आज तक किसी भी टीम की नहीं हुई है। मोहम्मद सिराज ने अपनी तूफ़ानी गेंदबाज़ी से न केवल अपनी गुणवत्ता प्रमाणित की है बल्कि वे अब विश्व क्रिकेट के सबसे ख़तरनाक गेंदबाज़ों में भी शामिल हो गए हैं। वर्ल्ड कप से पहले भारत को इतनी बड़ी विजय मिलने से मोहम्मद सिराज और भारतीय टीम को भी विश्व कप के लिये भी एक बड़ी चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। पूरे विश्व का क्रिकेट जगत इस समय इस महान भारतीय तेज़ गेंदबाज़ पर नज़रें गड़ाये बैठा है। देश विदेश में इस समय क्रिकेट प्रेमी भारतीय टीम को मोहम्मद सिराज के रूप में मिले इस नायाब खिलाड़ी का गुणगान कर रहे हैं। बेशक भारत के प्रत्येक राष्ट्रवादी नागरिक को अपने इस महान खिलाड़ी पर गर्व है।

मोहम्मद सिराज का जन्म हैदराबाद के अत्यंत ग़रीब परिवार में हुआ। उनके पिता ऑटो टैक्सी ड्राइवर थे जबकि माँ दूसरे के घरों का काम कर अपने परिवार के पालन पोषण में सहभागी रहा करती थीं। ग़रीबी का यह आलम था कि क्रिकेट खेल की प्रतिभा होने के बावजूद उन्हें कभी क्रिकेट एकेडमी जाना तक नसीब नहीं हुआ। यहां तक कि सिराज के पास खेल अभ्यास हेतु स्टेडियम जाने तक का किराया नहीं होता था। जब इसी महान संस्कारवान खिलाड़ी को पिछले दिनों लंका में उसके अभूतपूर्व प्रदर्शन के लिये मैन ऑफ़ द मैच घोषित किया गया तो उसने इनाम में मिली राशि जो 5,000 यूएस डॉलर यानि लगभग सवा चार लाख रुपये बताई जा रही है, उसी समय श्रीलंका के ग्राउंड स्टाफ़ को भेंट कर दी। ऐसा करके भी सिराज ने देश का नाम रोशन किया। और विदेश की धरती पर भारत का डंका बजा दिया। परन्तु हमारे देश में संकीर्णतावादी, साम्प्रदायिकतावादी और बिकाऊ ट्रोलर्स जिन्हें मुसलमानों के नाम से ही नफ़रत करने की घुट्टी पिलाई जा चुकी है उन्होंने भारतीय टीम में शामिल होते ही मोहम्मद सिराज की प्रत्येक गतिविधियों पर नज़र रखनी शुरू कर दी थी। और सिराज की जो अदा इन समाज विभाजक अराजक तत्वों को नहीं भाती थी उसपर वह उसे ट्रोल भी करने लगते थे। वे यह भी नहीं सोचते थे कि एक खिलाड़ी पर मानसिक तौर से इन बातों का कितना दुष्प्रभाव पड़ सकता है जिसका असर उसके खेल पर भी पड़ सकता है ?

इसी वर्ष फ़रवरी में जब भारत व ऑस्ट्रेलिया के मध्य पहला टेस्ट मैच नागपुर के जामठा क्रिकेट स्टेडियम खेला जाना था उसी मुक़ाबले के लिये जब भारतीय क्रिकेट टीम नागपुर पहुंची तो होटल में प्रवेश करते समय टीम इंडिया के खिलाड़ी और टीम स्टाफ़ के स्वागत के लिये होटल कर्मचारियों ने खिलाड़ियों को तिलक लगाने की रस्म निभाई। यहाँ टीम के कई सदस्यों ने माथे पर तिलक लगवाने से मना कर दिया। इनमें मोहम्मद सिराज, उमरान मलिक, स्टाफ़ के सदस्य हरि प्रसाद मोहन तथा विक्रम राठौर जैसे लोगों ने किन्हीं कारणों से तिलक नहीं लगवाया। परन्तु पेशेवर ट्रोलर्स ने उस समय तिलक न लगवाने के लिये केवल उमरान मलिक और सिराज को ही निशाना बनाया और इनपर आरोप लगाया कि ये अपने धर्म के प्रति कट्टर हैं और वह स्वागत तिलक भी नहीं लगवा सकते हैं। परन्तु इनके मुंह से हरि प्रसाद मोहन तथा विक्रम राठौर के तिलक न लगवाने के बारे में एक शब्द भी न निकला ? हालांकि उसी समय इन विभाजनकारी ट्रोलर्स को आइना दिखने वाला वह वीडिओ भी लोगों ने शेयर कर डाला जिसमें उमरान मलिक और मोहम्मद सिराज के अलावा विक्रम राठौर और हरि प्रसाद मोहन भी तिलक लगाने से मना कर रहे हैं। इतना ही नहीं बल्कि विभाजनकारी ट्रोलर्स के जवाब में कई वास्तविक राष्ट्रवादियों ने उसी समय सिराज और उमरान की घातक बॉलिंग के वीडियो भी शेयर किए जिसमें ये दोनों खिलाड़ी भारतीय क्रिकेट टीम के लिए विकेट लेते नज़र आ रहे थे। ग़ौर तलब है कि हैदराबाद के सिराज जहां वनडे में दुनिया के नंबर वन गेंदबाज़ हैं तो कश्मीर के उमरान मलिक भी भारतीय क्रिकेट टीम के उभरते हुए सितारे हैं।

इसी तरह कुछ समय पूर्व सिराज ने अपनी एक फ़ोटो शेयर की थी जिसमें वे हज का लिबास पहने मक्का (सऊदी अरब) में उमरा करने के लिये गये हुये दिखाई दे रहे हैं। इस फ़ोटो को देखकर भी कट्टर ट्रोलर्स को खूब मिर्चें लगी थी। उन्होंने सिराज को कट्टरपंथी बताना शुरू कर दिया था। आश्चर्य है कि जब इसी भारतीय क्रिकेट टीम का कोई खिलाड़ी किसी विवादित व पाखंडी स्वयंभू बाबा के चरणों में जा बैठे या इसरो का वैज्ञानिक अपने मंदिर जाने की फ़ोटो शेयर करे तो यह लोग धार्मिक प्रवृति के कहे जाएँ परन्तु सिराज की उमरा करने की फ़ोटो इन्हें कट्टरपंथी नज़र आने लगे ? देश में कई बार कई घटनाओं में ऐसा देखा गया है जबकि राष्ट्र विभाजक इन्हीं साम्प्रदायिक तत्वों ने धर्म के आधार पर लोगों को निशाना बनाया है। यहाँ तक कि धर्म के आधार पर बलात्कारी, दंगाइयों व हत्यारों तक का पक्षपात करते अनेक बार दिखाई दिए हैं। निश्चित रूप से घृणा फैलाने के इसी मौजूदा वातावरण में अपनी तूफ़ानी गेंदबाज़ी से भारत का मान व सम्मान बढ़ाकर मोहम्मद सिराज ने बेशर्म विषाक्त ट्रोलर्स के मुंह पर ज़ोरदार तमाचा जड़ दिया है।

एक अहम सवाल क्या इस आरक्षण से जीत आरक्षित होगी... ?

ओम प्रकाश मेहता

यद्यपि अभी अगले लोकसभा चुनाव में करीब 200 दिवस की देरी है, लेकिन अपनी राजनीतिक संभावनाओं से डरे-सहमे राजनेताओं ने अपने राजनीतिक दांव खेलना शुरू कर दिए हैं, इसका ताजा उदाहरण देश पर पिछले 9 सालों से राज कर रहे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र भाई मोदी और भाजपा है, जिन्होंने देश की आधी आबादी को पूरा हक देने की कोशिश की है, उन्हें आरक्षण का झुनझुना पकड़ा कर। जबकि भाजपा सहित सभी दलों को यह पता है कि सिर्फ अगले 100 दिनों बाद मध्य प्रदेश सहित पांच राज्यों में विधानसभाओं के चुनाव होना है और उनके परिणाम ही देश की जनता के राजनीतिक मूड को स्पष्ट करेंगे, अगले महीने याने अक्टूबर के अंत या नवंबर के प्रारंभ में इन पांच राज्यों में विधानसभाओं के लिए वोट डाले जायेंगे। सबसे बड़े आश्चर्य व खेद की बात यह है कि आजादी के बाद देश में हुए डेढ़ दर्जन से अधिक चुनावों के बाद भी देश के राजनीतिक दल और उसके नेता देश के आम मतदाताओं को पिछली शताब्दी के छठे दशक का ही अज्ञानी व भोलाभाला मतदाता मानते हैं, इसीलिए पिछले 75 सालों में चुनाव प्रचार पद्धति में कोई समयानुसार फेरबदल नहीं किए गए। हम अनेक मामलों में चीन, अमेरिका, जापान, रूस जैसे महादेशों से सीख लेते हैं, किंतु हमारी चुनावी प्रक्रिया के बारे में आज तक हमने इन महान देशों से कोई प्रेरणा ग्रहण नहीं की। आज भी उसी पुरानी चुनाव प्रचार पद्धति पर यहां के चुनाव जीते-हारे जाते हैं और दल व उनके नेता पूर्णतः अवसरवादी बनाकर आम मतदाता का दिल जीतने की कोशिश करते हैं। यदि हम इसी संदर्भ में मौजूदा राजनीतिक हालातो पर चर्चा करें तो यह स्पष्ट नजर आ रहा है कि सत्तारुढ़ दल भाजपा तथा नरेंद्र मोदी सहित उसके वरिष्ठ नेता देश के आम वोटर का मनोविज्ञान पढ़ नहीं पा रहे हैं, वे देश की आधी आबादी अर्थात महिला मतदाताओं को अभी भी नासमझ और अज्ञानी मानते हैं, तभी तो देश की महिला मतदाताओं के सामने आरक्षण का झुनझुना बजाना शुरू किया है, हर आम मतदाता यह जानता है कि मोदी की इस महिला आरक्षण की घोषणा को मूर्त रूप तब तक नहीं दिया जा सकता, जब तक की इसके नियम, कायदे-कानून तय नहीं हो जाते, अर्थात चुनाव क्षेत्रों का चयन और महिला मतदाताओं की पूरी जानकारी हासिल नहीं कर ली जाती? अर्थात जनगणना और चुनाव क्षेत्र परिसीमन, इस प्रक्रिया को पूरी करने के मूल सिद्धांत है, कब परिसीमन कमेटी बनेगी, कब वह क्षेत्र का दौरा करने के साथ चुनाव क्षेत्र तय करेगी, कब जनगणना होगी, कब रिपोर्ट आएगी और कब उसे अमल में लाया जाएगा? यह कुछ भी फिलहाल तय नहीं है, फिर भी चौबीस के चुनाव के लिए आरक्षण का झुनझुना बजाना शुरू कर दिया गया है, अरे, वास्तविकता तो यह है कि महिला आरक्षण के पूर्व की यह प्रक्रियाएं अगले लोकसभा चुनावों के 5 साल बाद अर्थात 2029 तक भी पूरी हो जाए तो हम खुश नसीब होंगे, इतनी लंबी प्रक्रिया के बावजूद महिलाएं महिला आरक्षण के नाम पर राजनीतिक स्वार्थ सिद्धि शेखचिल्ली के सपने से अधिक क्या हो सकती है? फिर जहां तक लोकसभा व राज्य विधानसभा चुनाव में महिलाओं के आरक्षण का सवाल है, यह कानूनी प्रक्रियाओं से भी जुड़ा है, इसके लिए सबसे पहले संसद के दोनों सदनों से प्रस्ताव पारित करवा कर, संविधान संशोधन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी, यह महिला आरक्षण का मामला पिछले 60 सालों अर्थात 1960 से जारी है, तत्कालीन सरकारों ने प्रयास भी किये, किंतु यह संसद के दोनों सदनों से पारित नहीं हो पाया और यह प्रस्ताव आज तक लंबित हैं, अब मोदी जी ने फिर यह मसला उठाया है और इसका बिल संसद के दोनों सदनों से पारित भी हो जाएगा, पर यह लागू कब से होगा? इसी सवाल पर सबकी नज़रें हैं। अब जो भी हो, कितनी ही कानूनी प्रक्रियाएं क्यों ना हो जब मोदी जी ने ठान ही लिया है तो वैसे मुहूर्त रूप तो देंगे ही, किंतु यहां अहम सवाल यही है कि क्या स्वयं मोदी जी अपने इस प्रस्ताव का राजनीतिक लाभ उठा पाएंगे या अन्य अच्छे कामों की तरह यह फिसला भी दूसरों के ही काम आएगा? साथ ही यह भी सवाल है कि क्या देश की महिला मतदाता मोदी जी के इस भावी राजनीतिक कदम से प्रभावित होकर मौजूदा माहौल में उनका साथ देगी?

उदासीन सम्प्रदाय के संस्थापक श्रीचंद जी महाराज

महंत दुर्गा दास उदासीन

श्री श्रीचंद उदासीन सम्प्रदाय के संस्थापक थे। वे शिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव के ज्येष्ठ पुत्र थे। श्री श्रीचंद जी महाराज जी ने बहुत कम उम्र में योग की तकनीकों में महारत हासिल कर ली थी। वह अपने पिता, बाबा नानक के प्रति जीवन भर समर्पित रहे और उदासीन सम्प्रदाय की स्थापना की। उन्होंने विश्व भ्रमण की और गुरु नानक के बारे में जागरूकता फैलाई। बाबा श्रीचंद जी को भगवान शिव का अवतार भी माना जाता है। उन्होंने आजीवन सनातन धर्म का प्रचार प्रसार किया। बाबा श्रीचंद लुप्तप्राय उदासीन संप्रदाय के पुनः प्रवर्तक आचार्य है। उदासीन गुरुपरंपरा में उनका 165 वाँ स्थान है। उनकी आविर्भावतिथि संवत 1551 भादपद शुक्ला नवमी तथा अंतर्धाननिथि संवत् 1700 श्रावण शुक्ला पंचमी है। उन्होंने श्रीनगर कश्मीर के गुरू अविनाशी मुनि से दीक्षा ली। यह गांव चोरकिनार के नाम से प्रसिद्ध है। बाबा श्रीचंद के प्रमुख शिष्य श्री बालहास, अलमस्त, पुष्पदेव, गोविन्ददेव, गुरुदत्त भगवद्दत्त, कर्तारीय, कमलासनादि मुनि थे। बाबा श्रीचंद के नाम से बटाला के समीप गांव नानक चक्क स्थित है। इस स्थान पर बाबा श्रीचंद जी ने काफी समय व्यतीत किया। यह गद्दी उदासीन अखाड़ा संगल वाला अमृतसर के अधीन है। बाबा श्री चंद जी द्वारा जिस स्थान पर भक्ती की गई थी, अब उस स्थान पर तपोस्थान बाबा श्री चंद जी का गुरुद्वारा टाहली साहिब संगत की तरफ से स्थापित किया गया है। बताया जाता है कि इस स्थान पर बाबा श्री चंद जी महाराज जी ने 1635 में यहां आकर तपस्या की थी व यहां पर धूनी रमाई थी। तभी से ही श्रद्धालुओं की तरफ से यहां बाबा जी का धूना रमाया हुआ है। सदियों से ही उस स्थान पर टाहली का पेड़ सुशोभित है। बाबा श्रीचंद का जन्म पंजाब के कपूरथला जिला के सुल्तानपुर लोधी में हुवा था। उनका माता का नाम सुलखनी था। गुरु नानक विश्व भ्रमण के लिए निकले, बाबा श्री चंद की माँ, माता सुलखानी उन्हें और उनके छोटे भाई, लखमी दास को रावी नदी किनारे पर पाखोके रंधावे में अपने माता-पिता के घर ले गई। जन्म के समय उनके शरीर पर विभूति की एक पतली परत तथा कानों में मांस के कुंडल बने थे। अतः लोग उन्हें भगवान शिव का अवतार मानने लगे। जिस अवस्था में अन्य बालक खेलकूद में व्यस्त रहते हैं, उस समय बाबा श्रीचंद गहन वन के एकांत में समाधि लगाकर बैठ जाते थे।

उनकी आध्यात्मिक शिक्षा पूरा करने के लिए, गुरु नानक देव जी ने बाबाजी को पंडित परषोत्तम दास कौल के स्कूल में पढ़ने के लिए श्रीनगर भेजा। उन्होंने अपनी कक्षा में हमेशा अव्वल रहे। वे इतने अच्छे छात्र थे कि वे प्रसिद्ध सोम नाथ त्रिपाठी को शास्त्र शास्त्रार्थ में पराजित करने में सफल रहे। बाबा श्रीचंद जी अपनी युवावस्था में ढाई वर्ष श्रीनगर में रहे। श्रीचंद जी ने बहुत छोटी उम्र में ही योग के तरीकों में महारथ हासिल कर लिए थे। कुछ बड़े होने पर वे देश भ्रमण को निकल पड़े। उन्होंने अपने शिष्यों के गृहस्थ जीवन को त्याग कर तिब्बत, कश्मीर, सिन्ध, काबुल, कंधार, बलूचिस्थान, अफगानिस्तान, गुजरात, पुरी, कटक, गया आदि स्थानों पर जाकर साधु-संतों के दर्शन किये। वे जहां जाते, वहां अपनी वाणी एवं चमत्कारों से दीन-दुखियों के कष्टों का निवारण करते थे। वे अपने पिता गुरु नानक के प्रति हमेशा समर्पित रहे तथा उन्होंने उदासीन सम्प्रदाय की नीव रखी। उन्होंने दूर-दूर तक यात्रा की और गुरु नानक के बारे में जागरूकता फैल गई। बाबा श्रीचंद की मृत्यु माघ सदी में 13 जनवरी 1629 को किरतपुर में हुई। उदासीन सम्प्रदाय परम्पराओं का मानना है की बाबा श्रीचंद कभी मर नहीं सकते। वे चम्बा के जंगल में गायब हो गए। बाबा श्रीचंद के अदृश्य होने के बाद बाबा गुरदित्ता उदासीन सम्प्रदाय के प्रमुख उत्तराधिकारी बने। उदासी, जो कि संस्कृत के 'उदास' शब्द से आया है, इसका अर्थ है- 'परित्याग करना' या 'वैराग्य लेना'। उदासी सम्प्रदाय सिक्ख धर्म के सम्प्रदायों में से एक है। उदासी सम्प्रदाय का आरम्भ 1439 ई. में हुआ था। इसके प्रवर्तक नानक के पुत्र श्रीचन्द्र थे। सिक्खों के मुख्य रूप से दो सम्प्रदाय हैं- 'सहिजधारी' और 'सिंह'। सहिजधारियों एवं सिंहों के भी कई उप-सम्प्रदाय हैं। गुरु नानक के बाद जहाँ सिखों के दूसरे गुरु अंगद देव जी ने सिख धर्म का प्रचार-प्रसार किया, वहीं बाबा श्रीचंद ने उदासी संप्रदाय का। चौथे गुरु अमरदास का स्पष्ट कहना था कि सिख धर्म और उदासी संप्रदाय दोनों अलग-अलग है। इसीलिए, सिख धर्म के भी उदासी और गृहस्थ - इन दो भागों में बँट गया था। गृहस्थों में भी अमृतधारी और सहजधारी गुट थे।

उदासी पंथ के लोग बाल कटवाते हैं और उन्हें दाढ़ी बनाने की इजाज़त होती है। छठे सिक्ख गुरु हरगोबिन्द सिंह के बड़े पुत्र बाबा गुरुदित्ता के नेतृत्व में इस संप्रदाय ने सिक्खों के गृहक्षेत्र पंजाब के उत्तर और पूर्व में धर्म प्रचारक का कार्य किया। उन्होंने 'खालसा' के प्रतीक पांच ककार- 'केश', 'कंघा', 'कृपाण', 'कच्छा' और 'कड़ा'- को नहीं अपनाया। उदासी पंथ के अनुयायियों का अमृतसर, पंजाब में प्रमुख सिक्ख मंदिर, स्वर्ण मंदिर (हरमंदिर) के बगल में अपना अलग मंदिर है। एक बार बाबा श्रीचंद जी विश्व भ्रमण करते-करते गांव कोटली कादराबाद पहुंचे। इनके साथ भक्त भाई कमलिया जी भी थे। बाबा श्री चंद जी ने भाई कमलिया जी को गांव भिक्षा मांगने के लिए गांव भेजा व खुद गांव के बाहर धुनी लगाकर बैठ गए। भाई कमलिया जी पूरे गांव घूमे, लेकिन किसी भी गांव वासी ने उन्हें भिक्षा नहीं दी, उल्टा कहा कि पता नहीं कहां-कहां से साधु चले आते हैं। यह बात सुनने के बाद बाबा श्रीचंद जी ने पूरे गांव को थेह [नाश] होने का श्राप देकर समीप के गांव चले गए। तब से लेकर लगभग सैंकड़ों वर्षों तक वहां पर कोई भी आदमी अपना घर नहीं बना सका। अगर कोई भी इमारत तैयार करता था तो वह रात्रि के समय ही ढह जाती। इसके बाद वे पास के गांव गए जिसका नाम नानक चक्क पड़ा। वहां पर बाबा जी ने अपनी धुनी लगाई व भाई कमलिया जी को दोबारा भिक्षा मांगने हेतु गांव भेजा। गांव की एक महिला जो कि काफी वृद्ध अवस्था में थी उसके पास अपने खाने हेतु चार रोटियां पड़ी थी उसने वही रोटियां भाई कमलिया जी को दे दी। भाई कमलिया जी रोटियां लेकर बाबा श्रीचंद जी के पास पहुंचे, उनके साथ वृद्ध माता भी थी। बाबा श्रीचंद जी ने माता से उनका नाम पूछा तो अपना नाम हरोदेवी बताया। श्रीचंद जी ने उन्हें वर दिया माता हरी भरी रहो तो माता ने हाथ जोड़ कर बाबा जी से कहा कि महाराज मेरे कोई औलाद नहीं है। इसलिए मेरा वंश आगे नहीं हैं, आपने मुझे यह वर देकर मुझे असमंजस में डाल दिया है। माता हरो देवी ने श्रीचंद जी से कहा अपने जो गांव कोटली कादराबाद को थेह होने का वर दिया है आप उसे दोबारा आबाद होने का वर दें। बाबा चंद जी ने ने दोबारा गांव को आबाद होने का वर दिया। उनके अवतरण दिवस पर उदासीन आश्रम के मुख्यालय प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन, नासिक, अमृतसर कुरूक्षेत्र, अयोध्या, वाराणसी, गयाजी, मुंगेर, जमालपुर सहित पूरे भारत के आश्रमों में विदेशों में रहे अनुयायी श्रद्धापूर्वक उन्हें अवतरण दिवस पर याद करते हैं।

बेटी, तुम अपने पिता की परी हो

डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

जैसा कि नाम से ही पता चल रहा है, डॉटर्स डे बेटियों के लिए खास दिन है। दुनिया के अलग-अलग देशों में यह दिन अलग-अलग महीनों में मनाया जाता है लेकिन भारत में हम सितंबर के आखिरी रविवार को यह दिन मनाते हैं। अब सवाल यह उठता है कि इस दिन की शुरुआत कैसे हुई? बच्चे ईश्वर का आशीर्वाद होते हैं, चाहे वह बेटी हो या बेटा। उनके हमारे जीवन में होने की खुशी को हर दिन मनाना चाहिए लेकिन और भी अच्छा है कि हम एक खास दिन उनके लिए समर्पित करें। बेटियों के लिए खास दिन की जरूरत इसलिए हुई क्योंकि हमारे समाज में आज भी बेटियों को कमतर आंका जाता है। इसलिए कुछ देश की सरकारों ने समानता को बढ़ावा देने के लिए यह कदम उठाया। सरकार की नजर में हर इंसान बराबर है और लोगों को भी इस बात के लिए जागरूक करना जरूरी था। धीरे-धीरे डॉटर्स डे मनाने का ट्रेंड बढ़ा और इससे यह बात सामने आती है कि वक्त बदल रहा है। लोग बेटियों के होने की खुशी को सेलिब्रेट कर रहे हैं और परिवार के लोग बेटियों के साथ मिलकर इस दिन को एंजॉय करते हैं। संडे को यह दिन होने का महत्व इसलिए भी है क्योंकि छुट्टी होने के चलते बेटियों को पैरेंट्स के साथ अच्छा वक्त बिताने का मौका मिलता है। तो आज के दिन आप भी अपनी बेटी को यह अहसास करा सकते हैं कि बेटियां आपके लिए कितनी महत्वपूर्ण हैं। अगर आप बेटी के पिता हैं तो यह खबर आपके बेहद काम की है। एक स्टडी की मानें तो पिता के साथ बेटियों का करीबी रिश्ता उनको अकेलेपन से उबरने में मदद करता है।

एक नई स्टडी के मुताबिक लड़कियां जब पहले ग्रेड से पांचवें ग्रेड तक पहुंची तो वह धीरे-धीरे अकेला महसूस करना कम कर देती हैं लेकिन उन लड़कियों में अकेलापन और जल्दी घटता पाया गया जो अपने पिता के काफी करीब थीं। स्टडी के को-ऑथर शिन फेंग बताते हैं, पिता और बेटी के बीच बॉन्ड बेहद अहम है। हमें यह पता चला कि पिता और बेटी के बीच नजदीकी से बेटियां सुरक्षित महसूस करती हैं और अकेलेपन से जल्दी उबरती हैं। मैं आपको जीवन की सबसे बड़ी चीजों की कामना करता हूं। यदि आप इसे सपना देखते हैं और इसके लिए प्रयास करते हैं, तो मेरी बेटी, आप इसे प्राप्त कर सकते हैं। प्रिय बेटी, आप सबसे खूबसूरत उपहारों में से एक हैं जो इस दुनिया ने मुझे दिया है। मैं आपके लिए एक अच्छा उदाहरण बनने की प्रार्थना करता हूं। मेरी बेटी, तुमने मुझे एक गर्वित पिता / माँ बना दिया है! मैं आपको अनंत आशीर्वाद और समृद्धि की कामना करता हूं! प्रिय बेटी, आपकी माँ आपकी सबसे बड़ी प्रशंसक, आपकी सबसे बड़ी सहयोगी और अंत तक आपकी रक्षक है। प्रिय बेटी, अपनी पिछली यादों, वर्तमान क्षणों और अपने भविष्य की आशाओं को संजोए रखें। आपकी मुस्कुराहट मुझे मुस्कुरा देती है, आपकी हंसी मुझे हंस देती है, और आपकी खुशी मुझे खुशी देती है। तुम एक फूल की तरह हो। आप दुनिया को सुंदरता से भर देते हैं। धन्य रहें और बुरी नजरों से सुरक्षित रहें! मेरी बेटी, तुम अपने पिता की परी हो। मेरे प्रिय, यह तुम हो जिसने हमारे जीवन को उज्ज्वल किया है। आप हमारी प्रार्थनाओं का जवाब हैं। हमेशा खुश रहो! प्रिय बेटी, आप अपने पिता और माता की राजकुमारी हैं। हम आपके समृद्ध और खुशहाल जीवन की कामना करते हैं! मैं आपके लिए हमेशा खुशी, शांति और आनंद की कामना करता हूं। मैं प्रार्थना करता हूं कि आपको एक ऐसा पति मिले जो आपकी देखभाल रानी की तरह करे। दुनिया आपको तोड़ने की कोशिश करेगी, मैं प्रार्थना करता हूं कि आपके पास हमेशा आगे बढ़ने की ताकत हो। हर गुजरते दिन के साथ अंदर से सुंदर बनने की कोशिश करें, जैसे आप बाहर के लिए करते हैं। हम आपकी सफलता और समृद्धि के लिए हमेशा प्रार्थना करेंगे मैं आपको जीवन की सबसे बड़ी चीजों की कामना करता हूं। यदि आप इसे सपना देखते हैं और इसके लिए प्रयास करते हैं, तो मेरी बेटी, आप इसे प्राप्त कर सकते हैं। काश आपको जीवन में हमेशा हर जगह प्यार और सम्मान मिले। जियो मेरी बेटी! अपने सपनों का पालन करें, हाँ आप अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। मेरी बेटी, तुम किसी बेटे से कम नहीं हो। मेरी इच्छा है कि आप अपने जीवन के हर क्षेत्र में सफल हों। जब भी मैं उदास होता हूं, मेरी बेटी, मैं सिर्फ तुम्हारे बारे में सोचता हूं, क्योंकि तुम्हारा मुस्कुराता चेहरा मेरे जीवन को रोशन करता है।

संक्षिप्त समाचार

पारिवारिक कलह से क्षुब्ध युवक ने शारदा सहायक नहर में लगाई छलांग

रायबरेली। जगतपुर कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार को घरेलू कलह से परेशान ने शारदा सहायक नहर में छलांग लगा दी। रविवार को उसका शव ऊंचाहार कोतवाली क्षेत्र में बरामद किया गया। परिजनों ने शव की शिनाख्त की। घर वालों में रोना पिटना मचा है। भदोखर थाना क्षेत्र के जनेसरा गांव के रहने वाले रवी (40) पुत्र जगदीश पारिवारिक कलह से परेशान रहता था। जगतपुर थाना क्षेत्र के अहिरन की डिग्गी के पास वह शारदा सहायक नहर में छलांग लगा दी। आसपास के लोगों ने सूचना पुलिस को दी। परिजन व पुलिस ने खोजबीन की गई, लेकिन कुछ पता नहीं चला। ऊंचाहार थाना क्षेत्र के मिर्जापुर ऐहारी टेल के पास शव बरामद किया गया। मृतक की पत्नी ज्ञानवती व बेटे धीरज ने मौके पर पहुंचकर उसकी शिनाख्त की। थानेदार श्याम कुमार पाल ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

गाजियाबाद से पहुंचे बेटे पिता का गांव में ही किया अंतिम संस्कार

प्रतापगढ़। अंतू के शुकुलपुर में रविवार की सुबह गाजियाबाद से घर पहुंचे बेटों ने गांव में ही पिता के शव का अंतिम संस्कार किया। पिता की हत्या करने वाले भाई की करतूत से वे दुखी थे। शुकुलपुर निवासी जगदंबा प्रसाद शुक्ला की शनिवार की रात महज बेटे विनोद ने लाठी-डंडे से पीटकर हत्या कर दी थी। विनोद जमीन का बैनामा न करने से नाराज था। पुलिस ने विनोद के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया। चूंकि मृतक के बेटे संतोष व अरुण गाजियाबाद में रहते हैं। पिता की हत्या की खबर सुनकर दोनों भाई रविवार की सुबह घर पहुंचे। रोते-बिलखते परिजनों से घटना की जानकारी ली। कुछ देर बाद गांव में ही स्थित बाग के करीब अंतिम संस्कार कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर मायके से विनोद की पत्नी निशा अपने बेटे राज व प्रीतम को लेकर घर पहुंची। ससुर के शव से लिपटकर निशा रोती-बिलखती रही। वह अपने जेठ के परिवार के साथ ही रह रही थी। अपने घर में जाने से किनारा कर लिया। हर कोई विनोद को कोसता रहा।

एक माह पहले लगा 440 केवीए का नया ट्रांसफॉर्मर जला

प्रतापगढ़। कटियामारों की करतूत के भार से हांफ रहे दहिलामऊ उपकेंद्र के दो ट्रांसफॉर्मर चार माह में पांच बार जल गए हैं। डीएम आवास रोड पर एक माह पहले लगा 440 केवीए का ट्रांसफॉर्मर शुक्रवार की रात जल गया। इस समय डीएम आवास तथा सगरा काशीराम कॉलोनी के आसपास ट्राली ट्रांसफॉर्मर लगाकर आपूर्ति दी जा रही है। दहिलामऊ उपकेंद्र पर अधिभार की वजह से ट्रांसफॉर्मर जलने की समस्या दूर नहीं हो रही है। दरअसल, कचहरी परिसर में बगैर कनेक्शन के 150 से अधिक दुकानें कटियामारी से गुलजार हैं। सगरा वार्ड में कांशीराम कालोनी में भी कटियामारों की भरमार की वजह से 440 केवीए का ट्रांसफॉर्मर जल रहा है। चेकिंग अभियान न चलने से सिविल लाइंस व मीराभवन के आसपास सड़क किनारे कटियामारी से गुलजार दुकानों की वजह से भार में कमी नहीं आई है। एक माह पहले वाराणसी डिपो से मिले 440 केवीए के नए ट्रांसफॉर्मर को डीएम आवास रोड पर लगाया गया। नौ लाख रुपए की लागत वाले इस ट्रांसफॉर्मर के सही रहने की उम्मीद थी लेकिन, यह शुक्रवार की देर रात जल गया। फिर ट्राली ट्रांसफॉर्मर लगाया गया है। सगरा वार्ड के पास भी दो दिन पहले 440 केवीए का ट्रांसफॉर्मर जलने के बाद ट्राली ट्रांसफॉर्मर लगाया गया है। दोनों ट्रांसफॉर्मर जून से अब तक करीब पांच बार जल चुके हैं।

छात्रा से छेड़खानी का आरोपी बम के साथ धराया

प्रतापगढ़। छात्राओं के साथ छेड़खानी तथा धक्का देकर गिरा देने के आरोपी को पुलिस ने शनिवार की रात मदाफरपुर मोड़ से पकड़ लिया। पुलिस ने उसके पास से चार बम बरामद होने का दावा करते हुए मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया। कोहड़ौर पुलिस के अनुसार दरोगा श्याम बिहारी शनिवार की रात संदिग्धों की चेकिंग कर रहे थे। मदाफरपुर मोड़ के पास से रामापुर के अरमान उर्फ जीशान को रोक लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से चार देशी बम बरामद हुआ। पूछताछ के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर रविवार को उसे जेल भेज दिया। शनिवार को कॉलेज जाने वाली छात्राओं के साथ अरमान ने ही छेड़खानी की थी। खोजबीन के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी से चिह्नित कर लिया था। उसकी तलाश में पुलिस ने घर पर कई बार दबिश भी दी थी। एसओ कोहड़ौर प्रदीप कुमार ने बताया, आरोपी को जेल भेजा गया है। ऐसी हरकत करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

तमंचे के बल पर बदमाशों ने कैंटीन संचालक से बाइक तथा रुपये लूटे

प्रतापगढ़। पूरे केशवराय स्थित मेडिकल कॉलेज के कैंटीन संचालक हार्दिक तिवारी को शनिवार की रात तमंचा सटाकर बदमाशों ने लूटपाट की। उनका आरोप है कि रात करीब दस बजे वह बाइक से कैंटीन में जरूरी सामान पहुंचाने जा रहा था। पोस्टमार्टम हाउस के पीछे पहुंचने पर तीन बदमाशों ने तमंचे के बल पर उसे रोक लिया। विरोध करने पर पिटाई करते हुए मोबाइल, 15 सौ रुपये तथा बाइक छीनकर भाग निकले। शिकायत पर पुलिस घटना की छानबीन करते हुए बदमाशों की तलाश कर रही है।

सीएचसी में तड़पती रही महिला, नदारद रहे डॉक्टर

प्रतापगढ़। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, संडवा चंद्रिका में शनिवार की शाम डॉक्टर न मिलने की वजह से एक महिला इलाज के अभाव में करीब आधे घंटे तक दर्द से कराहती रही। परिजनों को आक्रोशित देख स्वास्थ्यकर्मियों ने गंभीर हालत होने का हवाला देकर मरीज को मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। अंतू के खैरगांव बारी निवासी सावित्री देवी को अचानक सीने में दर्द होने लगा। परिजन इलाज के लिए उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संडवा चंद्रिका ले गए। स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने के बाद करीब आधे घंटे तक महिला दर्द से कराहती रही। इसके बावजूद कोई डॉक्टर इलाज के लिए नहीं मिला। डाक्टर के केंद्र पर न होने से मरीजों ने नाराजगी जताई। स्वास्थ्यकर्मियों ने मरीज को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। परिजनों का आरोप है कि मौके पर कोई भी डॉक्टर मौजूद नहीं थे। सूचना देने के बाद भी आधे घंटे तक कोई डॉक्टर नहीं आया। परिजनों ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है। सीएचसी अधीक्षक मनोज कनौजिया ने जानकारी से इन्कार किया। कहा, ऐसा है तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

स्वास्थ्य सेवाओं के महत्वपूर्ण अंग हैं फार्मासिस्ट, चिकित्सा प्रणाली को कर रहे मजबूत

प्रयागराज। मुख्य अतिथि पूर्व मंडलायुक्त बादल चटर्जी ने फार्मासिस्ट दिवस की सभी को बधाई दी और अपने कार्य को पूरी ईमानदारी और निष्ठा से करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रयागराज मंडल से जुड़े सभी जनपदों के फार्मासिस्ट और फार्मेसी के छात्रों ने हिस्सा लिया। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के प्रीतम दास प्रेक्षागृह में विश्व फार्मासिस्ट दिवस के मौके पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंडलायुक्त प्रयागराज बादल चटर्जी रहे। उन्होंने कहा कि फार्मासिस्ट स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ हैं। इनके ऊपर समाज और विभाग का बहुत बड़ा दारोमदार है। फार्मासिस्ट स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने फार्मासिस्ट दिवस की सभी को बधाई दी और अपने कार्य को पूरी ईमानदारी और निष्ठा से करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रयागराज मंडल से जुड़े सभी जनपदों के फार्मासिस्ट और फार्मेसी के छात्रों ने हिस्सा लिया। छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति से सबका मन मोह लिया। इस मौके पर डॉ. आशुतोष सक्सेना, डॉ. वीके मिश्र सहित बड़ी संख्या में चिकित्सक और फार्मासिस्ट मौजूद रहे।

भरद्वाज आश्रम के विस्तार में ध्वस्त होंगे 27 भवन, पीडीए ने जारी किया आदेश

प्रयागराज। अब विस्तारीकरण की जद में आने वाले भवनों और निर्माण के ध्वस्तीकरण का कार्य होना है। इसके लिए पीडीए की तरफ से कुल 27 भवनों को तोड़ने का आदेश जारी हुआ है। जल्द ही इन पर पीडीए का बुलडोजर चलेगा। भरद्वाज मुनि आश्रम के विस्तारीकरण के लिए प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) की तरफ से तैयारियां तेज हो रही हैं। प्राधिकरण की तरफ से इसके लिए सर्वे का कार्य पूरा हो गया है। अब विस्तारीकरण की जद में आने वाले भवनों और निर्माण के ध्वस्तीकरण का कार्य होना है। इसके लिए पीडीए की तरफ से कुल 27 भवनों को तोड़ने का आदेश जारी हुआ है। जल्द ही इन पर पीडीए का बुलडोजर चलेगा।

पिछले दिनों लूकरगंज में प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को उनके आवंटित फ्लैट की चाबी सौंपने आए मुख्यमंत्री ने आश्रम के विस्तारीकरण की चर्चा करते हुए इसके कार्य में तेजी लाने की बात कही थी। इसी को लेकर प्राधिकरण की तरफ से विस्तारीकरण की जद में आने वाले 33 लोगों को नोटिस जारी किया गया था।

बर्खास्त कर्मचारी की बहाली नहीं

हाईकोर्ट ने मंडलायुक्त के खिलाफ जारी किया अवमानना नोटिस

प्रयागराज। यह आदेश न्यायमूर्ति शैलेंद्र क्षितिज ने बर्खास्त लैब टैक्निशियन देवेंद्र प्रताप सिंह की ओर से दाखिल अवमानना याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है। याची के अधिवक्ता गौरव बिशेन ने बताया कि याची की नियुक्ति अभियांत्रिकी एवं ग्रामीण प्रौद्योगिकी संस्थान(आईईआर टी) प्रयागराज में वर्ष 2005 में लैब टेक्निशियन के पद पर हुई थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अभियांत्रिकी एवं ग्रामीण प्रौद्योगिकी संस्थान(आईईआर टी) के बर्खास्त लैब टैक्निशियन को बहाल न करने पर प्रयागराज के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत और आईई आर टी के निदेशक डॉ विमल मिश्रा के विरूद्ध अवमानना नोटिस जारी किया है। यह आदेश न्यायमूर्ति शैलेंद्र क्षितिज ने बर्खास्त लैब टैक्निशियन देवेंद्र प्रताप सिंह की ओर से दाखिल अवमानना याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है। याची के अधिवक्ता गौरव बिशेन ने बताया कि याची की नियुक्ति अभियांत्रिकी एवं ग्रामीण प्रौद्योगिकी संस्थान(आईई आर टी) प्रयागराज में वर्ष 2005 में लैब टेक्निशियन के पद पर हुई थी। याची की सेवाएं भी नियमित हो चुकी थी। वर्ष 2020 में बिना कारण उसे बर्खास्त कर दिया गया, जिसको याची ने हाईकोर्ट में चुनौती दिया था। कोर्ट ने बर्खास्तगी आदेश पर स्थगन आदेश पारित किया था। स्थगन आदेश की प्रति प्राप्त होने के बावजूद उसे बहाल नहीं किया गया। याची ने विपक्षियों द्वारा कोर्ट के आदेश की अवहेलना के खिलाफ अवमानना याचिका दाखिल की, जिसकी सुनवाई करते हुए कोर्ट ने प्रयागराज के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत और आई ई आर टी के निदेशक डॉ विमल मिश्रा के विरूद्ध अवमानना नोटिस जारी करते हुए छह हफ्ते में आदेश का अनुपालन करते हुए अनुपालन हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस अवधि में आदेश का अनुपालन करने और हलफनामा दाखिल करने में विफल रहने पर दोनों अधिकारियों को अगली सुनवाई पर व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में हाजिर होना होगा।

पॉलिटेक्निक के पूर्व प्राचार्य पर दस हजार का जुर्माना

प्रतापगढ़। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने राज्य सूचना आयोग के आदेश के खिलाफ दायर वाद में याची पॉलिटेक्निक के पूर्व प्राचार्य पर 10000 रुपये का जुर्माना लगाया है। दस दिन के अंदर जुर्माने की राशि जमा कराने का आदेश देते हुए सूचना आयोग से एक माह के अंदर प्रत्यावेदन को निस्तारित करने को कहा है। यह आदेश न्यायमूर्ति विवेक चौधरी और न्यायमूर्ति मनीष कुमार की पीठ ने दिया है। जिले के राजकीय पॉलिटेक्निक चिलबिला में तैनात रहे पूर्व प्राचार्य राजेश चंद्रा से उन्नाव जिले के रहने वाले छात्र अरुण तिवारी ने कुछ सूचनाएं मांगी थी। प्राचार्य के देने से इन्कार करने पर छात्र ने राज्य सूचना आयोग का दरवाजा खटखटाया। तत्कालीन राज्य सूचना आयुक्त नरेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने 25 हजार रुपये अर्थदंड लगाते हुए वेतन से कटौती करने को कहा था। प्राचार्य के पुनर्विलोकन प्रत्यावेदन को राज्य सूचना आयोग ने निरस्त कर दिया था। इसके बाद पूर्व प्राचार्य ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में वाद दायर कर न्याय मांगा था। वर्तमान में राजेश चंद्रा लखनऊ में तैनात हैं।

सभी केंद्रों के ध्यानार्थ फ्लाइट लैंड कर दो बेटों संग रेस देखने पहुंचे एयर इंडिया के पायलट

किसी को था रफ्तार का जुनून तो किसी को रोमांच व ग्लैमर खींच लाया

ग्रेटर नोएडा। बुद्ध सर्किट में रविवार को बड़ी संख्या में लोग मोटोजीपी का फाइनल मुकाबला देखने पहुंचे। यहां किसी को रफ्तार का जुनून तो किसी को रोमांच व ग्लैमर खींच लाया। एयर इंडिया के पायलट कैप्टन सिमरन सिंह तो रविवार सुबह ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना से फ्लाइट लेकर लौटे और इसके बाद वह अपने दो बेटों को लेकर मोटोजीपी रेस देखने पहुंच गए। पिता-पुत्र रेस के दौरान काफी रोमांचित थे और रेसर का हौसला बढ़ाते दिखे। मोटोजीपी में न केवल हाउस बल्कि लोगों का जोश भी फुल रहा। देश के कोने-कोने और विदेश से भी लोग फाइनल मुकाबला का रोमांच करीब से देखने पहुंचे। हालांकि यहां आने वाले लोगों में दिल्ली-एनसीआर के लोगों की संख्या अधिक दिखी। युवतियों भी रेस के रोमांच को देखकर उत्साहित और रेसर का अभिवादन करती दिखीं।

बच्चे मोटोजीपी का नाम सुनते ही तैयार हो गए

मैं दिल्ली के सरिता विहार में रहता हूं और अपने बेटे एकस और एकम को लेकर मोटोजीपी में फाइनल मुकाबले देखने आया हूं। मुझे रफ्तार और रेस देखने का काफी शौक है। यही कारण है कि मैं पायलट बना हूं। सुबह दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट लैंड करने के बाद से ही मैंने यहां आने का मन बना लिया था। मैंने घर आकर अपने बच्चों से पूछा तो वह भी फट से तैयार हो गए। मैंने ऑनलाइन टिकट बुक कराया और बुद्ध सर्किट पहुंच गया।

- कैप्टन सिमरन सिंह, पायलट

मैंने पहली बार बाइक रेस देखी है। जब दोस्तों से सुना की ग्रेटर नोएडा के बुद्ध सर्किट में इस बार मोटोजीपी का आयोजन हो रहा है। तो यहां आने के लिए टिकट का बंदोबस्त कर लिया। रफ्तार और रोमांच को करीब से देखकर काफी उत्साहित हूं। यहां का माहौल काफी अलग है। यहां आकर बहुत अच्छा लगा।

गौरव गंभीर, छात्र फरीदाबाद

मैं ग्रेजुएशन करने के बाद जॉब तलाश रहा हूं। मोटोजीपी का नाम सुनते ही यहां आने का मन करने लगा। दोस्त से बात हुई और यहां आ गया। लेकिन जैसा सोचा था, उससे काफी बेहतर यहां आकर लगा। भविष्य में ऐसा आयोजन होगा तो जरूर देखूंगा।

अंकित सिंह, फरीदाबाद

सचिन पर कमेंट कर चर्चाओं में आई मिथलेश-गीता भी पहुंची

सचिन पर कमेंट कर सोशल मीडिया पर लंबे समय तक चर्चाओं में रही रबूपुरा निवासी मिथलेश भाटी और उनकी बहन किसान नेता गीता भाटी भी रविवार को मोटोजीपी में पहुंची। मिथलेश भाटी से पूछा गया कि क्या आप भी रेस देखने की शौकीन हैं। मिथलेश ने बताया कि उनके क्षेत्र में इतना बड़ा आयोजन हो रहा है।

हिरासत में युवक की पिटाई पर भड़के ग्रामीण, थाने के सामने सड़क पर चक्काजाम, कई थानों की फोर्स पहुंची

प्रयागराज। सोरांव थाना क्षेत्र के अहीबीपुर दाउदपुर नेवादा गांव के रहने वाले एक व्यक्ति की लड़की तकरीबन 10 दिन पूर्व गायब हो गई थी। जिसे लेकर गुमशुदगी की रिपोर्ट लड़की के पिता ने सोरांव थाने में दर्ज कराई थी। जिसके मद्देनजर सोरांव थाने के हल्का उप निरीक्षक अपने हमराही के साथ शनिवार सुबह धर्मेंद्र पुत्र चंद्रपाल के घर पहुंच कर गुमशुदा हुई लड़की के बारे में पूछताछ करने के लिए थाने बुलाया था। युवक की थाने में पिटाई और बर्बरता का आरोप लगाते हुए बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सोरांव थाने का घेराव कर लिया। थाने के सामने प्रयागराज-प्रतापगढ़ हाईवे पर जाम लगा दिया गया है। इससे आवागमन बाधित हो गया है। ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए मौके पर कई थानों की फोर्स पहुंच गई है। ग्रामीण आरोपी पुलिसकर्मी को मौके पर बुलाने पर अड़े हुए हैं।

सोरांव थाना क्षेत्र के अहीबीपुर दाउदपुर नेवादा गांव के रहने वाले एक व्यक्ति की लड़की तकरीबन 10 दिन पूर्व गायब हो गई थी। जिसे लेकर गुमशुदगी की रिपोर्ट लड़की के पिता ने सोरांव थाने में दर्ज कराई थी। जिसके मद्देनजर सोरांव थाने के हल्का उप निरीक्षक अपने हमराही के साथ शनिवार सुबह धर्मेंद्र पुत्र चंद्रपाल के घर पहुंच कर गुमशुदा हुई लड़की के बारे में पूछताछ करने के लिए थाने बुलाया था। धर्मेंद्र अपने बड़े भाई सुजीत कुमार के साथ थाने पहुंचा तो हल्का उप निरीक्षक ने धर्मेंद्र को पूछताछ करने के लिए थाने में बैठा लिया और उसके भाई को सुजीत को बाहर कर दिया था। सुजीत अपने भाई धर्मेंद्र को थाने से बाहर निकलने के लिए काफी इंतजार करता रहा लेकिन वह बाहर नहीं आया। जिसके बाद उसने अपने गांव के प्रधान पति को थाने पर बुलाया। प्रधानपति के हस्तक्षेप के बाद पुलिस ने धर्मेंद्र को छोड़ दिया। परिजनों का आरोप है कि धर्मेंद्र जब थाने से घर पहुंचा तो उसकी हालत खराब हो गई। देखते ही देखते उसकी हालत गंभीर हो गई। वह चल फिर नहीं पा रहा था।

परिजन रविवार को सुबह धर्मेंद्र को थाने पर लेकर पहुंचे और थाने में पिटाई की शिकायत की। पुलिस ने धर्मेंद्र को अस्पताल में भर्ती कराया। हालत नाजुक होने पर उसे एक निजी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने थाने में धर्मेंद्र की बेरहमी से पिटाई की है उसके प्राइवेट पार्ट के रास्ते में कुछ डाल दिया है। घटना से आक्रोशित ग्रामीण सोमवार को थाने पर पहुंचे और आरोपी पुलिसकर्मी के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर थाने के सामने प्रतापगढ़-प्रयागराज मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारे बाजी की। इससे सड़क पर आवागमन बाधित हो गया है। कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई है। आक्रोशित ग्रामीण आरोपी पुलिसवाले के साथ भी उसी तरह का व्यवहार करने की मांग कर रहे हैं। चक्काजाम दो घंटे से चल रहा है।

अर्थिंग तार कटने से तीन घंटे बाद डीएफसी ट्रैक पर हुआ ट्रायल

सहारनपुर। सुआखेड़ी में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के रेलवे ट्रैक का अर्थिंग तार काटे जाने से ट्रायल तीन घंटे तक टला रहा। न्यू पिलखनी रेलवे स्टेशन से ट्रायल शुरू करना था, लेकिन घटना होने से अधिकारियों को पंजाब के शंभू रेलवे स्टेशन से ट्रायल करना पड़ा। रविवार दोपहर 12:30 बजे डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के ट्रैक का फाइनल ट्रायल होना था, जिसमें लोकोमोटिव को न्यू पिलखनी रेलवे स्टेशन से पंजाब के शंभू रेलवे स्टेशन तक 80 किलोमीटर लंबे रेलवे ट्रैक पर चलाया जाना था। जिसके लिए डीएफसी की टीम द्वारा समस्त तैयारी पूरी कर ली गई थी। लेकिन जब डीएफसी टीम को मुख्य रेलवे ट्रैक का अर्थिंग तार कटने की जानकारी मिली तो इस ट्रायल को करीब तीन घंटे के लिए टाल दिया गया है। उसके बाद ट्रायल को करीब तीन बजे शुरू किया। न्यू पिलखनी रेलवे स्टेशन के बजाय शंभू रेलवे स्टेशन से ट्रायल को शुरू किया गया। जिसमें लोकोमोटिव शंभू रेलवे स्टेशन से पिलखनी रेलवे स्टेशन तक आया।

नेजे से आगे छड़ी निकालने पर हंगामा, रोकी शोभायात्रा

सहारनपुर। म्हाड़ी पर जा रही छड़ियों के दौरान नेजे से आगे एक छड़ी निकालने को लेकर हंगामा हो गया और टकराव के हालात बन गए। भक्तों ने मेला गुघाल पुल के नीचे धरने दिया और छड़ी आगे निकालने वाले भक्तों का विरोध करने के साथ शोभायात्रा रोक दी। इससे पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों के हाथ-पांव फूल गए। बाद में उस छड़ी को वापिस लाया गया। इसके बाद नेजे की अगुवाई में सभी छड़ियां म्हाड़ी की ओर प्रस्थान कर गई। दरअसल, बाबा श्री जाहरवीर गोगा महाराज का प्रतीक चिह्न नेजा म्हाड़ी पर जाते समय शोभायात्रा में छड़ियों में सबसे आगे चलता है। यही परंपरा 800 वर्ष से चली आ रही है। रविवार की शाम सभी छड़ियां अपने स्थानों से होते हुए अंबाला रोड स्थित श्री विश्रामपुरी काल भैरव मंदिर पहुंच गई। यहां पर नेजे और छड़ियों का पूजन हुआ। इसके बाद नेजे की अगुवाई में छड़ियां गंगोह रोड स्थित म्हाड़ी के लिए चली। इसी दौरान 26 छड़ियों में एक छड़ी के भक्तों ने अपनी छड़ी नेजे से आगे ले गए। इस पर नेजे को लेकर अन्य छड़ियों के भक्तों में रोष फैल गया। भक्तों ने मेला गुघाल पुल के नीचे शोभायात्रा को रोक दिया। नेजे के साथ सभी छड़ियां वहीं पर रुक गई और भक्त धरने पर बैठ गए। इसको लेकर पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों के हाथ-पांव फूल गए। सीओ अजेंद्र के साथ थाना कुतुबशेर इंस्पेक्टर फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और उन्होंने भक्तों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन भक्त नहीं माने और यात्रा रोककर धरने पर बैठे रहे। छड़ी आगे निकालने वाले भक्तों की अन्य छड़ियों के भक्तों के साथ नोकझोंक भी हुई। करीब आधा घंटे शोभायात्रा रुकी रही। बाद में पुलिस ने छड़ी आगे निकालने वाले भक्तों को समझाया और वह फिर छड़ी लेकर वापिस मेला गुघाल पुल के नीचे लौटे। इसके बाद नेजा सबसे आगे चला और फिर सभी छड़ियां नेजे की अगुवाई में म्हाड़ी पर प्रस्थान कर गई। मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और भक्तों की भीड़ लगी रही। सीओ अजेंद्र यादव ने बताया कि छड़ी आगे निकालने को लेकर भक्तों ने यात्रा रोक दी थी, लेकिन दोनों पक्षों के बीच वार्ता के बाद मामला शांत हो गया और सभी छड़ियां म्हाड़ी पर चली गई।

एमएसयू ने दो छात्रावास के लिए केंद्र को भेजा प्रस्ताव

सहारनपुर। मां शाकुंभरी विश्वविद्यालय ने केंद्र सरकार से प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत दो छात्रावास की मांग की है। कुलपति की ओर से दो छात्रावास का प्रस्ताव बनाकर भेजा गया है। जनवरी 2024 तक स्वीकृति मिलने की उम्मीद है। मां शाकुंभरी विश्वविद्यालय को शुरू हुए अभी 20 महीने हुए हैं। प्रशासनिक भवन के साथ ही तमाम विभागों और कार्यालयों के लिए भवनों का निर्माण गति से चल रहा है। लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग दो छात्रावास बनाने की भी योजना है। चूंकि विश्वविद्यालय की शुरुआत है। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन की मंशा है कि अलग अलग योजनाओं से जो भी विश्वविद्यालय को मिले उसके लिए प्रयास किया जाए।

कुलपति प्रो. एचएस सिंह द्वारा बीते दिनों केंद्र सरकार को प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत दो छात्रावास का प्रस्ताव बनाकर भेजा गया है। सूत्रों ने बताया कि एक छात्रावास के लिए स्वीकृति होना तय है, जिसके लिए केंद्र सरकार ने डीपीआर मांगी है। योजना के तहत बनने वाला छात्रावास सौ सीट का होगा। उसमें दो विद्यार्थियों के रहने की व्यवस्था होगी।

- इसलिए बढ़ गई है छात्रावास की जरूरत

विश्वविद्यालय परिसर में इस सत्र से स्नातकोत्तर की पढ़ाई शुरू हो रही है। 24 नए पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं, जिनमें बड़ी संख्या में विद्यार्थी दाखिला लेंगे। इनमें कुछ विद्यार्थी दूर दराज के भी होंगे, जिनके रहने के लिए छात्रावास होना बेहद जरूरी है। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन का जोर अन्य भवनों के साथ ही छात्रावास पर भी है।

- छात्रावास के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव बनाकर भेजे गए हैं। अभी तक कोई स्वीकृति पत्र हमें नहीं मिला है। लेकिन मिलने की उम्मीद है। प्रयास यही है कि विश्वविद्यालय को किसी भी तरह से अधिक से अधिक सुविधाएं दिलवाई जा सकें। - प्रो. एचएस सिंह, कुलपति, मां शाकुंभरी विश्वविद्यालय।

ढोल-नगाड़ों के साथ पहुंची 26 छड़ियां, उमड़ा आस्था का सैलाब

सहारनपुर। बाबा श्री जाहरवीर गोगा महाराज की शान में म्हाड़ी पर लगने वाले तीन दिवसीय मेले शुरूआत धूमधाम से हो गई। महानगर के विभिन्न इलाकों से नेजे सहित 26 छड़ियां बैंडबाजों संग म्हाड़ी पर पहुंच गई। पहले दिन वेस्ट यूपी, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान सहित अनेक जनपदों एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने निशान और प्रसाद चढ़ाकर मन्नतें मांगी। बाबा श्री गोरखनाथ और श्री जाहरवीर गोगा महाराज के जयकारों की गूंज रही। रविवार की दोपहर दो बजे से महानगर के विभिन्न इलाकों से बैंडबाजों और ढोल-नगाड़ों के साथ 26 छड़ियां निकलनी शुरू हो गईं थीं। पुरानी मंडी से नेजे की अगुवाई में सरदार छड़ी पांच बजे अंबाला रोड स्थित काल भैरव विश्रामपुरी भैरव मंदिर पहुंची। यहां नेजा और सरदार छड़ी का पूजन हुआ। इसके साथ ही अन्य छड़ियां भी मंदिर पर पहुंच गई। पूजन के बाद सरदार सहित सभी छड़ियां गंगोह रोड पर मानकमऊ स्थित म्हाड़ी की ओर प्रस्थान कर गई। देर शाम तक सभी छड़ियां म्हाड़ी पर पहुंच गई। छड़ियों के भक्तों में भारी उत्साह नजर आया। सभी छड़ियों को भव्य रूप से सजाया गया था। वहीं, विश्रामपुरी काल भैरव मंदिर से म्हाड़ी तक लाखों की संख्या में श्रद्धालु दिखाई दिए। छड़ियों के इंतजार में म्हाड़ी पर पहले से ही श्रद्धालु मौजूद थे। जैसे ही नेजा और छड़ियां म्हाड़ी पर पहुंचनी शुरू हुई तो निशान चढ़ाने के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। उधर, पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए और रूट भी डायवर्ट रहा।

- झूले और खिलौने की दुकानें रहीं आकर्षण का केंद्र

म्हाड़ी पर लगने वाले मेले को लेकर गंगोह मार्ग खिलौनों, प्रसाद और चाट पकौड़ी की दर्जनों दुकानें लगी हुई हैं। छोटे-छोटे बच्चे अपने परिजनों के साथ दुकानों पर तरह-तरह के खिलौने खरीदते नजर आए। म्हाड़ी के बराबर में खाली पड़े मैदान पर झूले लगाए गए।

- कभी लगती थीं छड़ियों की दौड़

35 वर्ष पूर्व गंगोह मार्ग पर छड़ियों की दौड़ लगती थी। छड़ियों की दौड़ मानकमऊ में बड़ी नहर से शुरू होती थी और म्हाड़ी पर पहुंचकर संपन्न होती थी। छड़ियों के निशानिए छड़ी को लेकर दौड़ते थे, जो छड़ी दौड़ में विजयी होती थी, उसके निशानियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाता था। हालांकि दौड़ के दौरान श्रद्धालु घायल हो जाते थे, जिस वजह से प्रशासन ने दौड़ पर रोक लगा दी थी।

- तीन दिन तक पहुंचेंगे लाखों श्रद्धालु

मेला तीन दिन तक चलेगा, जिसमें लाखों श्रद्धालु निशान और प्रसाद चढ़ाने पहुंचेंगे। मंगलवार को छड़ियां सुबह आठ बजे म्हाड़ी से अंबाला रोड स्थित श्री विश्रामपुरी काल भैरव मंदिर पहुंचेंगीं। यहां छड़ियां पूरे दिन खड़ी रहेंगी और शाम को पांच बजे यहां से चलकर अपने-अपने स्थानों पर पहुंच जाएंगी।

- चाकचौबंद रही सुरक्षा, चप्पे-चप्पे पर नजर

म्हाड़ी मेले को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। चप्पे-चप्पे पर पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई। घंटाघर से लेकर अंबाला रोड पर विश्रामपुरी काल भैरव मंदिर, यहां से गंगोह रोड पर म्हाड़ी तक चप्पे-चप्पे पर पुलिस व पीएसी के जवान तैनात रहे। सुरक्षा में तीन एसपी, पांच सीओ, 12 निरीक्षक, 50 उपनिरीक्षक, 200 कांस्टेबल, 150 होमगार्ड, दो कंपनी पीएसी को लगाया गया है। वहीं, रूट डायवर्जन प्लान रविवार की सुबह आठ बजे से लागू कर दिया गया, जो मंगलवार की शाम तक जारी रहेगा।

- यह है यातायात व्यवस्था

- नकुड़/फंदपुरी की ओर से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों को छोड़कर अन्य वाहन मानकमऊ ओर नहीं आएंगे। ये वाहन कुम्हारहेड़ा बाईपास से संचालित होंगे।

- श्रद्धालुओं के वाहनों को छोड़कर मानकमऊ की ओर से किसी भी प्रकार का वाहन गंगोह व नकुड़ की ओर नहीं जाएगा। यह वाहन अंबाला रोड से नकुड़ तिराहे से होकर सरसावा से गंगोह व नकुड़ की ओर संचालित होंगे।

- चौकी फंदपुरी से मानकमऊ की ओर मेले में आने वाले वाहनों को छोड़कर सभी प्रकार के वाहन कुम्हारहेड़ा बाईपास से सहारनपुर शहर की ओर जाएंगे।

- श्रद्धालुओं के वाहनों को छोड़कर नकुड़ तिराहे एवं मानकमऊ पुलिया से किसी भी प्रकार का वाहन म्हाड़ी मेले की ओर नहीं जाने दिया जाएगा।

स्वास्थ्य मेलों में आयुष्मान कार्ड बनाए, रोगियों का किया उपचार

सहारनपुर। नानौता। जिले के देहात में स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को लगाए गए स्वास्थ्य मेलों में रोगियों का उपचार करने के साथ ही आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए। इस दौरान भाजपा नेताओं ने कहा कि आम जन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के प्रति सरकार प्रतिबद्ध है। गंगोह में कैराना सांसद प्रदीप चौधरी ने सीएचसी पर साप्ताहिक स्वास्थ्य मेले का उद्घाटन कर लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड वितरित किए। उद्घाटन के उपरांत उन्होंने विभिन्न स्टालों का अवलोकन कर लाभार्थियों को सरकार की जन हितैषी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि पीएम मोदी ने पांच लाख का स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आयुष्मान कार्ड देकर गरीब लोगों को चिकित्सा सुविधा देने का काम किया है। अब आयुष्मान कार्ड का विस्तार कर वंचित लोगों को लाभ दिया जा रहा है। सीएचसी प्रभारी डॉ. रोहित वालिया ने बताया कि अब तक 6200 आयुष्मान कार्ड वितरित किए जा चुके हैं। स्वास्थ्य प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. मनोज जैन, जितेंद्र जागलान, संजय कश्येड़ा, चंद्रपाल प्रधान, डब्बू, इरशाद आदि रहे।

छुटमलपुर की फतेहपुर सीएचसी पर 16 आयुष्मान कार्ड बनाए गए। सीएचसी इंचार्ज डॉ. मुकेश ने बताया कि साइट बिजी रहने के कारण कम कार्ड ही बन सके हैं। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य मेले में 123 रोगियों की जांच कर उपचार दिया गया। सीडीपीओ संयोगिता यादव की अगुवाई में विभाग की कर्मचारियों ने पोषण से संबंधित जानकारी महिलाओं को दी। नागल सीएचसी पर स्वास्थ्य मेला का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि पपिन चौधरी तथा नागल मंडल अध्यक्ष पवन त्यागी ने किया। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नितिन कुमार ने बताया कि स्वास्थ्य मेले में करीब 150 रोगियों की जांच कर उन्हें औषधि वितरण की गई। डॉ. राजवीर सिंह, कपिल डबर, मानसिंह सैनी, मनमोहन सिंह, सत्येंद्र वैदिक, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी सूरज सिंह, डॉ. ईशा जैन, डॉ. आशा चौहान, अनुराधा आदि रहे। उधर भाजपा के क्षेत्रीय विधायक देवेंद्र निम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया। इसी दौरान उन्होंने केंद्र की सफाई व्यवस्था, ऑक्सीजन प्लांट तथा इमरजेंसी की जांच की।

चिलकाना की सीएचसी सुल्तानपुर पर 49 आयुष्मान कार्ड बनाए गए तथा 36 लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर दवा वितरित की गई। मंडल अध्यक्ष रामनाथ धीमान, पूर्व मंडल अध्यक्ष सुनील सैनी, मंडल महामंत्री निशांक जैन, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष शादीराम सैनी, चिकित्सा प्रकोष्ठ अध्यक्ष डॉ. कुलदीप चौधरी, महबूब अली, दीपक सैनी, रमेश कश्यप रहे। सरसावा सीएचसी पर स्वास्थ्य मेले का उद्घाटन करते हुए नकुड़ विधायक मुकेश चौधरी ने कहा कि भाजपा की सरकारों का उद्देश्य है कि योजनाओं का लाभ प्रत्येक जन को मिले। सीएचसी प्रभारी डॉ. राजेश ने बताया कि स्वास्थ्य मेले का मुख्य उद्देश्य घर तक जनमानस को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना है। अमरीश राणा, रुचि यादव, ओमकार सैनी, तेजपाल चौधरी, रमेश कुमार आदि रहे।

बिहारीगढ़ पीएचसी पर शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि योगेश पुंडीर व भाजपा जिला उपाध्यक्ष सोनेंद्र राणा ने किया। इस दौरान मुजफ्फराबाद चिकित्सा प्रभारी अशोक कुमार, महिपाल राठौर, सुशील कांबोज, अनुराग त्यागी, सुशील बडोनी, प्रवेश कुमार, सीतम सिंह, अशोक कुमार, रश्मि आदि रहे। नानौता सीएचसी पर 36 पात्रों को सीएचसी प्रभारी डॉ. प्रमोद कुमार द्वारा आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। शुभारंभ सीएचसी प्रभारी व भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ मंडल संयोजक डॉ. केपी सिंह द्वारा किया गया। डॉ. चमन सिंह, डॉ. आंचल ढाका, डॉ. दिव्या सैनी, तिरस पाल चौधरी, राजेंद्र सिंह नेगी, नरेंद्र कुमार, अशोक कुमार, रोहताश, नीटू रहे।

बुखार से महिला की मौत, डेंगू के छह नए मरीज मिले

सहारनपुर। जिले में जानलेवा बुखार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। नागल के गांव दगडोली में एक महिला की बुखार के चलते मौत हो गई। वहीं, छह लोगों में डेंगू की पुष्टि हुई। डेंगू मरीजों का आंकड़ा 157 तक पहुंच गया है। रविवार को गांव दगडोली निवासी एक महिला की बुखार के चलते हायर सेंटर चंडीगढ़ में उपचार के दौरान मौत हो गई। बेबी (35) पत्नी सचिन बालियान पिछले करीब 10 दिन से बुखार से पीड़ित थी और कस्बे के एक निजी चिकित्सक के यहां उसका इलाज चल रहा था। दो दिन पहले उसकी हालत गंभीर हो जाने पर उसे जिला चिकित्सालय भर्ती कराया गया।

जहां से उसे हायर सेंटर चंडीगढ़ रेफर कर दिया। उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर नितिन कुमार ने बताया है कि मामला उनके संज्ञान में नहीं है। गांव में स्वास्थ्य टीम भेज कर जांच कर जाएगी। रविवार को डेंगू के छह नए मरीज मिले, जो सरसावा, पीरवाली गली, छुटमलपुर के रहने वाले हैं। जिला मलेरिया अधिकारी शिवांका गौड़ ने बताया कि डेंगू पीड़ितों के यहां एंटी लार्वा का छिड़काव करा दिया है। इसके साथ ही उनके आसपास रहने वालों के भी सैंपल करा दिए हैं।

तीन करोड़ खर्च होने के बाद भी बिजली व्यवस्था ध्वस्त

रायबरेली। जिला अस्पताल के लिए बना स्वतंत्र फीडर शोपीस बनकर रह गया है। पावर कॉर्पोरेशन के अधिकारियों की अंधेरगर्दी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पांच माह में बिजली की लाइन ठीक नहीं हो पाई है। निर्बाध बिजली आपूर्ति न होने की वजह से जिला अस्पताल की न सिर्फ हर दिन स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होती हैं, बल्कि मरीजों को गर्मी में परेशान होना पड़ता है। यही नहीं जिला अस्पताल को दूसरे उपकेंद्र से बिजली आपूर्ति करने से उपभोक्ताओं को भी बिजली संकट से जूझना पड़ रहा है। जिला अस्पताल को भरपूर बिजली आपूर्ति करने के लिए 132 ट्रांसमिशन त्रिपुला से जिला चिकित्सालय तक पांच किलोमीटर 33 केवी अंडरग्राउंड नई लाइन का निर्माण कराया गया था। जिला अस्पताल में विद्युत उपकेंद्र का निर्माण हुआ। इस पर तीन करोड़ रुपये खर्च किए गए। लगभग 10 साल पहले जिला अस्पताल को अलग फीडर से बिजली मिलना शुरू हुई। कुछ दिनों तक आपूर्ति ठीकठाक मिली, लेकिन कुछ दिन बाद अंडरग्राउंड लाइन में खराबी आ गई। इसके बाद आपूर्ति ठप हो गई। पावर कॉर्पोरेशन के अभियंताओं ने फॉल्ट खोजने में कई साल बिता दिए, लेकिन अंडरग्राउंड केबल का फॉल्ट नहीं मिला।

करीब चार साल तक आपूर्ति ठप रही। इसके बाद महानंदपुर के पास ओवरहेड लाइन बनाई गई। इस लाइन को बनाने में अस्पताल की तरफ से 12 लाख रुपये पावर कॉर्पोरेशन को दिए गए थे। पांच महीने पहले लाइन से आपूर्ति तो शुरू हो गई, लेकिन जिला अस्पताल में उपकेंद्र के पास लगे मीटर बॉक्स में खराबी होने के कारण अब तक आपूर्ति शुरू नहीं हो पाई। इससे एक्स-रे, सीटी स्कैन जांच समेत अन्य कार्य प्रभावित रहते हैं। अस्पताल प्रशासन का दावा है कि जेनरेटर चलता है, लेकिन इससे अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह से नहीं चल पाती हैं। इंदिरा नगर के आरडीए फीडर से चल रही बिजली आपूर्ति

जिला अस्पताल के स्वतंत्र फीडर से बिजली नहीं मिलने की वजह से इंदिरा नगर विद्युत उपकेंद्र से निकले आरडीए फीडर से जोड़कर बिजली आपूर्ति की जा रही है। जिला अस्पताल के लोड के अलावा इसी फीडर से करीब 800 से ज्यादा बिजली कनेक्शन हैं। फीडर के तार जर्जर होने के कारण आए दिन फॉल्ट बना रहता है। इससे आम उपभोक्ताओं को भी परेशानी झेलनी पड़ रही है शहर में जर्जर तारों का मकड़जाल फैला है। इससे उपभोक्ताओं को भरपूर बिजली नहीं मिल रही है। जिला विद्युत कमेटी के पूर्व सदस्य शरद मेहरोत्रा ने कहा कि करोड़ों रुपये से बने विद्युत उपकेंद्र के नहीं चलने से स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ पावर कॉर्पोरेशन के अधिवंता जिम्मेदार हैं।

संक्षिप्त समाचार

पेंशन शंखनाथ महारैली को सफल बनाने की बनी रणनीति

कुशीनगर। कस्बा स्थित बीआरसी परिसर में शनिवार को शिक्षकों की बैठक हुई। इसमें एक अक्तूबर को दिल्ली में आयोजित पेंशन शंखनाद महारैली को सफल बनाने की योजना बनाई गई। अटेवा के तमकुही ब्लॉक अध्यक्ष विनय कुशवाहा ने कहा कि अटेवा पेंशन बचाओ मंच की तरफ से एक अक्तूबर को रामलीला मैदान दिल्ली में पेंशन शंखनाद महारैली होगी। इस रैली को सफल बनाने के लिए जिले से एक हजार से अधिक कर्मचारी दिल्ली जाएंगे। बैठक को विजय यादव, राहुल सिंह, मिनहाज अहमद सिद्दिकी, हसमुद्दीन अंसारी, सत्येंद्र सिंह, रजिमुल्लाह अंसारी, कौशल किशोर गुप्ता, सुरेंद्र यादव, गोरख राय, घनश्याम प्रसाद आदि ने संबोधित किया। इस दौरान काशीनाथ चतुर्वेदी, आनंद सिंह, नंदकिशोर प्रसाद, उमाशंकर यादव, मसूद, प्रदीप मल्ल, अलाउद्दीन अंसारी, बृजमोहन तिवारी, शशांक शेखर राय आदि मौजूद रहे।

अजगर ने किया सियार का शिकार- खेत में विशालकाय सांप देख सहमे ग्रामीण, मच गई भगदड़

लखीमपुर खीरी। गन्ने के खेत में रविवार को विशालकाय अजगर ने सियार को जकड़ कर मार डाला। वह उसे निगल रहा था, तभी ग्रामीण पहुंच गए। ग्रामीणों ने ईंट-पत्थर फेंके तो अजगर सियार को छोड़कर खेत में चल गया। लखीमपुर खीरी के पलियाकलां इलाके के कंपनी फार्म के पास गन्ने के खेत में रविवार को विशालकाय अजगर ने सियार का शिकार कर लिया। मृत सियार पर लिपटा हुआ था और उसे निगलने का प्रयास कर रहा था। इस बीच खेतों की ओर से गए ग्रामीणों की नजर जब अजगर पर पड़ी तो सहम गए। उल्टे पांव पीछे हट गए। अजगर होने की खबर फैलने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ खेतों की ओर आ गई। ग्रामीणों ने अजगर पर ईंट-पत्थर फेंके। इससे अजगर सियार को छोड़कर गन्ने के खेत में चला गया। ग्रामीणों ने मामले की जानकारी वन विभाग को दी गई। काफी देर बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। लोगों के अनुसार वन विभाग की टीम जब मौके पर पहुंची तब तक अजगर सियार को छोड़कर गन्ने के खेत में घुस गया। हालांकि टीम ने उसे गन्ने के खेत में घुसकर पकड़ लिया और जंगल में छोड़ दिया। ग्रामीणों ने बताया कि अजगर करीब 10 फीट लंबा था। अजगर ने सियार को जकड़ कर मार डाला था।

गोवंश से बचने के चक्कर में ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराकर शिक्षक की मौत

लखीमपुर खीरी। छुट्टा पशु से बचने के चक्कर में ईसानगर ब्लॉक के धुंधाकला प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक अमित निगम की महरिया गांव के पास ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराकर मौत हो गई। वहीं, दो दिन पहले छुट्टा पशु से टकराकर घायल हुए संसारपुर निवासी युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। इंदिरानगर लखनऊ में रहने वाले अमित निगम पुत्र कृष्ण दयाल निगम ईसानगर ब्लॉक के धुंधाकला प्राथमिक विद्यालय में तैनात थे। शनिवार की दोपहर करीब तीन बजे वह स्कूल की छुट्टी के बाद बाइक से घर जाने के लिए निकले थे। खमरिया रोड पर महरिया गांव के पास बेसहारा गोवंश से बचने के चक्कर में उनकी बाइक ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आ गई। ट्रॉली में फंसकर बाइक काफी दूर तक घिसटती चली गई। आनन-फानन उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खमरिया लाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। हादसे की सूचना पर कई शिक्षक सीएचसी पहुंचे और परिवार वालों को सूचना दी। उधर, सड़क पर घूम रहे बेसहारा जानवर से टकराकर बृहस्पतिवार को घायल हुए कस्बा निवासी सतीश शर्मा उर्फ हरिकरन (27) पुत्र सीताराम की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। लखनऊ मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा था।

लोग पहुंचे चौकी... तब जाकर दर्ज हुई चोरी की रिपोर्ट

गोला गोकर्णनाथ। नगर के मोहल्ला मुन्नूगंज निवासी गल्ला आढ़ती के यहां हुई चोरी की घटना में मुकदमा दर्ज न होने पर लोगों में नाराजगी है। व्यापारियों ने नानक चौकी पर विरोध जताया। मोहल्ला मुन्नूगंज निवासी गल्ला आढ़ती दीपक कुमार गुप्ता पुत्र बेचे लाल गुप्ता के मकान की चौखट तोड़कर बुधवार की रात चोरों ने नगदी जेवर समेत लाखों की चोरी कर ली थी। पीड़ित का आरोप है कि घटना का खुलासा तो दूर पुलिस ने रिपोर्ट तक दर्ज नहीं की। शनिवार को हरिद्वारी वैश्य समिति के अध्यक्ष श्रीकृष्ण कुमार गुप्ता पीड़ित के साथ नानक पुलिस चौकी पहुंचे और चौकी इंचार्ज गौरव सिंह से नाराजगी जताई, तब जाकर घटना की रिपोर्ट दर्ज हुई। इस मौके पर प्रवीण गुप्ता, अविनाश गुप्ता, विनोद गुप्ता, संजीव गुप्ता, शिवम गुप्ता, आदित्य गुप्ता मौजूद रहे।

जानलेवा बुखार -मासूम और किशोरी की मौत, चार बच्चे मिले मलेरिया संक्रमित

लखीमपुर खीरी। जानलेवा बुखार का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। जिला अस्पताल में दस माह की बच्ची और एक किशोरी की मौत हो गई। बुखार के साथ ही दस्त में खून आने पर बच्ची को भर्ती कराया गया था। बच्चा वार्ड में इस समय 25 बच्चों का इलाज हो रहा है। जिसमें से 18 बच्चे बुखार की चपेट में हैं। इनमें से चार बच्चों में मलेरिया बुखार की पुष्टि हुई है। शनिवार को जिला अस्पताल में 1359 नए मरीजों ने पर्चा बनवाकर डॉक्टरों को दिखवाया। इसके अलावा करीब 600 मरीज पुराने पर्चे पर दवा लेने के लिए पहुंचे। करीब सौ से अधिक मरीज इमरजेंसी में पहुंचे। गंभीर पीड़ितों को वार्ड में भर्ती कर लिया गया। शुक्रवार को मैगलगंज निवासी राजेश कुमार की 17 वर्षीय पुत्री शीतला देवी की बुखार से मौत हो गई। वहीं, बच्चा वार्ड में भर्ती दस माह की लक्ष्मी पुत्री ब्रजेश कुमार निवासी फरधान की दस्त के साथ खून आने के कारण मौत हो गई। शुक्रवार को 11 और शनिवार दोपहर तक बुखार पीड़ित छह बच्चों के पहुंचने से 21 बेड के बच्चा वार्ड में भर्ती होने वाले बच्चों की संख्या 25 हो गई। ऐसे में गैलरी में अलग से बेड डलवाकर बच्चों को भर्ती कर इलाज शुरू किया गया। इसके अलावा बच्चा वार्ड और आईसीयू में भर्ती बुखार पीड़ित चार बच्चों में मलेरिया बुखार की पुष्टि हुई है।

बस में छिपाकर रखा गया 18.5 लाख का हार्डवेयर का सामान बरामद

लखीमपुर खीरी। नेपाल पुलिस ने नेपाली टूरिस्ट बस के एसी बॉक्स में छिपाकर लाया जा रहा 18.5 लाख का तस्करी का हार्डवेयर का सामान बरामद किया है। कैलाली जिला पुलिस के डीएसपी कुलदीप चंद ने बताया कि दिल्ली से धनगढ़ी के लिए वापस आ रही एक टूरिस्ट बस को शनिवार सुबह मुखबिर की सूचना पर त्रिनगर-धनगढ़ी बॉर्डर पर चेक किया गया। बस के अंदर एसी बॉक्स में छिपाकर रखे गए मोबाइल पार्ट्स, एक पीस क्लच बरामद किया। बरामद माल की कीमत 18 लाख 500 रुपए आंकी गई है। सामान लाने वाले रमेश गुरूंग, रमेश विक व बस मालिक मराठी को भी पकड़ा गया है। बस को भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। माल समेत सीजर बनाकर कैलाली कस्टम के सुपुर्द कर दिया है।

ग्राम पंचायत अधिकारी का वेतन रोककर जांच का आदेश

मऊ। विकास कार्यों के भुगतान में हेराफेरी के मामले में मुख्य विकास अधिकारी प्रशांत नागर ने ग्राम पंचायत अधिकारी पहसा का वेतन रोकने का आदेश दिया। प्राथमिक विद्यालय पहसा में कायाकल्प के तहत विकास कार्य हुए। भुगतान को लेकर ग्राम प्रधान और ग्राम पंचायत अधिकारी के बीच विवाद हो गया। जिस फर्म से निर्माण सामग्री ली गई थी। उसे एक लाख 80 हजार रुपये का भुगतान करना था। लेकिन ग्राम पंचायत अधिकारी ने किसी अन्य फर्म को भुगतान करा दिया।

फर्म द्वारा भुगतान के लिए कहा गया तो, ग्राम प्रधान ने ग्राम पंचायत अधिकारी से भुगतान के लिए कहा। ग्राम पंचायत अधिकारी द्वारा भुगतान कर दिए जाने की बात कही गई। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद बढ़ता गया। ग्राम प्रधान अवधेश कुमार ने मुख्य विकास अधिकारी को पत्र भेजकर ग्राम पंचायत अधिकारी की शिकायत की थी। इस मामले को संज्ञान में लेते हुए सीडीओ ने खंड विकास अधिकारी रतनपुरा को ग्राम पंचायत अधिकारी का वेतन रोक कर प्रकरण की जांच का आदेश दिया है।दोषी पाए जाने पर उचित कार्रवाई करने को कहा है।

महिला को बंधक बनाकर चोर समेट ले गए लाखों का सामान

मऊ। घोसी कोतवाली क्षेत्र के नवकापुरा में एक घर में घुसे चोरों ने महिला को बंधक बनाकर लाखों की चोरी की। महिला से चोरों ने हाथापाई भी की। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की जांच की। अमिला नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड नंबर 12 बाबा थानीदास (नवकापुरा) निवासी रामचरण सिंह चार भाइयों के परिवार के साथ गांव में रहते हैं। प्रतिदिन की तरह बृहस्पतिवार को भोजन करने के बाद परिवार के सदस्य अपने-अपने कमरे में सोने चले गए। देर रात चोर सीढ़ी से उतरते हुए घर में दाखिल हुए। सीढ़ी के सामने के कमरे का दरवाजा खोलकर पहुंचे तब तक माला पति गणेश पहुंच गई। चोरों ने उन्हें बंधक बना लिया। कमरे में रखी नकदी और आभूषण चुरा ले गए।

दो किलो चरस के साथ शटर कटवा गिरोह के पांच सदस्य गिरफ्तार

हाटा (कुशीनगर)। नगर में करीब एक सप्ताह पहले मोबाइल फोन की दुकान में चोरी करने वाले गिरोह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से दो किलोग्राम चरस, एक लाख रुपये, स्कारपियो और अन्य सामान बरामद हुए हैं।

गिरफ्तार आरोपी बिहार के शटर कटवा गिरोह के सदस्य बताए जा रहे हैं। तमकुहीराज के सीओ जितेंद्र सिंह कालरा ने शनिवार को कोतवाली में बताया कि हाटा में एक सप्ताह पहले गांधी चौक स्थित मोबाइल फोन की दुकान में चोरी हुई थी। पुलिस केस दर्ज कर चोरों की तलाश कर रही थी। शनिवार की सुबह सूचना मिली कि कुछ संदिग्ध लोग झांगा के पास चार पहिया वाहन से मौजूद हैं। पुलिस टीम वहां पहुंची और उन्हें वाहन सहित पकड़ किया। तलाशी और पूछताछ में पता चला कि ये सभी बिहार के शटर कटवा गिरोह के सदस्य हैं। ये चोरी के साथ-साथ मादक पदार्थों की तस्करी भी करते हैं। इनके वाहन से दो किलोग्राम चरस बरामद हुई। इसकी कीमत चार करोड़ रुपये बताई जा रही है। साथ ही दुकान से चोरी हुए मोबाइल फोन के 58 खाली डिब्बे चार्जर सहित, एक लाख रुपये और कारतूस सहित एक तमंचा बरामद हुआ।

आरोपियों ने हाटा में मोबाइल फोन की दुकान में चोरी की घटना में शामिल होने की बात कबूल की। इन लोगों ने बताया कि चोरी किए गए सभी मोबाइल सेट नेपाल बेचने के लिए भेज दिए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में उमाशंकर दास निवासी वार्ड नंबर-नौ घोड़ासहन, पूर्वी चंपारण बिहार, विकास कुमार शाह निवासी वार्ड नंबर-18 नौरंगाबाद, थाना टाउन पश्चिमी चंपारण बिहार, अशोक शाह वार्ड नंबर-14, घोड़ासहन, जिला पूर्वी चंपारण बिहार, राजेश कुमार जयनगर बजरंगी बाजार, थाना नौतन, पश्चिमी चंपारण बिहार और सुरेश प्रसाद जायसवाल निवासी वार्ड नंबर-31, रामलखन सिंह कॉलेज के पास, बेतिया, थाना मुफस्सिल, पश्चिमी चंपारण बिहार शामिल हैं। सीओ ने बताया कि ये एक संयुक्त अंतरराष्ट्रीय शटर कटवा गिरोह के सदस्य विभिन्न राज्यों में शटर काटकर चोरी करते हैं और फरार हो जाते हैं।

वहीं, इस गिरोह का आपराधिक क्षेत्र नेपाल में भी है। नेपाल सीमा पर रहने के कारण ये अपराध कर अपने गांव आसानी से चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर पुलिस टीम को 25 हजार रुपये से पुरस्कृत करने की संस्तुति पुलिस अधीक्षक ने की है।

बजत बधाइयां स्वामी हरिदासजी के द्वार

मथुरा। ठा. बांकेबिहारी के प्राकट्यकर्ता स्वामी हरिदास का जन्मोत्सव शनिवार को बांकेबिहारी मंदिर एवं निधिवन में धूमधाम से मनाया गया। निधिवन में प्रातः 4 बजे गोस्वामियों ने पंचामृत से स्वामी हरिदास का महाभिषेक किया। वहीं पदों का गायन और भजनों की धुन पर देश-विदेश से आए भक्तों ने नृत्य कर खुशी का इजहार किया। बांकेबिहारी की प्राकट्य स्थली निधिवन में सेवाधिकारी आचार्य भीकचंद्र गोस्वामी, रोहितकृष्ण गोस्वामी लाले ने प्रातः स्वामी हरिदास की प्रतिमा का पंचामृत से अभिषेक किया।

इसके पश्चात भक्तों ने बधाई गायन बजत बधाइयां स्वामी हरिदासजी के द्वार, ऐसौ प्रकट भयौ न हुई हो भू मंडल आकाश आदि पद सुनाए। इस दौरान फूलों की सजावट, शहनाई की गूंज के बीच सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भजन संध्या आयोजित की गई। देर शाम को बांकेबिहारी मंदिर से नगर भ्रमण कर निधिवनराज मंदिर के लिए भव्य शोभायात्रा निकाली गई। प्रभु राधाकृष्ण एवं बांकेबिहारी, निधिवन में स्वामी हरिदास को जन्मोत्सव की बधाई देने पहुंचे। राधाकृष्ण के स्वरूप एवं देवी-देवताओं की झांकियों के दर्शन करने के लिए जगह-जगह मार्गों पर भक्तों की भारी भीड़ लग गई। वहीं बैंडबाजों की धुनों के बीच स्वामी हरिदास के अनुयायी एवं बांकेबिहारी के भक्त जन्मोत्सव की खुशी में जमकर नाचे।

राजा भोज और गंगू तेली की कहावत से सोशल मीडिया पर बखेड़ा, कवयित्री अनामिका जैन को दी जान से मारने की धमकी

मेरठ। कवयित्री अनामिका जैन की राजा भोज और गंगू तेली की कहावत सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के बाद बखेड़ा खड़ा हो गया है। इस पोस्ट के बाद कई लोगों ने उनके खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक और भद्दे कमेंट किए। वहीं जान से मारने की धमकी भी दे डाली है। कवयित्री ने 24 घंटे पूरे देश में सुरक्षा की मांग की है। राजा भोज और गंगू तेली की कहावत के साथ कवयित्री अनामिका जैन की पोस्ट के बाद कई लोगों ने उनके खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक और भद्दे कमेंट किए। उनके पति सौरभ जैन सुमन को फोन पर जान से मारने की धमकी दी गई। अनामिका जैन ने सदर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने पुलिस से अपनी और पति की सुरक्षा बढ़ाने की मांग भी की है।

सदर बाजार क्षेत्र निवासी कवयित्री अनामिका जैन हाल ही में भोपाल गई थी। जहां उन्होंने राजा भोज की प्रतिमा के साथ ली तस्वीरों को 18 सितंबर को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। पोस्ट में उन्होंने प्राचीन कहावत कहां राजा भोज, कहां गंगू तेलीके साथ कुछ अन्य टिप्पणी भी कर दी। सोशल मीडिया पर लोगों ने इसे एक समाज का अपमान करार देते हुए उनके खिलाफ पोस्ट व भद्दे कमेंट करने शुरू कर दिए। विरोध को देखते हुए अनामिका ने अपनी पोस्ट हटा दी और दूसरी पोस्ट करते हुए समाज के लोगों से माफी भी मांग ली, लेकिन विरोध का सिलसिला जारी रहा। कई लोगों ने उनके पति कवि सौरभ जैन सुमन के मोबाइल पर गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी भी दी। सदर थाने में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि आकाश राठौर (अक्की) और दिलीप साहू नाम की आईडी से समाज के लोगों को भड़काने के उद्देश्य से उनकी पोस्ट का स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। अभद्र भाषा और अश्लील टिप्पणी कर उनकी छवि को धूमिल किया जा रहा है। कई पोस्ट में उनके कार्यक्रम का बहिष्कार करने, उनके व्यवसाय और प्रस्तुतियों को तबाह करने की धमकी दी गई है। थानाध्यक्ष शशांक द्विवेदी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई और मामले की जांच की जा रही है।

24 घंटे पूरे देश में सुरक्षा की मांग

रिपोर्ट में अनामिका जैन ने बताया कि सरकार की ओर से उन्हें एक गनर दिया गया है। जिसकी ड्यूटी 8 घंटे की होती है और उसे नगर के बाहर ले जाने की अनुमति भी नहीं है।

वह और उनके पति काव्य यात्राओं के सिलसिले में देशभर में भ्रमण करते हैं। ऐसे में उन्हें और उनके पति की जान व प्रतिष्ठा का खतरा है। उन्होंने देशभर में 24 घंटे सुरक्षा का प्रबंध कराने की मांग की है।

कवयित्री अनामिका जैन के सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर लाखों फॉलोवर हैं। काव्य प्रेमियों के बीच वह काफी प्रसिद्ध हैं। भोजपुरी गायिका नेहा सिंह राठौर के गीत यूपी में काबा के जवाब में यूपी में बाबा गीत गाकर काफी चर्चाओं में आ गई थी। उनके इस गीत को भाजपा समर्थकों ने जहां काफी पसंद किया था, विपक्ष के लोगों ने उन पर कटाक्ष भी किए थे।

अखिल भारतीय जाट महासम्मेलन-जाट समाज ने केंद्र में आरक्षण के लिए भरी हुंकार, आंदोलन के इशारे से गरमाई सियासत

मेरठ। लोकसभा चुनाव से पहले पश्चिमी यूपी में जाट आरक्षण की सियासी बिसात बिछाई जाएगी। इसके लिए आज जाट समुदाय अखिल भारतीय जाट महासभा कर रहा है। राष्ट्रीय लोकदल के नेताओं समेत सतपाल मलिक व नरेश टिकैत भी आयोजन में शामिल होने पहुंचे हैं। मेरठ में अखिल भारतीय जाट महासभा की ओर से केन्द्र में आरक्षण की मांग को लेकर कंकरखेड़ा के शगुन फार्म हाउस में प्रांतीय समनेल का आयोजन किया गया। सम्मेलन में जाटों ने आरक्षण के लिए हुंकार भरी। मुख्य वक्ता चौधरी नरेश टिकैत ने कहा कि जाटों को आरक्षण मिलना चाहिए। इस कौ का हर क्षेत्र में सर्वाधिक योगदान रहा है। आरक्षण समाज का हक है। आज इसी के लिए उत्तर प्रदेश के अन्य राज्यों से भी जाट समाज के लोग आज जुड़े हैं।

उन्होंने कहा कि हमारा चुनाव से कोई लेना-देना नहीं है बल्कि जाट अपना अस्तित्व बचाने के लिए एकजुट हुए हैं। जाटों का इतिहास दबाया जा रहा है, इतिहास में हमारा योगदान है और जाट इसके हकदार है। सम्मेलन को अखिल भारतीय जाट महासभा के राष्ट्रीय महासचिव युद्धवीर सिंह, प्रदेश अध्यक्ष प्रताप चौधरी ने कहा कि हर हाल में हम आरक्षण लेकर रहेंगे, इसके लिए चाहे हमे आंदोलन ही क्यों न करना पड़े।

नरेश टिकैत ने कहा यहां बिरादरी एकत्र हुई है किसी पार्टी का झंडा नहीं, बोले- जाट आरक्षण के हकदार

जाट महासभा के प्रांतीय सम्मेलन पहुंचे नरेश टिकैत ने कहा कि यहां बिरादरी एकत्र हुई है किसी पार्टी का झंडा नहीं है। समाज की कुरीतियों को लेकर जाट समाज एकत्र हाआ है। जाट आरक्षण के हकदार हैं और उन्हें केंद्रीय सेवाओं में आरक्षण मिलना चाहिए। लोकसभा चुनाव से इसका कोई लेना देना नहीं है, जिसकी जहां मर्जी हो वहां वोट करे। उन्होंने कहा कि इतिहास में जाट समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है, समाज सुधार के कार्यों में भी जाटों का योगदान रहा है। कहा कि देश के प्रधानमंत्री का कोई विरोध नहीं है। जाट महासभा में चौधरी प्रदुम्न सिंह, राजस्थान से आये राजा राम मील, राजेन्द्र सिंह सिरोही ने भी संबोधित किया। इस मौके पर अखिल भारतीय राष्ट्रीय जाट महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रताप चौधरी, सुधीर चौधरी व पंजाब, दिल्ली और हरियाणा समेत कई राज्य से आये जाट समाज के लोग शामिल रहे।

रालोद का भी रहा समर्थन

प्रांतीय सम्मेलन में राष्ट्रीय लोकदल के भी कई बड़े नेता कार्यक्रम में रहे। रालोद के रास्ट्रीय सचिव डॉ. राजकुमार, सांगवान, सुनील रोहटा, अशोक, गौरव काफी संख्या में बड़े रालोद नेता जाट समाज को केंद्र में आरक्षण दिलाने के लिए आगे आए।

पश्चिमी यूपी की राजनीति की दिशा तय करेगा जाट समुदाय

पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति का प्रमुख आधार माना जाने वाला जाट समुदाय मेरठ की क्रांति भूमि से राजनीति की दशा और दिशा तय करने जा रहा है। एक अक्तूबर को अंतर्राष्ट्रीय जाट संसद में राजनीति, कला, शिक्षा, साहित्य, संस्कृति, रोजगार, सृजन व गौरवशाली जाट इतिहास को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य को लेकर चर्चा होगी।

इसमें उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, पंजाब, हिमाचल, जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड सहित गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, मध्यप्रदेश व पश्चिम बंगाल आदि सभी राज्यों में निवास कर रहे जाट समाज के प्रतिनिधियों के साथ देश व दुनिया भर से जाट समाज के लोग इस अधिवेशन का हिस्सा बनेंगे। इससे पहले आज हुए जाट महासभा के इस आयोजन ने जाट आरक्षण को लेकर सियासी सरगरमियां तेज कर दी हैं।

नेपाल से छह हाथियों का झुंड किशनपुर सेंक्चुरी पहुंचा

लखीमपुर खीरी। नेपाल के शुक्लाफाटा नेशनल पार्क से छह जंगली हाथियों का झुंड संपूर्णानगर रेंज के रास्ते दुधवा टाइगर रिजर्व की किशनपुर सेंक्चुरी आ पहुंचा है। जंगली हाथियों के आने से जंगल के आसपास बसे गांव के लोगों में अफरा-तफरी मच गई है। उधर, वन विभाग ने इन हाथियों की निगरानी बढ़ा दी है। करीब एक सप्ताह पहले नेपाल से चलकर एक टस्कर हाथी बफरजोन की संपूर्णानगर और भीरा रेंज की महाराजनगर बीट होते हुए किशनपुर सेंक्चुरी के मड़हा जंगल में पहुंचा था। यह टस्कर पिछले सात दिनों से डेरा डालकर जंगली हाथियों के भोजन, पानी और आवास की उपलब्धता का जायजा ले रहा था। टस्कर ने बफरजोन की मैलानी रेंज जंगल से सटे पहाड़नगर, ग्रंट नंबर तीन, बरौंछा, भूड़ गांवों के आसपास खेतों में भी भ्रमण कर भोजन की संभावनाओं का पता लगाया था। इसके बाद शुक्रवार देर शाम छह जंगली हाथियों का एक झुंड किशनपुर सेंक्चुरी पहुंच गया। इन हाथियों का झुंड बफरजोन जंगल से सटे पहाड़नगर गांव के आसपास खेतों में जा पहुंचा। जहां पहले से ही सतर्क ग्रामीणों ने इन हाथियों को खदेड़ दिया। वन विभाग की निगरानी टीमों के मुताबिक शनिवार को इन हाथियों की लोकेशन किशनपुर सेंक्चुरी के मड़हा जंगल में मिली है।

बिजली कटौती से गुस्साए ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

लखीमपुर खीरी। इलाके के लगदहन गांव में बिजली कटौती से परेशान ग्रामीणों ने शनिवार को जमकर प्रदर्शन किया। बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। चेतावनी दी कि अगर व्यवस्था ठीक नहीं होती है, तो वह महंगापुर उपकेंद्र का घेराव करेंगे। शनिवार को प्रदर्शन के बाद लगदहन के ग्रामीणों ने बताया कि बिजली की अघोषित कटौती से परेशान हो चुके हैं। पहले मिट्टी का तेल कोटे की दुकान से मिल जाता था। जिससे घरों में उजाला हो जाता था। अब वह भी नहीं मिलता है। बीते 15 दिनों से शाम को अंधेरे में खाना बनाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि शारदा नदी के किनारे गांव बसा होने के कारण हमेशा जानवरों का खतरा भी मंडराता रहता है। ग्रामीणों ने बिजली व्यवस्था ठीक न होने पर महंगापुर उपकेंद्र का घेराव किए जाने की चेतावनी भी दी है। इस दौरान भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

अधिकारियों को खाली करने पड़ सकते हैं वेटरनेरी विवि. के आवास

मथुरा। यूपी वेटरनेरी यूनिवर्सिटी कैंपस में रह रहे सीडीओ, नगर आयुक्त और सीएमओ को आवास खाली करने पड़ सकते हैं। विश्वविद्यालय और जिला प्रशासन के बीच आवास आवंटन का यह विवाद हाईकोर्ट तक पहुंच गया है। इस मामले में हाईकोर्ट ने दोनों ही पक्षों से जवाब मांगा है।

सन् 1947 में राजकीय वेटरनेरी कॉलेज मथुरा की स्थापना की गई थी। 1965 में पूल हाउस स्कीम के तहत तत्कालीन कॉलेज कैंपस में जिला प्रशासन ने विभिन्न श्रेणी के आवासों का निर्माण कराया। इसमें ए श्रेणी के आठ, बी श्रेणी के आठ, सी श्रेणी के 30 और डी श्रेणी के 44 मकान शामिल थे। तय अनुबंध के तहत इसमें 60 प्रतिशत आवासों का आवंटन कॉलेज के स्तर से होना था, बाकी 40 प्रतिशत आवास जिला प्रशासन के अधीन थे। भविष्य में आवंटन की यह प्रक्रिया उलट गई और अधिकांश आवासों का आवंटन जिला प्रशासन के माध्यम से होने लगा। वर्ष 2001 में वेटरनेरी कॉलेज के विश्वविद्यालय में परिवर्तित होने के बाद विवि प्रशासन ने इस पर आपत्ति जाहिर की। इसी दौरान विवि कैंपस में रात्रि विश्राम के दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विवि कैंपस में जिला प्रशासनिक अफसरों के आवासों को देख हैरानी जताई थी। राज्यपाल की पहल पर शासन ने विवि कैंपस में आवासों का आवंटन जिला प्रशासन से बंद करा दिया। अब यहां सीडीओ, नगर आयुक्त, सीएमओ सहित उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष के आवास हैं। इन अधिकारियों के जाने के बाद नए आने वालोंको इनका आवंटन कर दिया जाता है। इनके अलावा डी श्रेणी के 15 से अधिक आवास भी अभी जिला प्रशासन के पास हैं। विवि कैंपस के आवासों का यह मामला हाईकोर्ट तक पहुंच गया है। आवासों में रह रहे कर्मचारियों की याचिका पर इस मामले में हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों से जवाब मांगा है। हालांकि कुलपति प्रो. एके श्रीवास्तव ने बताया कि मामला कोर्ट में है। कैंपस के सभी आवासों पर विवि का अधिकार होना चाहिए। फिलहाल किसी नोटिस की जानकारी नहीं है।

शराब पीने के दौरान साधु और युवक के बीच हुई थी कहासुनी

मथुरा। लाला बाबू मंदिर के पास आग लगने से साधु की मौत मामले में पता चला है कि शराब पीने के दौरान एक युवक की साधु से कहासुनी हुई थी। इसके बाद युवक साधु पर जलती बीड़ी फेंककर भाग गया था। बीड़ी से फैली आगे के कारण साधु गंभीर रूप से झुलस गया, जिसकी आगरा में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में आरोपी युवक पर केस दर्ज किया है। लाला बाबू मंदिर के पास पिछले 20 साल से 65 वर्षीय साधु कृष्ण चंद्र देवनाथ पुत्र नरेंद्र मोहन देवनाथ रह रहा था। यह मूल रूप से गवर्मेंट कॉलोनी, हावड़ा पश्चिम बंगाल का रहने वाला था। 80 प्रतिशत झुलस जाने के बाद आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज रेफर किया था, जहां उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने साधु की देखरेख करने वाले केशीघाट निवासी स्वरूप मंडल की शिकायत पर गौरव नामक युवक के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने शनिवार को घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले और युवक की पहचान करने के साथ ही उसकी तलाश तेज कर दी है। घटना के अनुसार 19 सितंबर की रात साधु कृष्ण चंद्र देवनाथ के पास दो-तीन युवक शराब पी रहे थे। तभी साधु और गौरव के बीच कहासुनी हो गई। गौरव ने तैश में आकर कृष्ण चंद्र देवनाथ के ऊपर जलती बीड़ी फेंक दी। बताया जा रहा है कि बीड़ी से उनकी जेब में रखी माचिस की तिल्ली ने आग पकड़ ली। शराब भी पास में थी, जिससे आग ने बड़ा रूप ले लिया। आसपास के लोग कृष्ण चंद्र देवनाथ को झुलसी हालत में जिला संयुक्त चिकित्सालय लेकर पहुंचे, जहां से आगरा रैफर कर दिया। रंगजी पुलिस चौकी प्रभारी विजय कुमार ने बताया कि आग लगने से साधु की मौत के मामले में एक युवक पर एफआईआर दर्ज की है। उसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

लंपी के कारण पशु पैंठ पर 31 अक्तूबर तक लगाई रोक

मथुरा। पशुओं को लंपी स्किन बीमारी से बचाने के लिए प्रशासन अलर्ट हो गया है। हरियाणा, राजस्थान और अन्य राज्यों से आने वाले पशुओं पर रोक लगा दी है। पशुओं की लगने वाली पैंठ पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। प्रशासन ने यह रोक 31 अक्तूबर तक लगाई है। नगर पालिका चेयरमैन धर्मवीर अग्रवाल ने बताया कि शासन से पत्र मिलने के बाद नगर में लगने वाली साप्ताहिक पशु पैंठ 31 अक्तूबर तक बंद रहेगी। लंपी स्किन बीमारी पशुओं में न फैले, इसके लिए प्रशासन ने पशु हाट, पशु पैंठ, अंतरराज्यीय और अंतर जनपदीय पशुओं के लाने ले जान पर रोक लगा दी है। नगर में देहात इलाकों में दूसरे राज्यों और जिलों से बड़ी संख्या में पशु पहुंचते हैं। पैठ लगाई जाती है, जिसमें पशुओं की खरीदारी की जाती है। लंपी बीमारी पशुओं में न फैले, इसलिए शासन ने यह कदम उठाया है।

मोबाइल के प्रति प्यार, पति-पत्नी के बीच बन रहा तकरार

मऊ। मोबाइल के प्रति प्यार पति-पत्नी के पवित्र रिश्ते में तकरार का कारण बन गया है। हालात यह है कि घरेलू हिंसा के मामलों का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है, इसमें मोबाइल के चलते संबंध बिखराव का ग्राफ 50 फीसदी है। इस वर्ष अगस्त माह तक 300 घरेलू मामले परिवार परामर्श के पास पहुंचे। इसमें अधिकतर मामलों में तो पति-पत्नी में अलगाव की नौबत तक आ चुकी है। बिखराव में मोबाइल की भूमिका अहम है। परिवार परामर्श की सदस्या अर्चना उपाध्याय ने बताया कि पति और पत्नी के रिश्ते में अविश्वास के कारण कई घर बर्बाद हो रहे हैं। हर दूसरे रविवार को आयोजित होने वाली परिवार परामर्श की विशेष बैठक में घरेलू मामलों की सुनवाई होती है। इसमें 20 से ज्यादा मामले पहुंचते हैं। इनमें सबसे अधिक मामलों में मोबाइल रिश्ते को तोड़ने में प्रमुख कारण बना है। अन्य मामलों में पति की खराब आदत और दहेज उत्पीड़न, घरेलू कलह आदि भी रिश्ते के बीच दरार बन रहे हैं।

बताया कि 2023 में जनवरी से अगस्त तक 300 मामले परिवार परामर्श के पास आ चुके हैं। हालांकि 62 मामलों को निस्तारण किया जा चुका है। बताया कि इसी तरह से 2022 में 277 मामले आए थे, इसमें 52 मामलों का निस्तारण किया गया। वहीं 2021 में 240 मामलों में 50 से ज्यादा मामलों का निस्तारण किया गया था। बताया कि इन मामलों में मोबाइल से बात करने को लेकर अविश्वास नए जोड़ों में भी मतभेद ला रहा है। इसका ग्राफ 5 फीसदी है। इसमें कुछ मामलों में अलगाव तक की स्थिति है। इसमें मोबाइल से किसी तीसरे से बात करने के अलावा मायके पक्ष से मां, बहन, भाई के ज्यादा देर तक बात करना ही विवाद का मुख्य वजह बन रहा है।

2015 के बाद मोबाइल के विवाद का बढ़ने लगा ग्राफ -मऊ ।घरेलू हिंसा से परिवार का विघटन रोकने के उद्देश्य से परिवार परामर्श की बैठक पुलिस प्रशासन द्वारा वर्ष 2009 से कराया जा रहा है। शुरूआती समय में इस बैठक में दहेज की मांग, पति के शराब, स्मैक, चरस आदि नशा करने से भी मियां बीबी के बीच विवाद उत्पन्न होने के मामले ज्यादा थे, मोबाइल से विवाद के मामलों का ग्राफ बहुत कम था। लेकिन 2015 के बाद इन मामलों में वृद्धि होने लगी, जो कि 2018 के बाद आने वाले 10 मामलों में 3 मामले तो इससे संबंधित होने लगे।

रजवटिया में बनेगा बहुद्देशीय हब, जमीन के मुआवजे के लिए मिले 12.41 करोड़

100 किसानों की 45 एकड़ जमीन का किया जाएगा अधिग्रहण, 50 करोड़ देना है मुआवजा, पहली किस्त मिली

कुशीनगर। एक साल से अधर में लटके बहुद्देशीय हब को बनाने की योजना को शासन से हरी झंडी मिल गई है। किसानों को मुआवजा देने के लिए 12,41,62,500 रुपये की पहली किस्त जारी हुई है। जिले के अंतिम छोर पर बसे नेशनल हाइवे के किनारे रजवटिया में 72 एकड़ जमीन में इसका निर्माण होगा। इसके लिए 100 किसानों की 45 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। जमीन के अधिग्रहण के लिए 50 करोड़ रुपये खर्च किए जाने हैं, जिसमें से प्रथम किस्त प्राप्त हो गई है। उसके बाद निर्माण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। सरकार ने दूसरे राज्यों से लगने जिलों के सीमावर्ती क्षेत्रों में बहुद्देशीय हब बनाने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में कुशीनगर में भी बहुद्देशीय हब स्वीकृत हुआ था, जिसके लिए जमीन अधिग्रहित करने और अन्य जरुरी प्रक्रिया चल रही थी। गांव में 25 एकड़ जमीन सरकारी है, जबकि 100 किसानों की 45 एकड़ जमीन अधिग्रहित करने के लिए चिह्नित किया गया है, लेकिन एक साल से यह मामला अधर में लटका था। किसान भी परेशान थे, क्योंकि चिह्नित जमीन पर खेती किसानी पर रोक लगा दिया गया था। 100 किसानों को सर्किल रेट के चार गुना कीमत से करीब 50 करोड़ रुपये मुआवजा देना है।

दो दिन पूर्व 12,41,62,500 रुपये की पहली किस्त मिली है। कार्यदायी संस्था पीडब्ल्यूडी के अफसर किसानों से संपर्क शुरू कर दिए हैं। यहां पर फूड हब, कृषि मंडी, मॉल, पेट्रोल पंप, बस स्टैंड, पुलिस चौकी, स्टेडियम, होटल, पार्क, मल्टीसिटी हॉस्पिटल, ट्रामा सेंटर, पार्किंग स्थल, स्पोर्ट्स कांप्लेक्स, मॉडल स्कूल, कॉलेज व मनोरंजन की उच्चस्तरीय सुविधायुक्त पर्यटन स्थल बनाया जाएगा। शुरूआत में 100 एकड़ जमीन की तलाश शुरू हुई। बाद में 85 एकड़ और अब 72 एकड़ जमीन पर बहुउद्देशीय हब योजना बनाने का प्रस्ताव पास हुआ है। यहां शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, विकास, पर्यटन, पुलिस, पीडब्ल्यूडी सहित कई विभागों से जुड़ी परियोजनाओं पर कार्य होना है।

इन विभागों की होगी सहभागिता, कराए जाएंगे निर्माण कार्य

बहुद्देशीय हब में चिकित्सा विभाग की ओर से मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल व ट्रामा सेंटर, जिला विद्यालय निरीक्षक की तरफ से केंद्रीय विद्यालय की तर्ज पर राजकीय विद्यालय, बेसिक शिक्षा विभाग की तरफ से संविलयन विद्यालय, कृषि विभाग की ओर से मल्टीपरपज सीड स्टोर, उद्योग विभाग की ओर से उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री के लिए हाल, परिवहन विभाग की तरफ से पार्किंग स्थल, कॉमर्शियल एरिया, खेल विभाग की ओर से मिनी स्टेडियम, पर्यटन विभाग की तरफ से होटल, पर्यटक आवास, पार्किंग, लोक निर्माण विभाग की तरफ से फ्लाईओवर, फुट ओवरब्रिज और लाइट, पेट्रोलपंप, मॉल, बस स्टैंड इत्यादि कार्य प्रस्तावित हैं।

डीआईओएस कार्यालय से हटाए गए संबद्ध बाबू

मथुरा। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में संबद्ध चल रहे लिपिक व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को कार्यमुक्त कर दिया गया है। इन सभी कर्मियों ने अब अपने मूल तैनाती वाले विद्यालयों में ज्वाइन कर लिया है। डीआईओएस कार्यालय में बीते लंबे समय से 11 से अधिक लिपिक व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संबद्ध चल रहे थे। जो कि महत्वपूर्ण पटलों को भी देख रहे थे। संबद्ध चल रहे सभी कर्मचारियों को एक झटके में जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा कार्यमुक्त कर दिया गया है। इससे डीआईओएस कार्यालय में खलबली मच गई है। साथ ही इससे कार्यालय में मूल तैनाती वाले बाबुओं पर काम का लोड अचानक काफी बढ़ गया है। जिससे जिले के शिक्षकों व कर्मचारियों का काम होने में भी देरी हो रही है। इससे वह कार्यालय में आकर अपना काम शीघ्र कराए जाने के लिए दबाव बना रहे हैं। इससे कार्यालय में दिक्कतें खड़ी हो रही हैं। शासनादेश के अनुसार संबद्ध लिपिक व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को उनके मूल तैनाती वाले विद्यालयों में भेज दिया गया है। हालांकि इससे काम को समय से पूरा कराने में दिक्कतें तो आ रही हैं लेकिन शासनादेश का पालन करते हुए ही संबद्ध कर्मियों को कार्यमुक्त किया गया है।

आवेदन की चूक सुधार को मिलेगा एक और मौका

मऊ। जिले में अगले साल होने वाली यूपी बोर्ड परीक्षा के लिए केंद्रों के निर्धारण की प्रक्रिया चल रही हैं। इसी बीच हाईस्कूल, इंटर के परीक्षार्थियों के संबंध में उनके नाम, पिता का नाम, जाति, फोटो सहित अन्य सूचनाओं में संशोधन के लिए बोर्ड ने प्रधानाचार्यो को एक और मौका दिया है। नकल विहीन परीक्षा के लिए बोर्ड की ओर से यह पहल माना जा रहा है ।जिले में 517 माध्यमिक विद्यालय हैं। माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश की ओर से वर्ष 2024 की हाईस्कूल, इंटर की परीक्षाओं में शामिल होने वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक विवरणों की त्रुटियों के निराकरण के लिए बोर्ड की ओर से पुनर्पहल की गई है। अब तक उनके ऑफलाइन संशोधन कराए जाने की प्रक्रिया में सुधार करते हुए छात्रों के हित में पहली बार उनके सभी शैक्षिक विवरणों जैसे छात्र का नाम, माता-पिता का नाम, जन्मतिथि, जेंडर, जाति, फोटो एवं विषयों आदि को एक साथ ऑनलाइन संशोधित किए जाने के लिए परिषद की वेबसाइट यूपीएमएसपी डॉट इडीयू डॉट इन पर व्यवस्था की गई है। अधिकारियों के अनुसार जिले के माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य वेबसाइट पर अपलोड हाईस्कूल, इंटर परीक्षा वर्ष 2024 के सभी संस्थागत एवं व्यक्तिगत छात्र-छात्राओं के शैक्षिक विवरणों की जांच करेंगे। संबंधित छात्रों, उनके अभिभावकों से भी इनके चेकलिस्ट की जांच करेंगे। किसी प्रकार की त्रुटि मिलने पर वेबसाइट पर तत्काल संशोधित कर इसे अपडेट करेंगे। गत वर्षों की परीक्षा में परीक्षार्थियों के शैक्षिक विवरणों में संशोधन नहीं किए जाने से संबंधित छात्रों को परीक्षा में शामिल किए जाने को लेकर दिक्कतें पेश आई थीं ।पिछले वर्षों में कई प्रधानाचार्य प्रायः छात्र-छात्राओं का शैक्षिक विवरण परिषद की वेबसाइट पर अपलोड करने से छोड़ देते थे। ऐसे में बाद में उन्हें परीक्षा में शामिल कराने के लिए अग्रिम अनुक्रमांक की मांग करते थे। इस प्रकार के अग्रिम अनुक्रमांक पाए परीक्षार्थियों के नकल करने एवं अन्य अवांछित कार्यवाही में संलिप्त रहने की संभावना रहती थी। इसे देखते हुए बोर्ड ने अग्रिम अनुक्रमांक देने की व्यवस्था को ही समाप्त कर दिया है। बाद में समस्या आने पर प्रधानाचार्यों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

धूमधाम से मनाया गया पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती

त्रिगुट संवाददाता

अलावल देवरिया (गोण्डा)। जनपद के भाजपाइयों ने अपने सभी 452 शक्ति केन्द्रों पर कार्यक्रम आयोजित किया। सभी कार्यक्रमों में जिला पदाधिकारी प्रदेश पदाधिकारी सहित जनप्रतिनिधियों ने शिरकत किया। भाजपा जिला कार्यालय पर दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उन्हें याद कर पुष्प अर्पित करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर वक्ताओं द्वारा उनके जीवन वित्त पर प्रकाश डालते हुए उनके विचारों का अनुसरण करने की अपील की गई। पंडित दीनदयाल उपाध्याय को याद करते हुए जिलाध्यक्ष अमरकिशोर कश्यप ने कहा कि उनका जीवन सदैव समाज सेवा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने हमेशा समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की चिंता की पूर्व मंत्री विधायक मनकापुर रमापति शास्त्री ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म 25 सितंबर 1916 को मथुरा जिले के नगला चंद्रभान नामक गांव में हुआ था। हम सभी उनके जन्मदिन को अंतोदय दिवस के रूप में मनाते हैं। प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉक्टर पुष्कर मिश्रा ने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का कहना था कि अवसरवाद की राजनीति के प्रति लोगों का विश्वास खत्म होता जा रहा है। अपने राष्ट्र की पहचान को भूलना भारत की प्रमुख समस्याओं का मूलभूत कारण है। बिना राष्ट्रीय पहचान के स्वतंत्रता की कल्पना व्यर्थ है।

विधायक प्रभात वर्मा ने बताया कि पंडित जी का विचार और सिद्धांत दोनों ही राष्ट्र को समर्पित थे। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अनुसार नैतिकता सिद्धांत किसी व्यक्ति द्वारा नहीं बनाए जाते बल्कि खोजे जाते हैं। उनकी इस विचारधारा का आज के दौर में अनुसरण करना होगा। यही पंडित दीनदयाल उपाध्याय के लिए हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती अभियान के संयोजक एवं जिला मीडिया प्रभारी राघवेंद्र ओझा पुट्टू ने बताया कि तरबगंज विधायक प्रेम नारायण पांडे, करनैलगंज विधायक अजय कुमार सिंह, मेहनौन विधायक विनय कुमार द्विवेदी मुन्ना भैया, भाजपा महामंत्री राकेश तिवारी, आशीष त्रिपाठी, जसवंत लाल सोनकर, जिला उपाध्यक्ष दीपक अग्रवाल अनुपम प्रकाश मिश्रा, संदीप पांडे सहित तमाम पदाधिकारी द्वारा आज गरीबों एवं दलितों की आवाज राष्ट्रवादी नेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 160वीं जयंती पर विभिन्न शक्ति केन्द्रों पर जाना हुआ। सभी शक्ति केन्द्रों पर कार्यकर्ता पदाधिकारी द्वारा उनके चित्र के समक्ष पुष्पवर्षा कर उन्हें अपनी विनम्र श्रद्धांजलि प्रदान की गई।

अवध विवि की तैराकी प्रतियोगिता में अभिषेक ने जीते दो स्वर्ण एवं एक सिल्वर

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के क्रीड़ा परिषद द्वारा आयोजित अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता 2023-24 में सोमवार को तैराकी (पुरुष-महिला) खेल का आयोजन रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर अंबेडकर में आयोजित किया गया। इस तैराकी प्रतियोगिता में आवासीय परिसर की पुरुष वर्ग टीम के अभिषेक कुमार ने ब्रेस्ट स्ट्रोक 50 मीटर में गोल्ड मेडल, बैक स्ट्रोक 50 मीटर में गोल्ड मेडल, बटर फ्लाई 100 मीटर में सिल्वर मेडल प्राप्त किया।

मैडल विजेता अभिषेक कुमार की इस उपलब्धि पर अवध विवि की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त प्रो. एस. एस.मिश्रा, आवासीय परिसर की क्रीड़ा अध्यक्ष प्रो. नीलम पाठक, सचिव डॉ0 सुरेन्द्र मिश्र, सदस्य डॉ. अनुराग पांडे, सदस्य डॉ. त्रिलोकी यादव, मैनेजर कुमार मंगलम सिंह, आनन्द मौर्य ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जयंती पर गोष्ठी का हुआ आयोजन

गोंडा (महाराजा देवी बख्श सिंह इंटर कॉलेज बेलसर गोंडा में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जयंती के अवसर पर प्रधानाचार्य एवं उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह की अध्यक्षता में गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए अजीत सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र को समर्पित किया। वो द्वि राष्ट्रवाद के खिलाफ थे। उन्होंने अखंड भारत की कल्पना की थी। उनके द्वारा प्रतिपादित एकात्म मानववाद में संप्रदाय से ऊपर उठकर अंतिम छोर के व्यक्ति के विकास की कल्पना की थी। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की कर्म शीलता ही उन्हें महान बनाती है। उन्होंने आगे कहा कि हमें पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी द्वारा दिखाए गए मार्ग को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देना होगा। इस दौरान भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र युवराज मिश्रा को प्रधानाचार्य द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। गोष्ठी का संचालन शिक्षक अशोक कुमार ने किया। इस अवसर पर उमेश चंद्र गुप्ता, चंद्रशेखर, अमित वर्मा, मोहम्मद यूनुस आदि के साथ-साथ विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं छात्र - छात्राएं उपस्थित रहे।

आरती थाल प्रतियोगिता में प्रियांशी साहू ने बाजी मारी

डा0 कल्पराम त्रिपाठी

गोंडा-रानी बाजार स्थित रानी बाजार के राजा सिद्धि विनायक पूजा समिति द्वारा धूमधाम से चल रहे गणेश पूजा महोत्सव में रविवार की रात महाआरती का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओं और बच्चे शामिल हुए।धूमधाम से मनाया जा रहा है। देर शाम भगवान गणेश जी विधि विधान से पूजन पाठ हुआ जिसमें दूबा से गजरे का माला बनाकर पहनाया गया। पूजन के बाद महाआरती हुई। उसके बाद आरती थाल प्रतियोगिता हुई जिसमें प्रियांशी साहू को प्रथम,पीहू साहू को द्वितीय और चेतना गुप्ता को तृतीय पुरस्कार दिया गया और बाकी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार भी दिया गया यह सभी पुरस्कार कमेटी द्वारा सम्मानित किया गया और छोटे छोटे बच्चों को प्रोत्साहन दिया गया। मंच का संचालन जय माता दी सेवक संघ के अध्यक्ष चंद्र मोहन मित्तल ने किया। उसके बाद प्रसाद वितरण किया गया।

कार्यक्रम के दौरान कमेटी के अध्यक्ष आनंद मोदनवाल, उपाध्यक्ष सोनू पटवा, मंत्री शुभम कसौधन ,संजय अग्रवाल,साहिल गोयल,लक्ष्मण गुप्ता ,प्रियांशु जायसवाल, कन्हैया पटवा, श्याम पटवा, महेश मोदनवाल, संतोष मोदनवाल, रामू जायसवाल, राजा गुप्ता,विकास पटवा , रंजीत पटवा सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

जूनियर हाई स्कूल बिशुनपुर बैरिया में शिक्षक चौपाल का किया गया आयोजन

जनक राम वर्मा

अलावल देवरिया (गोंडा)। पंडरी कृपाल ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत बिशुनपुर बैरिया में स्थित जूनियर हाईस्कूल में सोमवार को शिक्षक चौपाल का किया गया आयोजन। जिसकी अध्यक्षता पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि श्रेयस्कर देव उर्फ गौरव सिंह ने किया। इस चौपाल में एआरपी जेपी यादव सहित चारों विद्यालय के प्रधानाध्यापिका शिक्षक व बच्चों के अभिभावक मौजूद रहे। इस दौरान एआरपी जेपी यादव व पूर्व ब्लाक प्रमुख ने छात्रों के अभिभावकों से कहा कि सभी लोग अपने बच्चों को नियमित रूप से शिक्षा ग्रहण करने के लिए स्कूल भेजें। वही शिक्षकों ने छात्रों के अभिभावकों को जागरुक करते हुए कहा कि छात्रों के लिए सरकार द्वारा खातों में दिया गया पैसा से स्कूल ड्रेस खरीद कर बच्चों को पहना कर स्कूल भेजें। जिससे यह पता रहे कि यह किस स्कूल के छात्र हैं। वहीं एआरपी जेपी यादव ने बच्चों से जानकारी किया कि विद्यालय में मध्याहन भोजन बनता है कि नहीं। बच्चों द्वारा बताया गया कि विद्यालय में मीनू के अनुसार भोजन बनता है और सभी बच्चों को भोजन मिलता है। चौपाल के दौरान स्कूल के छात्र छात्रों के द्वारा याद की गई कुछ कविताएं भी छात्र-छात्राओं ने सुनाए। जिसे सुनकर एआरपी जेपी यादव व बच्चों के अभिभावक झूम उठे। इस दौरान एआरपी ने वहां मौजूद सभी बच्चों के अभिभावकों से कहा कि अपने अपने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल अवश्य भेजें । जिससे बच्चे पढ़कर आगे बढ़ेंगे और अपने जिले तथा प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। यह शिक्षा चौपाल सरकार द्वारा चलाए जा रहा है यह जानकारी और पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि श्रेयस्कर देव उर्फ गौरव सिंह ने दिया। उन्होंने कहा कि इस चौपाल के माध्यम से सभी छात्र-छात्राओं व अभिभावकों को जागरूक किया जा रहा है बच्चे पढ़ेंगे तभी आगे बढ़ेंगे।

उत्तर प्रदेश ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ का चुनाव हुआ संपन्न

अध्यक्ष शिवजी वर्मा, मंत्री कमला प्रसाद यादव,कोषाध्यक्ष अनिल यादव व बबिता राज बनी संगठन मंत्री

त्रिगुट संवाददाता

अयोध्या । उत्तर प्रदेश ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ जनपद अयोध्या का चुनाव बड़ी ही गहमा गहमी के बीच संपन्न हुआ द्य जिसमे 11 विकास खंडों के सभी सफाई कर्मचारियों द्वारा मतदान अपने अपने समर्थक को जीताने में लगे रहे ।अंततः अध्यक्ष पद हेतु शिवजी वर्मा , मंत्री पद हेतु कमला प्रसाद यादव , कोषाध्यक्ष पद हेतु अनिल यादव , बबिता राज को संगठन मंत्री के पद का उत्तरदायित्व संभालने का मौका सभी सफाई कर्मचारियों ने दिया है ।

चारों पदों को जीतने के बाद सभी पदों पर चयनित लोगों ने सभी सफाई कर्मचारियों ने साथ देने के लिए आभार प्रकट किया है द्य और सभी ने एक सुर में संगठन के हित में कार्य करने का भरोसा दिलाया द्य इस अवसर पर शिव जी वर्मा , शैलेंद्र सिंह , शिवा भारती , राकेश गौतम , कमला प्रसाद यादव , देवी प्रसाद , ध्रुव देव कोषाध्यक्ष पद पर अनिल यादव , तुलसीराम राजभर , दीपक कुमार भारती हरिओम प्रजापति , बबिता राज , मालती देवी इस मौके पर श्रीराम मौर्य , रामकिशोर वर्मा , रमाकांत वर्मा , शिवनाथ गोस्वामी , ओमप्रकाश वर्मा , राम तीरथ , शालिग्राम यादव , अजय सिंह , सुजीत कुमार , अर्जुन वर्मा , सुनील विश्वकर्मा , अवधेश राकेश आदि लोग उपस्थित रहे।

एम्बुलेंस में कराया महिला का सुरक्षित प्रसव

त्रिगुट संवाददाता

गोंडा। सरकार द्वारा चलाई जा रही 108 एंबुलेंस निरन्तर अपनी सेवा से आपातकालीन सेवा एवं गर्भवती महिलाओं व नवजात शिशुओं को बचाता आ रहा है। इसी क्रम मे जनपद गोंडा ब्लॉक छपिया अन्तर्गत ग्राम घनश्यामपुर 24 वर्षीय खुशबू पत्नी पुनवासी को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हुई। जिसपर एम्बुलेंस हेतु 108 पर कंट्रोल रूम फोन किया गया। वहीं कुछ मिनटों में क्ष्3२श्वत्र4673 छपिया लोकेशन की एम्बुलेंस उनके घर पहुंची और प्रसूता को लेकर जैसे ही अस्पताल के लिए निकली। कुछ ही दूरी पर महिला को प्रसव पीड़ा होने लगी। जिसपर 108 एम्बुलेंस के एमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन जय प्रकाश व पायलट अजय कुमार द्वारा एम्बुलेंस सड़क के किनारे खड़ा करके घर के महिलाओं के सहयोग से प्रसूता का सुरक्षित प्रसव करवाया गया। जिसके उपरांत इनको नजदीकी हॉस्पिटल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छपिया में भर्ती करवाया गया। जहां मौजूद चिकित्सक ने जच्चा बच्चा दोनों को स्वस्थ बताया। तदुपरांत एम्बुलेंस ई.एम.टी . जय प्रकाश ने इसकी सूचना 108/102 एम्बुलेंस के जिला प्रभारी राजन कुमार भारती एवम् प्रोग्राम मैनेजर संजय कुमार पांडे को दी गई।

सफाई कर्मचारी की तैनाती न होने पर हुसेनाबाद बाजार में बने कूड़ा निपटान शेड खाली

अरविंद कसौधन

उतरौला(बलरामपुर)। लगभग आठ वर्षों से सफाई कर्मचारी की तैनाती न होने से हुसेनाबाद बाजार में बने कूड़ा निपटान शेड पर कूड़ा बाजार से शेड पर नहीं पहुंच रहा है। इससे इस शेड पर कूड़ा निस्तारण की प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकीं। प्रधानमंत्री स्वच्छता अभियान की महत्वाकांक्षी परियोजना को लागू करते हुए विकास विभाग ने हुसेनाबाद बाजार के कूड़े का निस्तारण कराने के लिए लगभग सात लाख रुपए की लागत से कूड़ा निपटान शेड का निर्माण लगभग छः माह पूर्व कराया गया था। इसमें ग्राम हुसेनाबाद बाजार के कूड़े को एकत्रित करके उसे इस शेड में बने गड्ढे में एकत्र करना है। उसके बाद शेड में बने गड्ढों में कूड़े के धातु, प्लास्टिक, कागज को अलग अलग करके उसके कूड़े से खाद बनाया जाएगा। कूड़े से बने वर्मी कम्पोस्ट पिट व नाडेप खाद गड्ढा में खाद को एकत्र किया जाएगा और उसके बाद कूड़े से बनी खाद को किसानों को बेचने की योजना है। विकास विभाग द्वारा संचालित इस परियोजना में गांव से कूडा एकत्र करके शेड तक कूड़ा पहुंचाने के लिए ग्राम पंचायत ने कूड़ा गाड़ी की खरीद कर ली लेकिन गांव में विकास विभाग द्वारा सफाई कर्मचारी की तैनाती न किए जाने से परियोजना में गांव से कूडा एकत्र करने वाला कोई सफाई कर्मचारी नहीं है। सफाई कर्मचारी की तैनाती न होने से ग्राम हुसेनाबाद बाजार का सारा कूड़ा सड़कों पर बिखरा पड़ा रहता है। इस तरह एक कदम स्वच्छता की ओर अभियान को ग्रहण लग गया है। ग्राम प्रधान अफसर अली ने बताया कि विकास विभाग से कई बार सफाई कर्मचारी की तैनाती की मांग की गई थी लेकिन विभाग ने अभी तक किसी सफाई कर्मचारी की तैनाती नहीं की है। सफाई कर्मचारी न होने से बाजार में जगह जगह कूड़े का ढेर लगा रहता है। वहीं कूड़ा निपटान शेड का निर्माण पूरा होने के बाद सफाई कर्मचारी के अभाव में कूड़ा एकत्र नहीं हो सका है जिससे खाद बनाने की प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकी है। सहायक विकास अधिकारी गैंडास बुजुर्ग हनोमान प्रसाद ने बताया कि ग्राम पंचायत हुसेनाबाद बाजार में सफाई कर्मचारी की तैनाती के लिए जिला विकास अधिकारी को पत्र लिखा गया है लेकिन अभी तक तैनाती नहीं हो सकी है। सफाई कर्मचारी की तैनाती न होने से कूड़ा निपटान प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकी है। जिले से सफाई कर्मचारी की तैनाती होते ही प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

4 को मुख्यमंत्री आर्य समाज स्वर्ण जयंती समारोह का करेगे उद्घाटन

मंडलीयबैठक अध्यक्षता करते हुए प्रधान शास्त्री विनोद आर्य एवं मुख्यमंत्री को निमंत्रण देते हुए ओमप्रकाश आर्य

निज संवाददाता

गोण्डा। कमिश्नरी मुख्यालय महाशय सेनानी छोटेलाल हाताआर्य समाज जिला सभा के तत्वाधान में मंडलीय बैठक में आर्य समाज नई बाजार जिला बस्ती के स्वर्ण जयंती समारोह संयोजक आचार्य सुरेश जोशी ने बैठक के माध्यम से आमंत्रित करते हुए बताया कि4 अक्टूबर 2023 को यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी समारोह का उद्घाटन करेंगे समारोह 7 अक्टूबर तक चलेगा जिसमें देश भर के वैदिक विद्वान महर्षि दयानंद सरस्वती के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का उद्घोष करेंगे

बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान/आर्यवीर दल मध्य उ0प्र0मंत्री शास्त्री विनोद आर्य ने की अध्यक्षीये संबोधन में आर्यो के महाकुंभ स्वर्ण जयंती समारोह में जाने के लिए हर संभव मदद का घोषणा की,स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी संगठन आदित्य भान सिंह एवं प्रदेश सचिव माधव राज सिंहऔर उ0प्र0उधोग व्यापार मंडल युवा जिला अध्यक्ष जितेंद्र कृष्ण को वैदिक फटुका पहनाकर सीआईबी महासचिव डा0बीवी मिश्रा एवं जिला सह संचालक ब्रहमचारी प्रदीप आर्य ने स्वागत किया

इस अवसर पर आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर प्रदेश उपमंत्री तृप्ति आर्या ने महर्षि के200वी जयंती पर यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने卐ज्ञान ज्योति पर्व卐के रूप में पूरे भारत में मनाए जाने का शुभारंभ किया के परिपेक्ष में 3 दिसंबर को शहीद ए आजम भगत सिंह इंटर कॉलेज गोंडा में 200 कुंडली यज्ञ आर्यवीर शौर्य प्रदर्शन एवं ऋषि संदेश मे आप सभी का स्वागत है,अशोक कुमार तिवारी एवं आर्यव्रत ने समारोह उपलक्ष्य में गीत प्रस्तुत किया मंडल संचालक चंद्रकेतु आर्य ने श्रावस्ती कटरा वार्षिक उत्सव का निमंत्रण दिया सभा को योगीप्रसाद,सत्यनारायण आर्य, अरुण शुक्ला, सत्य प्रकाश,अरविंद अमर दीक्षित आदि बस्ती बाराबंकी मंडल के सैकडो महानुभावों शामिल हुए।

गौरवशाली संस्कृति से समृद्ध है राष्ट्रभाषा हिन्दी -डा. उमा सिंह

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा। हिन्दी पखवारे के उपलक्ष्य में सिविल लाइन स्थित एक होटल में वैश्विक हिन्दी के स्वरूप पर परिचर्चा व काव्य गोष्ठी का आयोजन रविवार की सायं महिला विमर्श के क्षेत्र में चर्चित साहित्यकार व कवयित्री डा. उमा सिंह के संयोजन में किया गया।

साहित्य भूषण से सम्मानित कवि शिवाकांत मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित परिचर्चा व गोष्ठी का वाणी वंदना से शुभारंभ करते हुए परिचर्चा में विचार व्यक्त करते हुए डा. उमा सिंह ने कहा कि हिन्दी अपनी गौरवशाली संस्कृति व समृद्ध शब्द भाव संपदा के कारण विश्व भाषा के पद पर प्रतिष्ठित हुई है। भारत की सभी क्षेत्रीय भाषाएं इससे ऊर्जा ग्रहण करती हैं। चर्चित ओज कवि शिवाकांत मिश्र विद्रोही ने गोष्ठी में हिन्दी का नमन करते हुए पढा- भरत भूमि की मातृभाषा जो अपनी हिन्दी है, यही अवध - सरयू काशी- गंगा मथुरा- कालिन्दी है। वरिष्ठ कवि सुरेन्द्र बहादुर सिंह झंझट ने नए अपना भाव पुष्प अर्पित करते हुए कहा कि भारतवर्ष की पहचान है हिन्दी गरिमा गौरव हिन्दुस्तान है हिन्दी।

काव्य गोष्ठी में कवयित्री ज्योतिमा शुक्ला रश्मि, हरीराम शुक्ल प्रजागर, अवधेश कुमार सिंह बृजेश श्रीवास्तव सहित अन्य कवियों ने हिन्दी का गुणगान कर उपस्थित श्रोताओं को मुग्ध कर दिया।

अवध विवि में कला आचार्य कला प्रदर्शनी-2023 का शुभारम्भ 26 से

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के ललित कला (फाईन आर्ट्स) विभाग तथा राज्य ललित कला अकादमी, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में 26 से 28 सितम्बर, 2023 में मध्य तीन दिवसीय ''कला आचार्य कला प्रदर्शनी-2023'' का आयोजन फाईन आर्ट्स विभाग की कला विथिका (आर्ट् गैलरी) में किया जायेगा।

यह आयोजन शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य मे संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ द्वारा प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों को कला शिक्षक के सम्मान हेतु उनके द्वारा निर्मित कला कृर्तियों की प्रदर्शन हेतु राज्य ललित कला अकादमी द्वारा आयोजन सम्बंधी वित्त पोषण किया गया है, जिसमें विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों एवं अवध क्षेत्र के विभिन्न शैक्षिक संस्थानों के शिक्षको की चित्रकला, मूर्तिकला एवं व्यवहारिक कला की कृर्तियों की प्रदर्शनी की जायेगी। प्रदर्शनी में प्रतिभागिता पूर्णतः निःशुल्क रहेगा।

RNI No. 46071/85

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक टी.रजा रिज़वी ने विकास प्रिन्टिंग प्रेस, मालवीयनगर, गोण्डा से मुद्रण करवाकर 568, मालवीयनगर गोण्डा (उ0प्र0) 271001 से प्रकाशित किया।

गोण्डा कार्यालय

फोन/फैक्स-05262-230683

मो0- 09415120085

लखनऊ कार्यालय-

फोन- 0522-4028445

मो0- 09415249085

:- E-mail :-

trigutdainik@gmail.com